RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902 | रांची संस्करण | रांची ● शनिवार ● 28.03.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 240 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये | www.tezraftarlive.com Email-navbiharjh@gmail.com

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

जोहार

रामनवमी के रंग में रंगी राजधानी

मुख्यमंत्री सोरेन ने पत्नी संग तपोवन मंदिर में टेका मत्था

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रामनवमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को अपनी धर्मपत्नी और विधायक कल्पना सोरेन के साथ राजधानी के निवारणपुर स्थित सुप्रसिद्ध श्री राम जानकी तपोवन मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान श्री राम के चरणों में शीश नवाकर झारखंड की सुख-शांति, समृद्धि और चहुंमुखी विकास की मंगलकामना की।

तपोवन मंदिर जाने से पूर्व, मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन ने मुख्यमंत्री आवास स्थित मंदिर में भी विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रार्थना की। पूजा के दौरान मंदिर परिसर 'जय श्री राम' के जयकारों से गुंजायमान रहा।

राज्य की खुशहाली की कामना

सामाजिक समरसता का दिया संदेश

मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और विभिन्न अखाड़ों के सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनवमी का यह पर्व हमें मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम के उच्च आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा, हमें पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ इस पर्व को मनाते हुए सामाजिक सद्भाव और समरसता की मिसाल पेश करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को महापर्व की बधाई देते हुए सभी की मनोकामनाएं पूरी होने की कामना की।

तपोवन मंदिर के सौंदर्यीकरण पर जोर

मंदिर के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तपोवन मंदिर की अपनी एक विशिष्ट पहचान है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार इस पवित्र स्थल को और अधिक भव्य और सुंदर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है, जिसे जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा ताकि भक्तों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

रांची : राजधानी रांची में रामनवमी के पावन अवसर पर आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। जैसे ही शहर के विभिन्न इलाकों से शोभायात्राएं निकलनी शुरू हुईं, आसमान से राहत की बूंदें बरसने लगीं। झमाझम बारिश ने जहां मौसम को खुशनुमा बना दिया, वहीं रामभक्तों के उत्साह को दोगुना कर दिया। जय श्री राम के उद्घोष के साथ अखाड़ाधारी और श्रद्धालु भीगते हुए अपने गंतव्य तपोवन मंदिर की ओर निरंतर बढ़ते रहे। दोपहर बाद शुरू हुई बारिश के कारण एक समय जुलूस की रफ्तार कुछ धीमी जरूर हुई, लेकिन भक्तों का जोश कम नहीं हुआ। अखाड़ाधारी अपने पारंपरिक हथियारों के साथ करतब दिखाते हुए आगे बढ़ते रहे। पूरे रास्ते में जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए थे, जहां भक्तों के लिए शरबत, नींबू पानी, खिचड़ी, हलवा और चने की उत्तम व्यवस्था की गई थी। इस बार की शोभायात्रा में 'नारी सेना' का आकर्षण विशेष रहा। सिर पर भगवा पगड़ी और हाथों में शस्त्र थामे महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही थीं।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये/लीटर घटी

एजेंसी

नई दिल्ली : ईरान युद्ध के कारण ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये और डीजल पर 10 रुपये से घटाकर शून्य रुपये कर दी है। अब पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर शून्य हो गई है। इससे फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे।

यह कटौती ईरान युद्ध के बीच तेहरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट पर लगाए गए ब्लॉकेड के कारण ग्लोबल एनर्जी संकट के बीच की गई है, जिसके जरिये दुनिया के क्रूड ऑयल और गैस सप्लाई का पांचवां हिस्सा झ हर दिन 20 से 25 मिलियन बैरल झ भेजा जाता है।

देर रात जारी नोटिफिकेशन में, वित्त मंत्रालय ने कहा कि ये फैसला, तुरंत लागू होगा।

सरकार के इस फैसले के बाद पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक्स पोस्ट में

कहा कि सरकार ने अपने कर राजस्व पर भारी असर डाला है ताकि तेल कंपनियों का बहुत अधिक नुकसान (पेट्रोल के लिए लगभग 24 रुपये/लीटर और डीजल के लिए 30 रुपये/लीटर) कम हो सके, जब इंटरनेशनल कीमतें आसमान छू रही हैं। साथ ही, एक्सपोर्ट टैक्स लगाया गया है क्योंकि पेट्रोल और डीजल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें आसमान छू रही हैं और दूसरे देशों को एक्सपोर्ट करने वाली किसी भी रिफाइनरी को एक्सपोर्ट टैक्स देना होगा। इस बड़े फैसले के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण का शुक्रिया अदा करता हूं।

सरकार ने यह कदम पेट्रोलियम कंपनियों को राहत देने के लिए उठाया है, जो वर्तमान में उच्च दामों पर कच्चा तेल खरीद रही हैं।

ट्रंप ने घोषित की नेशनल इमरजेंसी

एजेंसी

वॉशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के एयरपोर्ट्स पर मचे भारी हड़कंप को देखते हुए नेशनल इमरजेंसी का ऐलान कर दिया है. पिछले 41 दिनों से जारी सरकारी कामबंदी की वजह से एयरपोर्ट्स पर सुरक्षाकर्मियों की भारी कमी हो गई थी, जिसे दूर करने के लिए ट्रंप ने एक बड़ा कार्यकारी आदेश जारी करने का फैसला लिया है. इस आदेश के तहत होमलैंड सिक्योरिटी को निर्देश दिया गया है कि वे बिना किसी देरी के टीएसए अधिकारियों को उनकी रुकी हुई सैलरी का भुगतान करें. ट्रंप ने सैलरी की वजह से मची अफरा-तफरी का ठीकरा डेमोक्रेट्स पर फोड़ दिया है.

अमेरिका के हवाई अड्डों पर इस समय जो हालात हैं, वे किसी बुरे सपने से कम नहीं हैं. होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की फंडिंग को

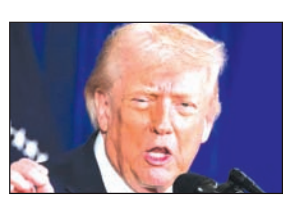

लेकर संसद में जारी गतिरोध की वजह से टीएसए के करीब 50,000 कर्मचारी पिछले सवा महीने से बिना सैलरी के काम कर रहे थे.

इसका नतीजा यह हुआ कि भारी संख्या में अधिकारियों ने काम पर आना बंद कर दिया और करीब 500 से ज्यादा कर्मचारियों ने इस्तीफा दे दिया. न्यूयॉर्क के जेएफके और अटलांटा जैसे बड़े एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को सुरक्षा जांच के लिए 4-4 घंटे इंतजार करना पड़ रहा है. इस इमरजेंसी जैसे हालात को देखते हुए ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाया और नेशनल इमरजेंसी के वीटो का इस्तेमाल किया है, उनका दावा है कि इससे सीधे सैलरी भुगतान का रास्ता साफ होगा.

पीएम ने की मुख्यमंत्रियों के साथ हाई लेवल मीटिंग

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पश्चिम एशिया संघर्ष पर हाईलेवल मीटिंग हुई। इस बैठक में राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गयी। इसके अलावा इस बैठक में 'टीम इंडिया' की भावना से समन्वित प्रयासों को सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। हालांकि, आचार संहिता के कारण चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। वहीं, चुनाव वाले राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

भारत में लॉकडाउन की खबरों को केंद्र सरकार ने नाकारा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को उन अफवाहों का पुरजोर खंडन किया जिनमें पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और संभावित ईंधन की कमी के कारण भारत में लॉकडाउन लागू होने की बात कही गई थी।

नागरिकों को आश्वस्त करते हुए, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि लॉकडाउन का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उन्होंने इन दावों को बेबुनियाद बताया और राजनीतिक चचाओं में फैल रही गलत सूचनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोई लॉकडाउन नहीं होगा। मैं लोगों को आश्वस्त करना चाहती हूं कि कोविड-19 के दौरान जैसा लॉकडाउन हुआ था, वैसा कोई लॉकडाउन नहीं होगा। हरदीप पुरी ने भी उनकी बात का समर्थन करते हुए इन अफवाहों को गैरजिम्मेदाराना और हानिकारक बताया और जनता से शांत रहने और घबराहट फैलाने वाली बातों में न बहकने का आग्रह किया।

पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित

दोनों मंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया कि ईंधन या आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं होगी, सरकार वैश्विक घटनाक्रमों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर वास्तविक समय में बारीकी से नजर रख रही है।

निर्यात कर और तेल और ईंधन कंपनियों को वित्तीय सहायता जैसे उपायों का उद्देश्य ईंधन के निरंतर आयात, स्थिर घरेलू आपूर्ति और वैश्विक अस्थिरता से सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पुरी ने कहा, हम उभरती चुनौतियों से निपटने और ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

संदेश

प्रतिवर्ष मार्च माह के अंतिम शनिवार को 'अर्थ ऑवर' मनाया जाता है। यह वाइल्डलाइफ फंड फॉर नेचर (WWF) की एक प्रभावी वैश्विक पहल है, जिसका शुभारंभ वर्ष 2007 में किया गया था। इसका उद्देश्य प्रकृति संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मानव जीवन के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करना है।

WWF-India प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण हेतु निरंतर कार्यरत है। 'अर्थ ऑवर' के अवसर पर प्रत्येक वर्ष लोग स्वेच्छा से एक घंटे के लिए गैर-आवश्यक रोशनी बंद कर इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं। यह एक प्रतीकात्मक, किंतु अत्यंत प्रभावशाली पहल है, जो हमें ऊर्जा संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध कराती है। इस वर्ष 'अर्थ ऑवर' 28 मार्च, 2026 (शनिवार) को रात्रि 08:30 बजे से 09:30 बजे तक मनाया जा रहा है।

अत: सभी राज्यवासियों से आह्वान है कि वे इस निर्धारित अवधि में अपने-अपने घरों में अनावश्यक प्रकाश बंद रखकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दें। साथ ही, सभी कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में भी अनावश्यक प्रकाश बंद करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएँ तथा प्रकृति की रक्षा और सतत विकास के संकल्प को सुदृढ़ किया जाए।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड

PR- 376196 (IPRD) 25-26

एक नजर

विधायक हनुमान मंदिर पहुंचे, किया पूजा अर्चना

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी ने बड़कागांव प्रखंड का दौरा कर मंदिरों में मत्था टेका व आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूजा समिति के द्वारा विधायक का स्वागत किया गया। विधायक ने बड़कागांव दैनिक बाजार स्थित चैती दुर्गा मंदिर में मां दुर्गे एवं हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर क्षेत्र की विकास के लिए भगवान से कामना की। बड़कागांव प्रखंड वासियों को रामनवमी की हार्दिक बधाई दी। एवं लोगों को भगवान श्री रामचंद्र जी के बताए हुए मार्गों पर चलने का आह्वान किया। मौके पर रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विवेक सोनी, मां बसंती दुर्गा पूजा समिति बड़कागांव के अध्यक्ष अरविंद वर्मा, आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा,रवि जयसवाल, आदित्य सोनी, अवधेश वर्मा, सरोज सोनी, पुरोहित मन्नू मिश्रा, गौतम वर्मा, सरोज सोनी, शंभू सोनी के अलावा कई उपस्थित थे।

बड़कागांव स्वर्णकार समाज ने हनुमान मंदिर में चढ़ाया 3.5 किलो चांदी का झंडा

बड़कागांव : बड़कागांव स्वर्णकार समाज की ओर से 3.5 किलो चांदी का झंडा चढ़ावा किया गया। उक्त चांदी के झंडे में समाज के एक-एक घर से प्रतिवर्ष थोड़ा-थोड़ा चांदी लेकर झंडे का आकार बढ़ाया जाता है। यह कार्य विगत 10 वर्षों से किया जा रहा है। शुरूआती वर्ष में झंडे का वजन 450 ग्राम था। वर्षों में चांदी जोड़ कर ढाई किलो किया गया। झंडा में प्रतिवर्ष चांदी जोड़ कर बढ़ाया जाता है। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से चैती दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष अरविंद वर्मा, सचिव सरोज सोनी, रामसेवक सोनी, गौतम वर्मा, पूर्व पंसस राजीव रंजन, शंभू सोनी, दुर्गा सोनी,राजू सोनी, प्रकाश सोनी, बृजेश वर्मा,सरोज सोनी, इंग्लेश सोनी, मुरली प्रसाद सोनी, आदित्य सोनी, रंजीत सोनी, विकास सोनी, रोशन सोनी, पिंकू सोनी, दुर्गा सोनी, चंदन कुमार सोनी, भुवनेश्वर सोनी, के अलावा अन्य शामिल थे।

हिंदू एवं मुस्लिम समुदाय ने की शांति बैठक

बड़कागांव : रामनवमी पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर बड़कागांव ठाकुर मोहल्ला धर्मशाला में हिंदू एवं मुस्लिम दोनों समुदायों ने मिलकर शांति बैठक की। बैठक की अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर एवं संचालन शक्ति ठाकुर ने किया। हिंदू समुदाय के लोगों ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को शांति की प्रतीक श्वेत अंग वस्त्र देखकर एवं लड्डू खिलाकर स्वागत किया। बैठक में आसामाजिक तत्वों से बचने की अपील किया गया। बताते चलें कि दोनों समुदाय के लोगों के द्वारा 2 साल से लगातार आपस में बैठकर पर्व मनाने से पहले शांति बैठक करते हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य शांति स्थापित करना है। पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर ने कहा कि हम लोगों को माहौल को शांत रखने के लिए एक दूसरे को माफ करने के साथ-साथ छोटी-छोटी चीजों को इग्नोर करने की आवश्यकता है। वहीं मुखिया तकरीमुल्लाह ने कहा कि आसामाजिक व्यक्तियों को बक्सा नहीं जाएगा, उन्हें चिन्हित कर पुलिस के हाथ में सोपा जाएगा। बैठक में मुख्य मुख्य रूप से मुखिया मो तकरीमुल्लाह, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, समाज अध्यक्ष सुभाष ठाकुर, विशाल ठाकुर, सरोज सोनी, महिपाल सोनी, पप्पू खान, मजहर मालिक, मो खुर्शीद, मो गुड्डू मालिक, मो रोहित, नंदकिशोर राणा, विक्रम ठाकुर, पवन ठाकुर, अविनाश राणा, विशाल सिन्हा, अभिषेक ठाकुर, अमन ठाकुर, मो मुस्लिम, मो छोटे के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

विष्णुगढ़ की विभत्स घटना पर सांसद सेवा केंद्र में भाजपा ने किया प्रेस-वार्ता

दोषियों की गिरफ्तारी पर डेडलाइन : भाजपा ने दी चेतावनी, सोमवार को 'हजारीबाग बंद' का आह्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड के एक सुदूर गांव में 12 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और उसकी नृशंस हत्या ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। संसद सत्र से लौटते ही हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद आदित्य साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और नेताओं के साथ सीधे पीड़ित परिवार के पास पहुंचे और शोकसंतप्त परिजनों को ढांढस बंधाते हुए न्याय दिलाने का अटूट भरोसा जताया।

पीड़ित परिवार से मिलकर लौटने के बाद सांसद सेवा केंद्र, हजारीबाग सभागार में भारतीय जनता पार्टी, हजारीबाग द्वारा आयोजित एक प्रेस-वार्ता को संबोधित करते हुए इस हृदयविदारक घटना पर सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि मंगलवार को मंगल जुलूस के दौरान अपनी मां के साथ शामिल हुई यह नाबालिग बच्ची अचानक रहस्यमय तरीके से गायब हो गई थी, जिसका शव अगले दिन सुबह क्षत-विक्षत स्थिति में बरामद हुआ। शव की हालत इतनी भयावह थी कि देखने वालों की रूह कांप गई। मासूम की आंखें निकाल ली गई थीं, जीभ कटी हुई थी और उसके साथ की गई बर्बरता किसी भी सभ्य समाज के लिए असहनीय है। सांसद मनीष जायसवाल ने इस कृत्य को 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर' मामला बताते हुए राज्य सरकार की संवेदनहीनता पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि घटना के चार दिन बीत जाने के बावजूद राज्य की झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार का कोई भी बड़ा अधिकारी या सत्ताधारी दल का नेता पीड़ित परिवार की सुध लेने नहीं पहुंचा। उन्होंने इस घटना की तुलना निर्भया कांड से करते हुए कहा कि यह उससे भी कहीं अधिक दर्दनाक और जघन्य है क्योंकि इसमें पीड़िता महज एक अबोध बालिका थी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की है और मांग की है कि सरकार पीड़ित परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए उन्हें उचित मुआवजा दे ताकि पीड़िता के पिता को आजीविका के लिए घर छोड़कर बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि न्याय की मांग को लेकर भाजपा ने कड़ा रुख अपनाते हुए सरकार और प्रशासन को स्पष्ट अल्टीमेटम दिया है कि यदि रविवार तक दोषियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित नहीं की गई, तो सोमवार को 'हजारीबाग बंद' किया जाएगा और पूरे प्रदेश में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

विष्णुगढ़ : बिष्णुगढ़ प्रखंड में एक 12 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और उसकी निर्मम हत्या की हृदयविदारक घटना ने पूरे हजारीबाग सहित झारखंड राज्य को गहरे शोक और आक्रोश में डाल दिया है। यह अमानवीय कृत्य केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि पूरे समाज की संवेदनाओं और मानवता पर गंभीर आघात है। इस घटना ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न कर दी है। हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के साथ विष्णुगढ़ प्रखंड पहुंचकर शोकसंतप्त परिजनों से मुलाकात की और इस दु:ख की घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान परिजनों की पीड़ा, उनके आंसू और न्याय की पुकार ने सभी को भावुक कर दिया। विधायक ने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि वे इस कठिन समय में अकेले नहीं हैं और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा। विधायक ने प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि 24 घंटे के भीतर दोषियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित नहीं की जाती है, तो सोमवार को हजारीबाग बंद रखा जाएगा और भारतीय जनता पार्टी को व्यापक जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। यह आंदोलन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि न्याय और समाज की सुरक्षा के लिए होगा। विधायक प्रदीप प्रसाद ने स्पष्ट कहा कि इस जघन्य अपराध के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए।

थाना प्रभारी ने ड्रोन से छतों की निरीक्षण किया

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में रामनवमी त्योहार को शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए प्रशासन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जिसे बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के द्वारा जुलूस मार्ग में स्थित सभी छतों की निगरानी की गई। जिन लोगों के छतों में ईट पत्थर रखे देखे गए वैसे मकान मालिक को शीघ्र हटा लेने की निर्देश दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रखंड के तकरीबन 500 मकान की ड्रोन कैमरा से निरीक्षण किया गया है। जिसमें बड़कागांव, महुदी, बादम, हरली, चौपदार बलिया, के अलावा अन्य संभावित संवेदनशील जुलूस मार्ग में निरीक्षण किया गया।

बरही में महानवमी पर निकली भव्य शोभा यात्रा, विधायक मनोज यादव हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : महानवमी के शुभ अवसर पर बरही के विभिन्न अखाड़ों द्वारा आयोजित भव्य शोभा यात्रा सह पूजन समारोह का आयोजन कोनरा प्राचीन भगवती मंदिर में पूजा अर्चना कर हुआ। बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया गया। इस भव्य आयोजन में बरही विधायक मनोज कुमार यादव विशेष रूप से शामिल हुए और अखाड़ों के पूजन कार्यक्रम में भाग लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। शोभा यात्रा के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। जगह-जगह पर रामभक्तों ने जय श्रीराम के जयकारों के साथ वातावरण को गुंजायमान कर दिया। आकर्षक झांकियों और पारंपरिक प्रदर्शन ने लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि प्रभु श्रीराम और संकटमोचन हनुमान जी से प्रार्थना है कि उनकी कृपा और आशीर्वाद समस्त बरही वासियों पर सदैव बनी रहे तथा सभी का जीवन सुख, समृद्धि और शांति से परिपूर्ण हो।

उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, भाईचारा और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। मौके पर रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष भगवान केशरी, महासचिव रितेश गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, व्यवसायी संघ अध्यक्ष कपिल केशरी, सद्भावना विकास मंच अध्यक्ष राजसिंह चौहान, हजारीबाग रोड हनुमान सेना अखाड़ा के राजेश केशरी उर्फ मेवालाल, हजारीबाग रोड अंबेडकर नगर श्रीराम अखाड़ा अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार, पटना रोड अंजनी अखाड़ा अध्यक्ष सुनील साहू, कोनरा जगन्नाथ मंदिर अध्यक्ष रवि पासवान समेत अन्य रामभक्त मौजूद थे।

गुप्ता परिवार 28 सालों से कर रहा चना, गुड एवं पेयजल का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही का प्रतिष्ठित परिवार एवं सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने वाला गुप्ता परिवार पिछले 28 सालों से लगातार श्री रामनवमी पर्व के अवसर पर चना गुड, चूड़ा तिलकुट एवं पेयजल का वितरण करते आ रहा है। सबसे बड़ी खासियत है कि इस पुनीत कार्य में पूरा गुप्ता परिवार शामिल होकर वितरण का कार्य करते है। जिसमें महिलाओं की भागीदारी भी रहती है। इसी कड़ी में इस रामनवमी में शुक्रवार को पूरा गुप्ता परिवार पुनः परंपरा का निर्वहन करते हुए चना गुड, चूड़ा गुड एवं पानी की वितरण किया। इस पुनीत कार्य को शुरू कराने वाले कृष्णा कुमार गुप्ता ने बताया कि। पिछले 28 सालों से यह कार्य किया जा रहा है। प्रेरणा हजारीबाग की रामनवमी को देखकर मिला। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शकुंतला देवी,कृष्ण कुमार गुप्ता, राजेश प्रसाद गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, नरेश प्रसाद गुप्ता, प्रमोद प्रसाद गुप्ता, शेफाली देवी, सुनीता देवी, रेखा देवी, गुड़िया गुप्ता, माधुरी गुप्ता, मधु गुप्ता, कुणाल गुप्ता, गौरी गुप्ता, दिया गुप्ता, ध्रुव गुप्ता, नैतिक गुप्ता, ऋषित गुप्ता, वैष्णवी गुप्ता ने सहयोग किया। पिछले 28 सालों से इस कार्य करने पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष ईशो सिंह, सचिव महेंद्र प्रसाद दुबे, चिकित्सक डॉ अनिल कुमार, भरत यादव, राजकुमार यादव ने सराहना की है।

भगवान महावीर की 2625 वीं जयंती धूमधाम के साथ मनाई जाएगी : जेपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भगवान महावीर की 2625 वीं जयंती पूरे धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। दिगंबर जैन पंचायत हजारीबाग के कार्यकारिणी की बैठक बड़ा बाजार जैन धर्मशाला में आयोजित की गई, जहां सर्वसम्मति से महावीर जयंती पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का संयोजक जेपी जैन विनायका को चुना गया। इस अवसर पर संयोजक जेपी जैन विनायका ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महावीर जयंती का कार्यक्रम काफी भव्य तरीके से उत्साह पूर्वक धार्मिक और आध्यात्मिक भावना से परिपूर्ण होकर समाज के सभी वर्गों के द्वारा सहभागिता निभाते हुए मनाया जाएगा. दिनांक 30 मार्च सोमवार को प्रातः 5:30 बजे प्रभात फेरी, 7:00 बजे दोनों मंदिर की में सामूहिक कलश, 9:30 बजे भव्य शोभायात्रा दोपहर में पाण्डुक शिला में श्री जी का कलश तथा जुलूस समापन के पश्चात बड़ाम बाजार जैन धर्मशाला कुम्हारटोली में समाज के सभी सम्मानित जनों के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई है।

महावीर जयंती के शुभ अवसर पर सदर अस्पताल, वृद्धाश्रम, मूकबधिर बच्चों के स्कूल अनाथ आवासीय विद्यालय दिव्यांग बच्चों के स्कूल तथा अन्य संस्थाओं में जैन समाज द्वारा फल बिस्किट एवं अन्य सामग्री का वितरण किया जाएगा। महामंत्री संजय जैन अजमेरा ने बताया कि भगवान महावीर ने जियो और जीने दो का संदेश लोगों को दिया था और हम लोग भी संपूर्ण विश्व में इसी संदेश को प्रचारित करना चाहते हैं।

रामनवमी पर हजारीबाग यूथ विंग का भव्य लड्डू महाभोग 151 किलो प्रसाद वितरण से दिखी आस्था और सेवा की मिसाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्म उत्सव रामनवमी के पावन एवं पुण्य अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग द्वारा भव्य लड्डू महाभोग कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न किया गया। यह आयोजन संस्था के वार्षिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा, जिसका यह पांचवां वर्ष था। इस अवसर पर शहर भर से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण भक्ति एवं उत्साह से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था द्वारा 151 किलो लड्डू महाभोग तैयार कर महावीर स्थान मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ प्रभु श्रीराम को अर्पित किया गया। मंदिर के प्रधान पुजारी कार्तिक पांडे द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। पूजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। महाभोग अर्पण के उपरांत प्रसाद का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया गया, जिसे पाकर भक्तगण भावविभोर हो उठे और जय श्री राम के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। इस भव्य आयोजन में समाज के हर वर्ग की सहभागिता देखने को मिली। बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। कार्यक्रम ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि सामाजिक समरसता, एकता और सेवा भाव का भी सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम में हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। संस्था द्वारा उनका अंगवस्त्र भेंटकर पारंपरिक तरीके से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पश्चात उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच महाभोग का वितरण किया और आयोजन की सराहना की।

इस अवसर पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, अध्यक्ष करण जायसवाल, उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया, कार्यक्रम संयोजक जयप्रकाश खंडेलवाल, प्रणीत जैन, संस्था के मार्गदर्शक संजय कुमार, विकास केसरी, डॉ. बी. वेंकटेश, कार्यकारिणी सदस्य विवेक तिवारी, रोहित बजाज, सेजल सिंह, प्रज्ञा कुमारी, मोहम्मद ताजुद्दीन, चंदन सिंह, उदित तिवारी, सनी सलूजा, मानसी सिन्हा, हैप्पी कुमार, केशव खंडेलवाल सहित कई लोग मौजूद रहे। हजारीबाग यूथ विंग द्वारा आयोजित यह भव्य लड्डू महाभोग कार्यक्रम आस्था, सेवा और सामाजिक एकता का एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया, जिसने पूरे शहर को भक्ति के रंग में रंग दिया।

संक्षिप्त खबरें

भक्ति, सेवा और श्रद्धा के रंग में सराबोर रहा इंगुनिया, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

चौपारण : प्रखंड के इंगुनिया गांव में चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सह वार्षिक महोत्सव का समापन भव्य भंडारे के साथ श्रद्धा और उल्लासपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा और श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति देखने को मिली। धार्मिक आयोजन को विधिवत रूप देने में यज्ञाचार्य अरुण कुमार इन्द्रगुरु, सुनील शास्त्री एवं पंकज इन्द्रगुरु ने वैदिक मंत्रोच्चार और परंपरागत विधि-विधान के साथ यज्ञ संपन्न कराया। वहीं काशी से पधारे आचार्य अवध किशोर द्विवेदी ने अपने प्रभावशाली प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, सेवा और सत्कर्म का महत्व समझाया। यज्ञ कार्य में पुजारी कृष्णा कुमार सिंह और मंदिर के पुजारी शिव कुमार पांडेय ने भी समर्पण भाव से अपनी भूमिका निभाई। कार्यक्रम स्थल पर प्रतिदिन सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगती थी। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष रूप से जीवंत बना दिया। अपने प्रवचन में आचार्य द्विवेदी ने कहा कि सच्ची भक्ति के साथ सेवा और मानवता का भाव जुड़ा होना चाहिए। उन्होंने बताया कि निष्कपट मन और समाज के प्रति समर्पण ही ईश्वर की कृपा प्राप्त करने का मार्ग है। समापन के अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन की सफलता में अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष राकेश सिंह काजू, सचिव राजीव रंजन सहित सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा। सभी के सामूहिक प्रयास से यह धार्मिक महोत्सव सुव्यवस्थित और भव्य रूप में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

रामनवमी पर डपोक में दुगोला कार्यक्रम आयोजित, भक्ति भजन से रात भर झूमे श्रद्धालु

हजारीबाग : बरही प्रखण्ड के डपोक गांव के दुर्गा मंदिर परिसर में गुरुवार रात को चैती छठ व रामनवमी त्योहार के पर दुगोला महामुकाबला का आयोजन किया गया। दुगोला महामुकाबला प्रतियोगिता में बिहार के व्यास अजित हलचल तथा धनबाद से व्यास शिव शंकर यादव की टीम शानदार मुकाबला हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास, अल्प संख्यक कल्याण महा समिति अध्यक्ष मो कैयूम,जेकेएलएम कृष्णा यादव , पूर्व सांसद प्रतिनिधि डोमन पाण्डेय,उप मुखिया बलराज यादव,विकाश पांडे संजय पांडे सिकंदर यादव सुरेंद्र यादव प्रकाश यादव सहित कई लोगों ने संयुक्त रूप से फीता काट किया। उसके बाद भक्ति वंदना से दोनों कलाकारों ने किया। दोनों व्यासो के बीच पूरे रात कांटे की टक्कर चला जहां दर्शकों का रात भर भक्ति गीत में झुमया।कार्यक्रम में दोनों कलाकारों को आयोजन कमिटी द्वारा संयुक्त रूप से विजेता घोषित करते हुऐ देकर सम्मानित किया गया। दुगोला कार्यक्रम को सैकड़ों ग्रामीणों के अलावा अगल-बगल गांव के लोगों शामिल हुए।

बरही चौक पर अनुमंडलीय अस्पताल की ओर से लगाया गया स्वास्थ्य कैंप

बरही : श्री रामनवमी के अवसर आयोजित झांकी, मेला एवं जुलूस को देखते हुए बरही चौक पर बरही अनुमंडलीय अस्पताल की ओर से हेल्थ कैंप लगाया गया। हेल्थ कैंप में खुद डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने जरूरतमंदों की स्वास्थ्य जांच कर जरूरत के अनुसार दवाएं दी। उनके साथ डॉ प्रवीण कुमार, डॉ अमन कुमार, डॉ एजाज एवं हेड क्लर्क पंकज कुमार आजाद मुस्तैद दिखे। डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि जुलूस में किसी भी तरह की स्वास्थ्य परेशानी न हो और अगर चोट या किसी तरह की इंज्यूरी होने पर तुरंत उसका इलाज हो सके। इस कारण स्वास्थ्य कैंप लगाया गया है।

गीता देवी ने राम भक्तों के बीच अंग वस्त्र का किया वितरण

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत तलसवार पंचायत की मुखिया गीता देवी ने पंचायत के दर्जनों राम भक्तों के बीच अंग वस्त्र का वितरण किया। और अंग वस्त्र वितरण करने के पश्चात तलसवार पंचायत की ओर से निकाली गई रामनवमी की झांकी एवं जुलूस को हरली रामनवमी मेलाटांड़ के लिए रवाना किया। गीता ने कहा कि हम सभी श्री रामचंद्र जी के बताए हुए मार्गों पर चलें तभी समाज का संपूर्ण विकास होगा। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि संजय कुमार, सुभाष राणा, पिंटू कुमार, केदार महतो के अलावा दर्जनों राम भक्त उपस्थित थे।

सिकरी में मां बासंती दुर्गा पूजा की धूम, नवमी पर उमड़ा जनसैलाब, आज होगी भव्य गंगा आरती

बड़कागांव : प्रखंड के सिकरी में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित माँ बासंती दुर्गा पूजा महोत्सव इस वर्ष भी पूरे हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। नवमी पूजा के अवसर पर आयोजित भव्य आर्केस्ट्रा और भक्ति जागरण कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। देर रात तक चले इन कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेसी नेता मुन्ना सिंह और प्रखंड पूजा समिति के अध्यक्ष विवेक सोनी ने शिरकत की और मां का आशीर्वाद लिया। विजयादशमी के अवसर पर आज सिकरी में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। संध्या 7:00 बजे: महोत्सव का मुख्य आकर्षण 'भव्य गंगा आरती' होगी। बनारस से आए विद्वान पंडितों द्वारा विधि-विधान से महा आरती संपन्न कराई जाएगी, जो क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए एक अलौकिक अनुभव होगा। बढ़ती भीड़ को देखते हुए स्थानीय थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस बल मुस्तैद है। मेले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। पूजा समिति ने सभी क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अनुशासित रहकर इस महा आरती और मेले का आनंद लें।

सड़कों पर दिखा राम भक्तों का सैलाब रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने की तलवारबाजी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में रामनवमी को लेकर लोगों में गजब का उत्साह और उमंग नजर आ रहा है। शहर का हर कोना भक्ति और आस्था के रंग में रंगा है। क्या आम और क्या खास, हर कोई इस पावन अवसर पर अपने-अपने अंदाज में भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा व्यक्त कर रहा है। सड़कों पर निकले जुलूस, अखाड़ों की प्रस्तुति और जय श्रीराम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। रामनवमी जुलूस में कई वीआईपी चेहरे भी आम लोगों के बीच नजर आए। इसी कड़ी में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी रांची के रामनवमी जुलूस में शामिल हुए। अल्बर्ट एक्का चौक के समीप उनका जोश और उत्साह देखने लायक था। हाथों में तलवार लिए उन्होंने पारंपरिक अंदाज में तलवारबाजी कर रामभक्तों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान उन्होंने जय श्रीराम के नारे लगाए और वहां मौजूद लोगों ने भी पूरे जोश के साथ उनका साथ दिया। पूरे रांची शहर की बात करें तो ऐसा लग रहा था मानो पूरा शहर भगवा रंग में रंग गया हो। जगह-जगह महावीर पताकाएं लहरा रही थीं और सड़कों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। खासकर तपोवन मंदिर जाने वाले मार्गों पर भक्तों का सैलाब देखने को मिला। सुबह से ही श्रद्धालु कतारों में लगकर भगवान श्रीराम और हनुमान के दर्शन के लिए पहुंचते रहे। अखाड़ों की ओर से भी पारंपरिक प्रदर्शन किए गए। जिसमें युवाओं ने लाठी-डंडा और तलवारबाजी का शानदार प्रदर्शन किया। यह दृश्य लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। वहीं सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया और जगह-जगह पुलिस जवान तैनात रहे, ताकि पर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। रांची में रामनवमी का यह पर्व आस्था, उत्साह और परंपरा का अद्भुत संगम बनकर सामने आया। बारिश और तेज हवा में भी श्रद्धालुओं का जोश कम नहीं हुआ। पूरे शहर में भक्ति का रंग देर शाम तक छाया रहा।

रक्षा राज्य मंत्री ने रामनवमी की शुभकामनाएं दी

संजय सेठ ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व मयार्दा, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ इस पर्व को मनाने की अपील की। उनके इस अंदाज ने वहां मौजूद लोगों के बीच खासा उत्साह पैदा कर दिया।

खराब मौसम के बावजूद भक्तों में उत्साह

हालांकि इस दौरान मौसम ने थोड़ी परीक्षा जरूर ली। अचानक आई बारिश और तेज हवा ने कुछ समय के लिए माहौल को प्रभावित किया, लेकिन रामभक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। बारिश के बावजूद लोग जय श्रीराम के नारों के साथ अपने गंतव्य की ओर बढ़ते रहे। कई जगहों पर लोग भींगते हुए भी जुलूस में शामिल रहे।

बाबूलाल मरांडी भी हुए रामनवमी जुलूस में शामिल

वहीं, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी रामनवमी के जुलूस में शामिल हुए। वे भी पूरे उत्साह के साथ अखाड़े के बीच पहुंचे और लाठी भांजा। उनका यह अंदाज लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। बाबूलाल मरांडी ने भी ह्लजय श्रीरामह्व के नारों के साथ लोगों का उत्साह बढ़ाया और प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं।बाबूलाल ने कहा कि यह पर्व हमें एकता, संस्कृति और परंपरा से जोड़ता है, जिसे हमें मिलकर आगे बढ़ाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

हेसल अंजुमन की ओर से की गयी रामभक्तो के लिए चना-पानी की व्यवस्था

अनगडा : हेसल अंजुमन की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामनवमी पर्व पर रामभक्तो का स्वागत सह चना पानी की व्यवस्था किया गया मौके पर मुख्य रूप से समाज सेवी मुस्तफा अंसारी ने बताया कि अनगडा प्रखन एक एशा जगह है कि सभी समाज के लोग सभी त्यौहार को मिल जुल कर मनाते है एक दूसरे को बधाई देते हैं लगातार कई वर्षों से से अंजुम के लोग रामभक्तो के लिए विशेष व्यवस्था करते हैं आगे कहा कि राम नवमी हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्यौहार है जो भगवान विष्णु के 7वें अवतार, भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह त्यौहार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी (मार्च-अप्रैल) को आता है। इस दिन लोग व्रत रखते हैं, पूजा करते हैं और श्रीराम के आदर्श जीवन (सत्य और धर्म की विजय) को याद करते हैं। मान्यता है कि चैत्र नवरात्रि के दौरान, इस नवमी तिथि को अयोध्या में राजा दशरथ और माता कौशल्या के घर श्री राम का जन्म हुआ था। यह दिन बुराई पर अच्छाई और सत्य पर असत्य की जीत का प्रतीक है।परवेज खान अब्बास अब्दुल इमाम अंसारी असफाक अंसारी अंसारी इब्राहिम अंसारी डॉक्टर गुलजार अंसारी महबूब अंसारी सिकेंदर अंसारी सिद्दीकी अंसारी आलम अंसारी समाउल अंसारी कुदुस अंसारी सौकत अंसारी अफसर अंसारी अमान अंसारी रकीब अंसारी रेहान अंसारी आदि शामिल थे।

सिल्ली प्रखंड में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई रामनवमी

सिल्ली/मुरी : शुक्रवार के दिन रामनवमी का पर्व पूरे सिल्ली प्रखंड में धूमधाम और हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सुबह से ही महावीर मंदिरों में श्रद्धालुओं का कारवां जुटने लगा। श्रद्धालुओं के द्वारा मंदिरों और अपने-अपने घरों में पूरी श्रद्धा के साथ महावीरी पताका फहराया गया और पूजा अर्चना की गई। लोगों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर परिसर में ध्वजारोहण किया।रामनवमी के अवसर पर पूरा सिल्ली प्रखंड भक्ति भाव में रंगा नजर आया। इसी क्रम में छोटामुरी,कलुवाडीह बड़ामुरी,लगाम और काशीडीह क्लबों के द्वारा भव्य आखड़ा जुलूस निकाला गया। जगह-जगह पर लाठी खेल का आयोजन किया गया,जहां आखड़ा टीम ने हैरतअंगेज करतब दिखाया।वहीं मुरी के टुंगरी पहाड़ पर चैत्र नवरात्र के अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा का दर्शन किया और अपने घर में सुख शांति और समृद्धि हेतु पूजा अर्चना भी किया एवं संध्या में छोटामुरी आखड़ा के द्वारा गाजे बाजे के साथ जय श्री राम का नारा लगाते हुए जुलूस निकाला गया,जिसका समापन टुंगड़ी पहाड़ पर किया गया। पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

सरहुल बागान में कल होगा सरहुल मिलन समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

सिल्ली: मुरी प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रेलवे आदिवासी परिवार, मुरी शाखा, रांची मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे के तत्वावधान में यह आयोजन श्री झरिया कच्छप (ए.सी.एम.एस/मुरी) के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। यह कार्यक्रम उन आदिवासी कर्मचारियों की जीवंत सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो नौकरी के दायित्वों के साथ-साथ अपनी परंपरा, संस्कृति और पर्व-त्योहारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर समर्पित हैं। सरना समिति सिल्ली, मोदीडीह, मुंडा टोली मुरी, झालदा, तुलीन आस पास सहित, उर्सलाइन स्कूल से प्रिंसिपल सिस्टर्स छात्रों व रांची मंडल के विभिन्न सेक्शनों एवं स्टेशनों से रेलवे आदिवासी परिवार के सदस्य प्रतिवर्ष उत्साहपूर्वक सहभागिता करते रहे हैं। इस वर्ष भी समिति ने अधिक से अधिक उपस्थिति सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। यह आयोजन हमारी जड़ों, पहचान और सांस्कृतिक एकता को सशक्त करने का एक प्रेरणादायी मंच है। उक्त जानकारी समिति के श्री निरंजन बाघवार द्वारा दी गई।

रामनवमी पर एकता कमेटी का स्वागत कार्यक्रम, श्रद्धालुओं का किया गया अभिनंदन

रांची : रामनवमी के पावन अवसर पर राजधानी रांची में भारतीय एकता कमेटी की ओर से करबला टैंक रोड स्थित मुख्य कार्यालय में स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राम भक्तों और श्रद्धालुओं का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया तथा उन्हें मिठाई खिलाकर रामनवमी की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए शरबत, पानी, चना और मिठाइयों की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे आने-जाने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि रामनवमी सहित सभी त्योहार हमें आपसी एकता, भाईचारे, अमन और शांति का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी धर्मों और समुदायों से अपील की कि वे एक-दूसरे के पर्व मिलजुलकर मनाएं और सामाजिक सौहार्द बनाए रखें। कार्यक्रम में मुख्य सचिव रामेश्वर राम ने उपस्थित लोगों को ठंडा शरबत पिलाकर स्वागत किया।

रांची के तमाड़ में रामनवमी पर बेटियों का दमदार प्रदर्शन, लाठी-तलवार खेल से बटोरी सुर्खियां

रांची : रामनवमी के पावन अवसर पर रांची के तमाड़ क्षेत्र में इस बार आस्था, उत्साह और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला. जय श्रीराम के गूंजते नारों से पूरा इलाका भक्तिमय हो उठा, वहीं सड़कों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. पारंपरिक झंडा जुलूस और भव्य शोभायात्रा ने आयोजन को और भी खास बना दिया. ढोल-नगाड़ों की गूंज, आकर्षक झांकियां और भक्ति गीतों के बीच लोगों का उत्साह चरम पर नजर आया.

एक नजर

चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

रांची : रांची के लालपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुन्ना जयसवाल, उमंग साहू और सुजल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक सोने की चेन, एक अंगूठी, एक झुमका सेट, दो कान के जोड़े और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सभी सोने के जेवरात मुन्ना जयसवाल के पास से बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, मुन्ना जयसवाल और एक नाबालिग के खिलाफ पहले से ही चुटिया थाना में मामले दर्ज हैं, जिससे उनके आपराधिक इतिहास का भी पता चलता है। लालपुर थाना में 25 मार्च को अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस गिरोह का पदार्फाश किया और तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है और मामले की गहन जांच जारी है।

बीएड-एमएड प्रवेश परीक्षा अब 10 मई को

रांची: झारखंड में बीएड, एमएड और बीपीएड में नामांकन की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद (खउएउएइ) ने सत्र 2026 के लिए प्रवेश परीक्षा की नई तिथि घोषित कर दी है। इसके साथ ही ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि भी बढ़ा दी गई है, जिससे छात्रों को तैयारी और आवेदन के लिए अतिरिक्त समय मिल सके। पर्षद द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब अभ्यर्थी 7 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि 25 मार्च 2026 निर्धारित थी। तिथि बढ़ाए जाने से उन छात्रों को विशेष राहत मिली है, जो किसी कारणवश समय पर आवेदन नहीं कर पाए थे।

झारखंड में फिर बढ़ने लगा तापमान

रांची : राज्य में फिर से तापमान में वृद्धि होने लगी है। डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान बढ़कर 37.6 डिग्री हो गया है, जबकि जमशेदपुर में तापमान 37 डिग्री और चाईबासा एवं सरायकेला में तापमान बढ़कर 36 डिग्री के स्तर तक पहुंच गया है। हालांकि कुछ जिलों में अभी भी तापमान अपेक्षाकृत नहीं बढ़ा है। इनमें रांची और लोहरदगा में 32 डिग्री, लातेहार में 28 डिग्री एवं खूंटी में 33 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

13वें छोटानागपुर नाट्य महोत्सव का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर रांची में झारखंड फिल्म एंड थिएटर अकादमी (जेएफटीए) के स्टूडियो थिएटर में शुक्रवार को 13वें छोटानागपुर नाट्य महोत्सव ह्यकांति कृष्ण सम्मानह्ण का शुभारंभ हुआ। यह महोत्सव युवा नाट्य संगीत अकादमी के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जो चार दिनों तक चलेगा।
कार्यक्रम का उद्घाटन ब्रह्माकुमारी संस्थान की संचालिका बीके राजमती, वरिष्ठ रंगकर्मी कमल बोस, रीना सहाय और रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया।
इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के नाट्य महोत्सव रंगमंच की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ-साथ कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं।
महोत्सव के पहले दिन झारखंड फिल्म एंड थिएटर अकादमी की प्रस्तुति ह्यइंतकाम-ए-मुगले आजमह्ण ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। केशव दुबे द्वारा लिखित और राजीव सिन्हा द्वारा निर्देशित इस नाटक में सत्ता, प्रेम, संघर्ष और आत्मसम्मान जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

खेल अनुशासन, दृढ़ता, टीम भावना और आत्मविश्वास सिखाता हैं: राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं होते, बल्कि ये अनुशासन, संघर्ष, टीम भावना और आत्मविश्वास का भी महत्वपूर्ण पाठ सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ी न केवल अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रतीक भी हैं।
राज्यपाल शुक्रवार को रांची के होटवार स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इनडोर स्टेडियम में आयोजित 28वें सब-जूनियर राष्ट्रीय सेपक टकरा चैंपियनशिप-2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।
उन्होंने कहा कि सेपक टकरा खेल को देश में तेजी से पहचान मिल रही है और झारखंड इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐसे आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।
राज्यपाल ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ह्लखेलो इंडियाह्व जैसे अभियानों से देश में खेलों को नई ऊर्जा और दिशा मिली है, जिससे युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास ही सफलता की असली कुंजी हैं।
राज्यपाल ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और अन्य प्रतिभागियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल ने आयोजन समिति, प्रशिक्षकों और सभी सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रामनवमी पर हनुमान भक्त सेवा समिति ने किया सेवा कार्य, रामभक्तों का बढ़ाया उत्साह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रामनवमी के पावन अवसर पर रातू रोड स्थित हनुमान भक्त सेवा समिति द्वारा भक्ति और सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया गया। समिति के सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ रामभक्तों का स्वागत करते हुए उनके बीच चना, पानी समेत अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया।
इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और समिति के इस सेवा कार्य की सराहना की। भक्तों की सुविधा और सेवा को ध्यान में रखते हुए पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया।
कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी दीपक कुमार चौधरी को भी समिति की ओर से सम्मानित किया गया। उनके सामाजिक योगदान को सराहते हुए उन्हें प्रशस्ति देकर सम्मान दिया गया। समिति के प्रमुख सदस्यों में रंजीत कुमार चौधरी, विकास कुमार सोनी, मनीष विश्वकर्मा, बंटी चौधरी, मिथिलेश चौधरी और मनमोहन सहित अन्य लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी ने मिलकर रामभक्तों का उत्साहवर्धन किया और रामनवमी के इस पावन पर्व पर सभी को शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं दीं।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी का विशेष कार्यक्रम आज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में शिक्षा जगत का एक महत्वपूर्ण आयोजन होने जा रहा है, जहाँ लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी अपनी शैक्षणिक पहल को आगे बढ़ाते हुए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।
एडु लीडर्स कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन होटल कैपिटल हिल, रांची, 28 मार्च 2026, समयः शाम 5:30 बजे से निर्धारित है।
इस कार्यक्रम में शिक्षाविदों, स्कूल प्रमुखों और अकादमिक प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है, जहाँ शिक्षा में नवाचार, छात्र विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित शिक्षण और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर शिक्षकों और रक्षा कर्मियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं जैसी प्रमुख पहलों पर भी प्रकाश डाला जाएगा तथा स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा।
सभी आमंत्रित प्राचार्यों, निदेशकों और वरिष्ठ शिक्षकों से अनुरोध है कि वे इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करें और शिक्षा के भविष्य को आकार देने में अपना योगदान दें।

हॉकी इंडिया अवॉर्ड में सिमडेगा का जलवा

मनोज कोनबेगी को जमन लाल शर्मा अवार्ड, हॉकी झारखंड भी सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हॉकी इंडिया के 100वें वर्ष के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में आयोजित 8वें वार्षिक पुरस्कार समारोह 2025 में झारखंड, विशेषकर सिमडेगा की हॉकी प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा सम्मान मिला है। सिमडेगा में जमीनी स्तर पर हॉकी को बढ़ावा देकर उसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले मनोज कोनबेगी को प्रतिष्ठित जमन लाल शर्मा अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया के हाथों से सम्मानित हुए मनोज कोनबेगी

इस भव्य समारोह में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया और खेल राज्य मंत्री निखिल खडसे के हाथों मनोज कोनबेगी को यह सम्मान प्रदान किया गया। उन्हें पुरस्कार स्वरूप पांच लाख रुपये की राशि भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान एक विशेष चलचित्र के माध्यम से उनके योगदान और सिमडेगा में हॉकी के विकास की कहानी को भी प्रदर्शित किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने काफी सराहा।

झारखंड में हॉकी के विकास के लिए निरंतर कार्य

मनोज कोनबेगी पिछले दो दशकों से सिमडेगा और झारखंड में हॉकी के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीण स्तर पर प्रतियोगिताओं के आयोजन से लेकर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संसाधनों की कमी, नक्सल-प्रभावित क्षेत्र और सीमित सुविधाओं के बावजूद उन्होंने खिलाड़ियों के सपनों को साकार करने का काम किया है।

मनोज कोनबेगी का सकारात्मक संदेश

सम्मान मिलने के बाद मनोज कोनबेगी ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी नहीं, बल्कि सिमडेगा के खिलाड़ियों, कोचों और खेल प्रेमियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार राशि को वे व्यक्तिगत उपयोग में नहीं लाकर, उसे निवेश कर उससे मिलने वाली आय को पूरी तरह खिलाड़ियों के उत्थान में लगाएंगे। उनके इस संकल्प ने खेल जगत में एक सकारात्मक संदेश दिया है।

झारखंड को 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

वहीं, इस समारोह में हॉकी झारखंड को भी बड़ी उपलब्धि हासिल हुई 2025 में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सब जूनियर, जूनियर और सीनियर तीनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतने के लिए हॉकी झारखंड को 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया।

डोमचांच थाना क्षेत्र में मोटासाइकिल चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार, 10 मोटरसाइकिल बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह भा०पु०से०, कोडरमा द्वारा जिले में चोरी की घटना पर रोकथाम लगाने तथा घटित चोरी की घटना का उद्भेदन हेतु सभी थाना प्रभारी, गस्ती दल, पी०सी०आर०, पैंथर आदि को सजग होकर डियूटी करने एवं संदिग्ध व्यक्तियों से पुछताछ करने हेतु आवश्यक निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में डोमचाच थाना क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी की घटना घटीत होने के संबंध में वादी राजेश कुमार यादव, पिता कैलाश यादव पता चैनपुर थाना डोमचांच जिला कोडरमा के द्वारा डोमचाच थना कांड संख्या 38/26 दिनांक 25.03.2026 दर्ज कराया गया था। उक्त कांड का उदभेदन, बरामदगी एवं कांड में संलिप्त

अपराधी की गिरफतारी हेतु पुलिस अधीक्षक कोडरमा के द्वारा थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। उक्त टिम द्वारा तत्परता पूर्वक संदिग्ध लोगो के गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाने लगी इसी कम में दिनांक 26.03.2026 की संध्या को गठित टीम द्वारा डोमचाच बाजार के आसपास संदिग्धों पर नजर रख जा रही थी की डोमचांच पेट्रोल पंप के समीप एक व्यक्ति को स्पलेंडर मोटरसाइकिल की चोरी का प्रयास करते हुए टिम द्वारा रंगे हाथ एक व्यक्ति को पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान शन्नी कुमार (राणा), उम्र 20 वर्ष, पिता सुरेश राणा, पता जानपुर थाना डोमचांच, जिला कोडरमा के रूप में हुई। उक्त पकड़े गए व्यक्ति ने पुछताछ के क्रम में पुलिस टिम के सम्क्ष स्वीकार किया कि वह अपने साथियों 1. आयुष कुमार, पिता सुनील प्रसाद मेहता, पता-ढडहा थाना ईचाक जिला हजारीबाग 2. रितिक कुमार, पिता अर्जुन प्रसाद मेहता, पता-बोंगा, थाना ईचाक जिला हजारीबाग। के साथ मिलकर कोडरमा, (डोमचांच एवं तिलैया), हजारीबाग, गिरिडीह, रामगड़ तथा अन्य सीमावर्ती जिलों में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। उसने यह भी स्वीकार किया की डोमचांच स्थित क्लिनिक के पास से एक मोटरसाइकिल चोरी किया था जिसे वह अपने साथी रितिक कुमार को खपाने के लिए दिया है। उस मोटरसाइकिल के अलावे अन्य जगहों से चोरी की गई मोटरसाकिल को रितिक कुमार को खपाने के लिए दिया है जो सभी मोटरसाइकिल रितिक कुमार के पास है तत्पश्चात पुलिस टिम द्वारा रितिक कुमार, पिता अर्जुन प्रसाद मेहता, पता- बोंगा, थाना ईचाक जिला हजारीबाग के घर पर छापामारी कि गइ तथा उसे कबजे में लेकर पुलिस टिम द्वारा पुछताछ किया गया जिस कम में वह अपना अपराध स्वीकार किया तथा उसके निसानदेही पर उसके द्वारा छुपा कर रखे गये चोरी का कुल 10 मोटरसाइकिल बरामद किया गया, जिसमें डोमचाच क्लिनिक के पास से चोरी किया गया मोटरसाइकिल भी बरामद किया गया तत्पश्चात पुलिस टिम द्वारा रितिक कुमार को गिरफतार कर बरामहद सभी मोटरसाइकिल को डोमचांच थाना लाया गया।

इनरव्हील क्लब रामगढ़ की पहल, सफाई कर्मियों को दस्ताने व कैप देकर किया सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : इनरव्हील क्लब द्वारा कैंटोनमेंट बोर्ड के स्वच्छता कर्मियों के लिए एक सार्थक पहल का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत 50 कर्मियों को दस्ताने और कैप वितरित किए गए। इन कैप्स पर विशेष रूप से इनरव्हील का नाम और लोगो मुद्रित था। इस पहल का उद्देश्य स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा और स्वच्छता को बढ़ावा देना तथा उनके समर्पित कार्य के प्रति सम्मान व्यक्त करना था। एक साधारण जोड़ी दस्ताने और एक कैप भी उन लोगों के लिए गरिमा, सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो प्रतिदिन हमारे समुदाय की सेवा करते हैं। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष नमिता श्रोफ ने कहा, हमारे स्वच्छता कर्मी हमारे समाज के अनदेखे नायक हैं। उनका सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में सचिव जेनेशा वडेरा, कोषाध्यक्ष मेघा बगड़िया एवं पूर्व अध्यक्ष अनुराधा श्रोफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ और इसे सभी ने सराहा, जो क्लब की सामाजिक सेवा और जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रामनवमी को लेकर कोडरमा प्रशासन अलर्ट डीसी-एसपी ने किया व्यापक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : रामनवमी पर्व के अवसर पर जिले में विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं शांतिपूर्ण बनाए रखने के उद्देश्य से उपायुक्त ऋतुराज एवं पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह द्वारा संयुक्त रूप से जयनगर, मरकच्चो प्रखंड सहित विभिन्न प्रखंडों का व्यापक दौरा कर स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की टीम भी उनके साथ मौजूद रही। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने रामनवमी जुलूस के सभी निर्धारित रूटों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थलों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। उपायुक्त ऋतुराज ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क रहकर लगातार मॉनिटरिंग करें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि रामनवमी का पर्व आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांति के साथ संपन्न हो। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने सभी प्रमुख चौक-चौराहों एवं जुलूस मार्गों पर पर्याप्त संख्या में तैनात पुलिस बल सतर्कता से कार्य करने का निर्देश दिया। सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखें। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान न देने एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील आमजनों से की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पूजा समिति के सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों से भी संवाद स्थापित कर सभी आयोजकों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया गया है।

जयकारों, झांकियों और महावीरी ध्वज से गूंजा भुरकुंडा-पतरातू

भव्य रामनवमी जुलूस, हजारों की भीड़ और कड़ी सुरक्षा के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ मेला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : कोयलांचल क्षेत्र भुरकुंडा, भदानीनगर, बासल और पतरातू में रामनवमी का पर्व इस वर्ष भक्ति, उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। विभिन्न गांवों और टोलों से निकली आकर्षक झांकियों और विशाल महावीरी ध्वज ने पूरे क्षेत्र को राममय बना दिया। जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। विभिन्न अखाड़ों द्वारा प्रस्तुत झांकियों में राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान के साथ-साथ राक्षस और अन्य पौराणिक पात्रों का जीवंत चित्रण किया गया। बच्चों और युवाओं द्वारा किए गए इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सभी झांकियां लक्ष्मी टॉकीज स्थित हुरूमगढ़ा रामनवमी मैदान पहुंचीं, जहां हजारों की भीड़ उमड़ी। मेला स्थल पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। यहां अखाड़ों ने अपने-अपने कला प्रदर्शन, करतब और अनुशासन का परिचय दिया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले अखाड़ों को महावीरी ध्वज, झांकी, अनुशासन और तलवार-लाठी के करतब में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मेला में हनुमानगढ़ी जवाहर नगर, भुईयां टोला, पगला आश्रम, सनातन सेवा पटेलनगर, नवयुवक संघ भुरकुंडा, मतकमा, अंबेडकर क्लब, लादी, महावीर मंडल, शिवनगर चिकोर, ऊपर चिकोर, लपंगा, महुआ टोला, कुरसे, देवरिया, रेलवे स्टेशन और भदानीनगर हनुमान मंदिर सहित कई अखाड़ों ने भाग लिया। रामनवमी जुलूस और मेले को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। जुलूस मार्गों और मेला स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी गई, वहीं सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी सक्रिय रहे। भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार और भदानीनगर ओपी प्रभारी अख्तर अली स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। मेला में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, पतरातू प्रखंड प्रमुख कौशल्या देवी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में टिकेश्वर महतो, चमन लाल, प्रदीप मांझी, योगेश दांगी, मुकेश राउत, मनोज राम, राजेंद्र मुंडा, राजकिशोर पांडेय, शंकर मांझी, सतीश मोहन मिश्रा, प्रेम कुमार साहू, अमरेश साहू, अमित साहू, सुरेंद्र यादव, इंद्रजीत सिंह छावड़ा, राकेश सिन्हा, वीरेंद्र यादव, अजय साहू, रामफल बेदिया और रोहित सोनी सहित कई लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, अनुशासन और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय लोगों के सहयोग से रामनवमी का यह पर्व शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से संपन्न हुआ।

रामनवमी पर रामगढ़ में सेवा, श्रद्धा और सुरक्षा का संगम

रामगढ : रामनवमी के अवसर पर रामगढ़ जिले में इस बार आस्था, जनसेवा और सुरक्षा का अनूठा संगम देखने को मिला। जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने श्रद्धालुओं और राहगीरों के बीच गुड़, चना, बूंदी और शरबत का वितरण किया, वहीं पूरे आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी ने व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा। जुलूस मार्गों, प्रमुख चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए। यहां श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में गुड़-चना और बूंदी दी गई, साथ ही बढ़ती गर्मी को देखते हुए शरबत वितरण की व्यापक व्यवस्था की गई। इन शिविरों पर लगातार लोगों की भीड़ जुटती रही और सभी को व्यवस्थित तरीके से सेवा दी गई। पूरे आयोजन के दौरान प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। जुलूस के हर प्रमुख मार्ग, चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पुलिसकर्मी लगातार निगरानी करते रहे, जिससे कहीं भी अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई और पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

चंदवारा थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार के नेतृत्व में चंदवारा में शांतिपूर्ण संपन्न हुई रामनवमी

चंदवारा : किसी भी बड़े पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती होती है लेकिन इस वर्ष रामनवमी के अवसर पर चंदवारा थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार ने अपनी सूझबूझ और कड़ी मेहनत से इस चुनौती को बखूबी निभाया। उनके नेतृत्व में पूरे प्रखंड में न केवल कानून-व्यवस्था कायम रही, बल्कि श्रद्धालुओं ने भी सुरक्षित महसूस करते हुए उत्सव का आनंद लिया। शोभायात्रा के दौरान चंदवारा थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार खुद सड़कों पर मुस्तैद दिखे। उन्होंने प्रखंड के संवेदनशील इलाकों और चौक चौराहों पर पुलिस बल की ऐसी तैनाती की कि भीड़ के बावजूद कहीं भी यातायात या सुरक्षा में चूक नहीं हुई। चप्पे-चप्पे पर पुलिस की मौजूदगी ने असामाजिक तत्वों के हौसले पस्त कर दिए। जनता और प्रशासन के बीच समन्वय शशि भूषण कुमार की कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता आम जनता और पूजा समितियों के साथ उनका बेहतर समन्वय रहा।

बरकाकाना में रामनवमी जुलूस बना भाईचारे की मिसाल मुस्लिम समुदाय ने फूल बरसाकर किया स्वागत

बरकाकाना : रामनवमी के अवसर पर बरकाकाना क्षेत्र में निकला भव्य जुलूस इस वर्ष सामाजिक एकता, भाईचारे और अनुशासन की मिसाल बन गया। दुर्गी इलाके में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने श्रद्धालुओं पर फूल बरसाकर जुलूस का स्वागत किया, जिससे पूरे क्षेत्र में सौहार्द और आपसी सम्मान का संदेश फैल गया। यह दृश्य गंगा-जमुनी संस्कृति की जीवंत झलक के रूप में सामने आया, जिसकी लोगों ने खुले दिल से सराहना की। जुलूस जैसे ही दुर्गी क्षेत्र में पहुंचा, वहां पहले से मौजूद स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोग सड़क किनारे खड़े होकर श्रद्धालुओं का अभिवादन करते नजर आए। फूलों की वर्षा और ह्लजय श्रीरामह्व के उद्घोष के बीच आपसी सम्मान और सद्भाव का अनोखा संगम देखने को मिला। इस दौरान दोनों समुदायों के बीच विश्वास और एकजुटता की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जो पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ आगे बढ़ते रहे। मार्ग में कई स्थानों पर स्थानीय लोगों द्वारा पेयजल, प्रसाद और स्वागत की व्यवस्था की गई थी। पूरे रास्ते में उत्सव जैसा माहौल रहा और लोग मिल-जुलकर आयोजन को सफल बनाने में जुटे रहे। आयोजन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। बरकाकाना ओपी प्रभारी उमा शंकर वर्मा के नेतृत्व में पुलिस बल लगातार गश्त करता रहा और जुलूस के पूरे मार्ग पर पैनी नजर रखी गई।

एक नजर

रामगढ़ में बासंती नवरात्र का भव्य समापन

रामगढ़ : शहर के झंडा चौक स्थित माता वैष्णों देवी मंदिर में आयोजित बासंती नवरात्र का पर्व इस वर्ष भक्ति, श्रद्धा और जनसहभागिता के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। शुक्रवार को आयोजित विशाल भंडारे के साथ नौ दिवसीय अनुष्ठान का समापन हुआ, जिसमें रामगढ़ समेत आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे करीब दस हजार श्रद्धालुओं ने माता का प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर में बासंती नवरात्र का शुभारंभ 19 मार्च को विधिवत कलश स्थापना के साथ हुआ था। नौ दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रतिदिन पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। शुक्रवार को सुबह 8 बजे से भंडारे की शुरूआत हुई, जो देर शाम तक लगातार चलता रहा। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर ह्लजय माता दीह्व के जयकारे लगाते हुए प्रसाद ग्रहण करते रहे। आयोजन के दौरान अनुशासन और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई। भंडारे को सफल बनाने में पंजाबी हिन्दू बिरादरी और माता वैष्णों देवी मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रामगढ़ में रामनवमी पर हनुमान मंदिरों की भव्य सजावट बनी आकर्षण का केंद्र

रामगढ़ : रामनवमी के पावन अवसर पर इस वर्ष पूरे रामगढ़ जिले में स्थित हनुमान मंदिरों को भव्य और आकर्षक तरीके से सजाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मंदिरों की सजावट ने लोगों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगी रोशनी, फूल-मालाओं और पारंपरिक साज-सज्जा से सजे मंदिरों ने पूरे जिले को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया, जहां दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। रामगढ़, भुरकुंडा, पतरातू, गोला, कुजू, चितरपुर सहित विभिन्न प्रखंडों और गांवों में हनुमान मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया। कहीं विद्युत झालरों की जगमगाहट देखने को मिली, तो कहीं फूलों और रंगोली से सजे मंदिरों ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। हर मंदिर परिसर में धार्मिक ध्वज, झालर और पारंपरिक प्रतीकों से उत्सव जैसा माहौल बना रहा। रामनवमी के दिन सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

सनातन समाज की एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत : राजीव जायसवाल

रामगढ़ : दुलमी प्रखंड क्षेत्र में आयोजित श्री श्री 1008 मारुति नंदन सप्तदिवसीय ज्ञान महायज्ञ सह मानस पाठ कार्यक्रम का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि सह रामगढ़ विधानसभा के युवा नेता राजीव जायसवाल बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए और फीता काटकर प्रवचन कार्यक्रम का विधिवत शुभ उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात अपने विस्तृत संबोधन में राजीव जायसवाल ने कहा कि सनातन धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली, संस्कार और हजारों वर्षों की महान परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज के बदलते समय में जब सांस्कृतिक मूल्यों पर विभिन्न प्रकार के प्रभाव पड़ रहे हैं, तब हम सभी का यह कर्तव्य बनता है कि अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए सजग रहें और समाज को जागरूक करें। उन्होंने आगे कहा कि सनातन समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता है। यदि हम संगठित और एकजुट रहेंगे, तो कोई भी शक्ति हमारी सांस्कृतिक विरासत को कमजोर नहीं कर सकती।

संक्षिप्त खबरें

झुमरी तिलैया के जैन संत प्रांजल सागरजी महाराज का अवतरण दिवस श्रद्धा से मनाया गया

झुमरीतिलैया : जैन मोहल्ला में महावीर प्रसाद-कुसुम देवी जैन के यहाँ जन्मे जैन संत परम पूज्य मुनि श्री 108 प्रांजल सागर जी मुनिराज का जन्म दिवस जैन मंदिर में जैन संत मुनि श्री 108 पुण्यानंदी ओर मुनि श्री 108 शुभा नंदी के सानिध्य में मनाया गया जिसमें सर्व प्रथम श्री1008 आदिनाथ भगवान का अभिषेक शांतिधारा किया गया इसके पश्चात मुनि श्री का संगीत मय पूजन सुरेन्द जैन काला ,आशा जैन गंगवाल,नीलम जैन सेठी के निदेशन में किया गया समाज के सदस्यों के साथ विद्यासागर जैन पाठशाला के बच्चों ने भी भाग लिया सभी ने मुनि श्री 108 प्रांजल सागर जी मुनिराज की पूजन भक्ति भाव और नाचते गाते किया ज्ञात हो कि आज से 15 वर्ष पूर्व आर्यक 105 विभा श्री का सानिध्य पाकर इनमें वैराग्य उत्पन्न हुआ उसके बाद जैन संत गुरु आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागरजी महाराज के पास शिक्षा प्राप्त कर 10 मार्च 2011 में सम्मेदशिखर जी के पहाड़ पर जैनेश्वरी दीक्षा को ग्रहण किये थे तभी से पूरे भारत मे अपने आचार्य के साथ पैदल विहार कर धर्म प्रभावना कर रहे है इसी कड़ी में आचार्य संघ अभी मेरठ उत्तरप्रदेश में विराजमान है इस अवसर पर मुनि श्री 108 पुण्यानंद जी महाराज ने कहा कि वह नगरी धन्य है जहाँ जैन संतो का जन्म होता है क्यों कि जैन संत बनना आज के इस भौतिक युग मे बहुत कठिन है एक समय हाथों में भोजन करना,पूरी दुनिया पैदल भ्रमण करना, नहाना नही,केस को हाथों से उखाड़ना आदि बहुत ही कियार्ये संयम से करना होता है जो आज के समय मे कठिन परिश्रम है।इस अवसर पर समाज के पदाधिकारीगण ने भी गुरु के प्रति उदगार ब्यक्त किये।इस अवसर पर समाज के सभी पदाधिकारी गण ओर सेकड़ो लोग उपस्थित रहे। 30 अप्रेल को स्थानीय जैन समाज द्वारा मुनि श्री के सानिध्य में महावीर भगवान का जन्म कल्याणक महामहोत्सव मनाया जाएगा इसी कड़ी में कल 28 अप्रेल को जैन महिला समाज के सदस्यों और आचार्य विद्यासागर पाठशाला के बच्चों द्वारा गोशाला में जाकर गाय को चारा,चोकड़, गुड़,रोटी आदि सभी गाय को खिलाया जाएगा।

एलिम्को की पहल से बदली 518 जिंदगियां रजरप्पा में दिव्यांगों-बुजुर्गों को मिला सहारा

रजरप्पा : रामगढ़ जिले के रजरप्पा स्थित दोहाकातु पंचायत के राधा गोविंद विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार को भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), कानपुर के सौजन्य से दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 518 लाभुकों के बीच विभिन्न उपयोगी उपकरण वितरित किए गए, जिससे उनके जीवन को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो, कुलाधिपति बैजनाथ साह, दुलमी जिला पार्षद प्रीति दीवान, कुंदरूकला पंचायत के मुखिया किशुन राम मुंडा, दोहाकातु पंचायत की कलावती देवी और बारलोंग पंचायत की मुखिया रेखा देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि धनेश्वर महतो ने कहा कि दिव्यांग और बुजुर्गों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने एलिम्को की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज के कमजोर वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है, ताकि हर व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन जी सके। शिविर में व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, हियरिंग मशीन, बैसाखी, कमोड, स्टिक, कमर व घुटना बेल्ट, तकिया और चश्मा सहित कई सहायक उपकरण वितरित किए गए। इन उपकरणों को पाकर लाभुकों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी और उन्होंने इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में समावेशी विकास और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने लाभुकों से अपील की कि वे इन उपकरणों का सही उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ें। यह शिविर भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना और एडिप योजना के तहत आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न पंचायतों के जरूरतमंद लाभुकों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ रंजना पांडेय और डॉ अमरेश पांडेय ने किया। मौके पर डॉ रश्मि, डॉ अविनाश, भजन लाल महतो, मोहरलाल महतो, बबीता कुमारी, जगदेव, मोहराय महतो, अरुण दीवान, कोलेश्वर महतो, संगीता देवी, शांति देवी, रोहित महतो, सुमित कुमार, पिंकी देवी, लक्ष्मी देवी, गायत्री देवी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।इस शिविर ने न केवल जरूरतमंदों को सहारा दिया, बल्कि उनके जीवन में नई उम्मीद और आत्मविश्वास भी जगाया, जिससे वे अब अपने दैनिक जीवन को अधिक सहजता से जी सकेंगे।

जिंदल स्टील पतरातू में रामनवमी का भव्य आयोजन, आस्था के साथ एकता का संदेश

पतरातू : रामनवमी के पावन अवसर पर जिंदल स्टील एंड पावर के पतरातू प्लांट परिसर में श्रद्धा, भक्ति और सामुदायिक सहभागिता के साथ भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का केंद्र प्लांट स्थित हनुमान मंदिर रहा, जहां विशेष पूजा-अर्चना, ध्वजारोहण और धार्मिक अनुष्ठानों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। विधिवत पूजा के साथ रामनवमी ध्वज स्थापित किया गया। आयोजन के दौरान कर्मचारियों, अधिकारियों और उनके परिवारजनों ने एक साथ पूजा में भाग लेकर सामूहिक आस्था का परिचय दिया। पिछले नौ दिनों से चल रहे चैत्र नवरात्र अनुष्ठान का समापन भी इसी दिन हुआ। इस अवसर पर कन्या पूजन और कन्या भोज का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे कार्यक्रम में अनुशासन और धार्मिक परंपराओं का विशेष ध्यान रखा गया। प्लांट प्रमुख के. बी. सिंह ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, मयार्दा और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। उनके अनुसार, रामनवमी केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव, अनुशासन और एकता को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने सभी से सकारात्मक सोच और सामाजिक समरसता के साथ आगे बढ़ने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जय श्रीराम के उद्घोष और भजन-कीर्तन ने पूरे परिसर को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। सामूहिक सहभागिता ने आयोजन को और भी खास बना दिया। इस

एक नजर

सिमडेगा में त्योहार को लेकर पुलिस सख्त, भड़काऊ गानों पर रोक के निर्देश

सिमडेगा : साउन्ड सिस्टम का उपयोग सिर्फ भक्तिमय गानों के लिए हो तथा किसी प्रकार का सामाजिक सदभाव बिगाड़ने वाला गाना न चलाये जाए इसके लिए विशेष रूप से जो पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मी प्रतिनियुक्त किए गए हैं, उनको पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा आज आवश्यक ब्रिफिंग करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सिमडेगा पुलिस आमजनों से अपील करती है कि, वे नियमों का पालन करें, डी0जे0 गानों में किसी भी प्राकर के आपत्तिजनक एवं भड़काउ गाने बजाने से परहेज करें तथा आपसी भाईचारा एवं शांति बनाए रखते हुए पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं।

रामनवमी पर बड़ा हादसाः हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए रामभक्त, 6 झुलसे

बोकारो : रामनवमी के पावन अवसर पर जहां पूरा देश उत्सव के माहौल में डूबा था, वहीं एक दर्दनाक हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। रामनवमी के जुलूस की समाप्ति के बाद अखाड़े में धार्मिक ध्वज (झंडा) स्थापित करने के दौरान, ध्वज का डंडा पास से गुजर रही 1,33,000 वोल्ट की हाई-टेंशन लाइन की चपेट में आ गया। इस भीषण करंट की चपेट में आने से 6 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जिसमे एक को बोकारो जेनरल अस्पताल भेजा गया।

बीएसएल इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट चैंपियनशिप में आयरन जोन-1 की टीम ने जीता खिताब

बोकारो : इस्पात संयंत्र इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट चैम्पियनशिप-2026 का फाइनल मैच दिनांक 27 मार्च 2026 को बीएसएल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। फाइनल मुकाबला बीएसएल आयरन जोन-1 और मिल-1 के बीच खेला गया। इस रोमांचक मैच में आयरन जोन-1 की टीम ने मिल-1 की टीम को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी उपस्थित रहीं। उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) कुंदन कुमार, महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) सी.आर.के. सुधांशु, महाप्रबंधक (सीईडी) ए.के. अविनाश सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि बनर्जी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ कर्मचारियों के बीच टीम भावना, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार खेल के मैदान में सामूहिक प्रयास सफलता की कुंजी है, उसी प्रकार इस्पात उत्पादन में विभिन्न विभागों के बीच समन्वित कार्य अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी से सुरक्षित कार्य-संस्कृति को अपनाने तथा पारस्परिक सहयोग को और सुदृढ़ करने का आह्वान किया। अंत में उन्होंने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए पुरस्कृत किया। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया तथा पूरे टूर्नामेंट के दौरान 59 मैच खेले गए। खेले गए फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए मिल-1 की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 121 रन बनाए। चंद्र भान झा ने सर्वाधिक 35 रन बनाए, जबकि दीपक कुमार ने 23 रन और नितेश कुमार सिंह ने 19 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरन जोन-1 ने 18.3 ओवर में 6 विकेट खोकर 122 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

भगवान श्रीराम का जीवन सभी के लिए आदर्श : जोसिमा खाखा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : रामनवमी के अवसर पर पालकोट प्रखंड के पोजेंगा गांव में धार्मिक सह नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पाकरटांड जिप सदस्य सह महिला मोर्चा कांग्रेस जिला अध्यक्ष जोसिमा खाखा ने किया। उनके कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर आयोजन समिति द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाज के तहत पगड़ी पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जोसिमा खाखा ने कहा कि रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि यह सत्य, मयार्दा, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला महान पर्व है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हम सभी के लिए आदर्श है। जिनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में शांति, भाईचारा और सद्भाव कायम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। नागपुरी संस्कृति और परंपरा हमारी पहचान है, जिसे संजोकर रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी संस्कृति, भाषा और परंपरा को गर्व के साथ आगे बढ़ाएं और नशा एवं सामाजिक बुराइयों से दूर रहें। जोसिमा खाखा ने महिलाओं की भागीदारी पर भी जोर देते हुए कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। महिलाएं यदि सशक्त होंगी, तो समाज और देश दोनों मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर महिलाएं आत्मनिर्भर बनें और आगे बढ़ें। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करते हैं बल्कि सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सभी मिलजुल कर शांति और भाईचारे के साथ पर्व मनाएं। कार्यक्रम के दौरान नागपुरी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। इस मौके पर समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इधर शिभयात्रा में शामिल लोगों के बीच जोसिमा ने शरबत वगेरह का भी वितरण किया। साथ ही सभी को रामनवमी की शुभकामनाएँ दी। कार्यकम में तेली समाज के केंद्रीय अध्यक्ष सह कांग्रेस नेता अरुण साहू, एमएस वाई का प्रदेश अध्यक्ष विजय उरांव, कांग्रेस प्रवक्ता संजीत साहू, बीस सूत्री रोहित एक्का, विधायक प्रतिनिधी मनीष हिंदुस्तान, विधायक प्रतिनिधि अशोक सिंह, रांची ग्रामीण महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मेरी तिर्की, बसिया जिप बसंती डुंगडुंग, एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष भुनेश्वर राम, मुखिया सह सांसद प्रतिनिधि सुषमा केरकेटा, मुखिया शांति केरकेट्टा, शंकर साहू, जेवियर, डमरू धर साहू, एम्मा केरकेट्टा आदि उपस्थित थे।

जलडेगा प्रखंड में धूमधाम और शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया श्री राम नवमी पर्व

जलडेगा : प्रखंड के जलडेगा, महावीर चौक कोनमेरला तथा ओडगा में श्री राम नवमी का पर्व धूमधाम, हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया। जलडेगा स्थित बजरंग बली मंदिर से सामूहिक झंडा पूजा-अर्चना के उपरांत भव्य श्री राम नवमी जुलूस निकाला गया। इस दौरान महावीरी झंडा के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जुलूस में जय श्री राम, जय बजरंग बली और हर हर महादेव के जयकारों एवं भक्तिमय भजनों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। जुलूस मुख्य पथ एवं थाना मोड़ होते हुए दुर्गा मंदिर पहुंचा, जहां पुरोहित पंडित अरुण कुमार मिश्रा द्वारा विधि-विधान से झंडा पूजा कराई गई। इसके पश्चात विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने आकर्षक करतब एवं कला प्रदर्शन प्रस्तुत किए, जिन्हें श्री राम नवमी समिति द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। मौके पर श्रद्धालुओं के बीच शरबत एवं प्रसाद का वितरण भी किया गया।

धूम धाम से रामनवमी का त्यौहार मनाया

बोकारो : बोकारो में बड़े ही धूम धाम से रामनवमी का त्यौहार मनाया जा रहा है। भारी संख्या में रामभक्त रैली की शक्ल में बालीडीह थाना क्षेत्र के रेलवे फाटक से नयामोड़ पहुंच रहे है। इस दौरान गाजे बाजे और डीजे के साथ रामभक्त भक्तिमय संगीत के साथ झूमते गाते पहुंच रहे है जहां भगवान भोलेनाथ के रूप सहित विभिन्न साज सज्जा में रामभक्त नया मोड़ और राम मंदिर चौक पहुंच रहे है। रामभक्त इस दौरान विभिन्न तरह के साज सज्जा के साथ कला को भी पेश कर रहे है। वही बोकारो के सिटी सेंटर दुकानदार संघ द्वारा भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ निकाली गई। लगभग तीन घंटे तक चले इस जुलूस की शुरूआत सेक्टर 4 से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यात्रा के दौरान डीजे की धुनों पर भक्ति गीतों की गूंज सुनाई दी, वहीं आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। झांकियों में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी के जीवन प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया।

सलगापोश में भव्य झंडा मिलन समारोह का आयोजन, पारंपरिक अखाड़ा प्रदर्शन ने बांधा समां

ठेठईटांगर : प्रखंड के कोरोमियाँ पंचायत अंतर्गत सलगापोश में रामनवमी के अवसर पर भव्य झंडा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बलसेरा, जुपा टोली, भावनाडीपा, मैटकुपा, कुरूमडेगी और चेटमाल सहित विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी शामिल हुए। समारोह स्थल पर आकर्षक अखाड़ा का निर्माण किया गया था, जहां प्रतिभागियों ने पारंपरिक शैली में एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का आयोजन रामनवमी विकास समिति सलगापोश, मैटकुपा कोरोमियाँ एवं विश्व हिन्दू परिषद के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत समिति के संरक्षक रामचरण महतो के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने समाज के विकास में शिक्षा की अहम भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि बेटा-बेटी में बिना भेदभाव के शिक्षा देना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने समाज को संगठित और मजबूत बनाने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। समिति के अध्यक्ष ताराकांत महतो ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए हिंदू समाज में एकता और संगठन को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आगे आकर समाज के हित में कार्य करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी।

लीन मैन्युफैक्करिंग एवं 5एस/क्यूसी' पर विशेष जागरूकता सत्र का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के बिजनेस एक्सीलेंस विभाग द्वारा मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल संख्या-4 में 'लीन मैन्युफैक्करिंग एवं नई टीमों के गठन हेतु प्रेरणा तथा 5एस/क्यूसी एवं संबद्ध अवधारणाओं पर जागरूकता' विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में संकार्य, नगर सेवाएँ, ज्ञानार्जन एवं विकास तथा बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के लगभग 30 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) मनीष जलोटा एवं महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) अनुपमा तिवारी द्वारा किया गया। अपने संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) मनीष जलोटा ने '5एस' (5र) को लीन मैन्युफैक्करिंग की आधारशिला बताते हुए प्रकाश डाला कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल परिचालन लागत में कमी आती है, बल्कि यह 'लीड टाइम' को कम करने में भी अत्यंत सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने आगे कहा कि दैनिक जीवन में गुणवत्ता नियंत्रण (क्यूसी) के सिद्धांतों को अपनाने से कार्यक्षमता और समस्या-समाधान की क्षमता में सुधार होता है, जिससे प्रक्रियाओं की समग्र गुणवत्ता में निखार आता है। महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्रीमती अनुपमा तिवारी ने भी प्रतिभागियों को नवाचार और टीम-गठन की दिशा में प्रोत्साहित किया। इस संपूर्ण प्रशिक्षण सत्र का संचालन वरीय प्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) सागरिका साहू द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि बिजनेस एक्सीलेंस विभाग द्वारा इस वर्ष आयोजित यह इस श्रृंखला का चौथा प्रशिक्षण सत्र है। इससे पूर्व आयोजित सत्रों में क्वालिटी सर्कल की अवधारणा, सांख्यिकीय पद्धतियों, व्यवस्थित प्रक्रिया विश्लेषण और कार्यक्षेत्र में समस्याओं की पहचान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई थी। इस वर्ष अब तक 150 से अधिक प्रतिभागी इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लाभान्वित हो चुके हैं।

पुरनापानी में लगा नया ट्रांसफार्मर बिजली संकट से मिली राहत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोलेबिरा : प्रखंड के बरसलोया पंचायत अंतर्गत पुरनापानी गांव में खराब पड़े ट्रांसफार्मर की समस्या का समाधान करते हुए नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। इसका उद्घाटन कोलेबिरा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष राकेश कोनगाड़ी, कांग्रेस युवा विधानसभा अध्यक्ष अमृत डुंगडुंग ने ग्रामीणों की उपस्थिति में सामूहिक रूप से फिता काट कर किया गया। उद्घाटन के दौरान विधायक ने दूरभाष के माध्यम से सबों को संबोधित करते हुए कहा कि जन समस्याएं उनके लिए सर्वोपरि हैं। उन्होंने कहा, जनता ने मुझे चुनकर भेजा है, इसलिए उनके सुख-दुख में खड़ा रहना मेरा कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि जैसे ही प्रखंड अध्यक्ष राकेश कोनगाड़ी और युवा विधानसभा अध्यक्ष अमृत डुंगडुंग ने पुरनापानी गांव के खराब ट्रांसफार्मर की जानकारी दी, उन्होंने तत्काल विभाग से पहल कर जल्द ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने को कहा। विधायक के निर्देश पर कोलेबिरा एसडीओ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया, जिससे गांव में बिजली आपूर्ति सुचारू हो सकी। विधायक ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याएं निसंकोच उनके सामने रखें, ताकि उनका शीघ्र समाधान किया जा सके। गांव के लोगों ने विधायक के इस प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि वे लगातार क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। इस मौके पर बरसलोया पंचायत अध्यक्ष अनिल केरकेट्टा, पंचायत प्रभारी एरेन केरकेट्टा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

हॉकी इंडिया अवॉर्ड 2025 में सिमडेगा का जलवा, मनोज कोनबेगी को जमन लाल शर्मा अवार्ड से किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : हॉकी इंडिया के सौवीं वर्षगांठ पर हॉकी इंडिया द्वारा देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित आठवें वार्षिक पुरस्कार समारोह- 2025 में सिमडेगा की हॉकी को जमीनी स्तर से तराशते हुए अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए मनोज कोनबेगी को प्रतिष्ठित जमन लाल शर्मा अवार्ड से सम्मानित किया गया। दिल्ली में आयोजित इस भव्य समारोह में उन्हें उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर एक चलचित्र के माध्यम से उनके कार्यों और खेल तथा खिलाड़ियों के विकास में उनके योगदान को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रशासनिक सहयोग और जनभागीदारी के साथ, मनोज कोनबेगी जैसे समर्पित लोगों के प्रयासों से सिमडेगा जैसे नक्सल-प्रभावित क्षेत्रों में भी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। जहां एक ओर नेटवर्क की समस्याएं और संसाधनों की कमी है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं की भागीदारी भी सीमित रही है ऐसी परिस्थितियों में भी खिलाड़ियों के सपनों को साकार करना उनके प्रयासों का परिणाम है। कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ओलंपियन दिलीप तिर्की, महासचिव भोलानाथ सिंह, कोषाध्यक्ष मनोहर जे शेखरनन, सचिव कमांडर आर के श्रीवास्तव, भारतीय हॉकी टीम के चयन समिति के सदस्य असुंता लकड़ा , हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह, , महिला और पुरुष वर्ग के सभी भारतीय टीम के खिलाड़ी, पूर्व अंतरराष्ट्रीय ओलंपियन खिलाड़ी सहित कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। भारत सरकार के केंदीय मंत्री मनसुख मंडविया और खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे के हाथों मनोज कोनबेगी को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान दिया गया । उन्हें पुरस्कार स्वरूप पांच लाख का राशि भी दिया गया। मनोज कोनबेगी ने यह सम्मान मिलने पर सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि सिमडेगा जैसे छोटे जगह को हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह सर के समर्थन सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के मंच पर स्थान दिया गया इसके लिए मैं उन्हें हृदयपूर्वक धन्यवाद देता हूं। साथ ही हॉकी सिमडेगा और हॉकी झारखंड के सभी साथी पदाधिकारी और खिलाड़ियों को भी आभार प्रकट करता हूं जिसे मैं हमेशा प्रेरित होकर के खेल और खिलाड़ी के लिए समर्पित होकर काम करने का प्रयास कर पाता हूं।

संक्षिप्त खबरें

सीसीटीवी से खुला चोरी का राज, तीन गिरफ्तार

बोकारो : बोकारो के सेक्टर 6 थाना झेत्र के सेक्टर 5/डी, आवास सख्या - 2009 मे चोरी हुआ था जिसमे कांसा, ताम्बा के बर्तनो की चोरी की गई थी सेक्टर 6 थाना प्रभारी संगीता कुमारी ने त्वरित करवाई करते हुए सीसीटीवी को देख कर चोरो की जानकारी ली गई गुप्त सुचना के आधार पर सेक्टर 5 मालवा क्रेशर झोपरपटी से चोर को पकड़ा गया चोरो से पूछ ताछ पर सभी सामन को भी बरामद किया। गया चोरो ने 6 हजार रुपए मे सभी सामान को बेच दिया था सामान को जब्त कर तीनो चोर को जेल भेज दिया गया।

कर्रामुंडा गांव पहुंचे जिप सदस्य अजय एक्का ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

सिमडेगा : ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत कोरोमियां पंचायत के करामुंडा गांव में जिला परिषद सदस्य अजय एक्का ने दौरा कर ग्रामीणों का हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने गांव के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और यथासंभव समाधान का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न मूलभूत समस्याओं से उन्हें अवगत कराया, जिस पर जिप सदस्य ने संबंधित विभागों तक मुद्दों को पहुंचाने की बात कही। दौरे के क्रम में अजय एक्का करामुंडा गांव स्थित पहाड़ी पर अवस्थित कैलाश धाम भी पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान शिव की आराधना कर आशीर्वाद लेते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होने यह भी कहा कि कैलाश धाम इस क्षेत्र के लोगों के लिए आस्था का केंद्र है, विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु यहां आकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। वर्तमान समय में यहां कई मूलभूत सुविधाओं का आभाव है मैं राज्य सरकार से मांग करुंगा कि अविलंब इस जगह को मूलभूत सुविधाओं से लैस किया जाए ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष रैनू सिंह, पुजारी नारायण सिंह, युगेश सेनापति, ग्राम सभा अध्यक्ष बसंत सुरीन सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

कोम्बाकेरा गांव में धूमधाम से मनाया गया रामनवमी

कोलेबिरा : प्रखंड अंतर्गत शाहपुर पंचायत क्षेत्र के कोम्बाकेरा गांव में रामनवमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर गांव का माहौल भक्तिमय हो गया और चारों ओर जय श्रीराम के जयकारे गूंजते रहे। कार्यक्रम के दौरान शाहपुर पंचायत की मुखिया अंकिता केरकेट्टा एवं समाजसेवी सह भारतीय जनता पार्टी एसटी मोर्चा जिला महामंत्री मुनेश्वर तिर्की द्वारा भगवान हनुमान की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। पूजा के पश्चात मुनेश्वर तिर्की ने उपस्थित सभी रामभक्तों के बीच भगवा वस्त्र का वितरण किया,जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। इस मौके पर मुनेश्वर तिर्की ने कहा कि रामनवमी का पर्व हमें मयार्दा,धर्म और आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही और सभी ने मिलकर भक्ति एवं उल्लास के साथ पर्व का आनंद लिया।

रामनवमी पर कूटमकछार में सेवा कार्य कबीर धर्मदास वंशावली मिशन की पहल

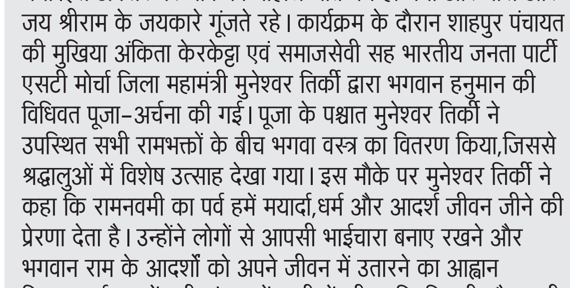

कुरडेग : प्रखंड के कूटमकछार में रामनवमी के उपलक्ष्य में सेवा कार्य संपन्न हुआ सिमडेगा में जिला के सभी प्रतिनिधि शामिल हुए मेहमान के रूप में छत्तीसगढ़ प्रांत के जशपुर जिला से जिला परोपकारी जिला उप प्रतिनिधि शामिल हुए जिला प्रतिनिधि महंत धनेश्वर दास से सभी प्रतिनिधि और कार्यकर्ता का आभार जताया और कहा कि आने वाले विगत वर्षों में यह कार्यक्रम सभी प्रखंडों में आयोजित किया जाएगा। सप्रेम साहेब बंदगी साहेब जिला में मुख्य रूप से जिला परोपकारी प्रतिनिधि मुरलीधर राम जिला युवा प्रतिनिधि रवींद्र दास जिला महिला प्रतिनिधि मधुस्मित राज्य उप प्रतिनिधि अजारमती देवी छत्तीसगढ़ जसपुर से जिला परोपकारी प्रतिनिधि शोभित दास जिला उप प्रतिनिधि सतनाम दास उपस्थिति रहे।

श्रीराम के आदर्शों से समाज में समरसता मजबूत हो सकती है : अमृत चिराग तिर्की

सिमडेगा: रामनवमी के अवसर पर भारत आदिवासी पार्टी सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने जिलेवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम को मयार्दा, सत्य और धर्म का प्रतीक माना जाता है तथा उनका जीवन त्याग, करुणा और न्याय की प्रेरणा देता है। उनके अनुसार, वर्तमान समय में श्रीराम के आदर्श समाज को सकारात्मक दिशा देने में सहायक हो सकते हैं। श्री तिर्की ने कहा कि समाज में शांति, भाईचारा और समरसता बनाए रखने की आवश्यकता है और ऐसे में श्रीराम के विचार प्रासंगिक प्रतीत होते हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि सभी लोग इस पर्व को शांति और सौहार्द के साथ मनाएं तथा नैतिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रयास करें।अंत में उन्होंने सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

अदालत की कसौटी में स्थानांतरण नीति

हरियाणा की स्थानांतरण नीति पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी ने एक गंभीर और दूरगामी संवैधानिक बहस को जन्म दिया है। यह बहस केवल एक प्रशासनिक निर्णय या अंक-प्रणाली तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस मूल प्रश्न को छूती है जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के केंद्र में होता है–समानता का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करना ही समानता है, या परिस्थितियों के अनुसार भिन्न व्यवहार ही न्याय के अधिक निकट है? जनवरी 2026 में आई टिप्पणी ने हरियाणा सरकार की स्थानांतरण नीति 2025 को व्यापक सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया। इस नीति में दिव्यांग कर्मचारियों के लिए 40-60 प्रतिशत दिव्यांगता पर 10 अंक, 60-80 प्रतिशत पर 15 अंक तथा 80 प्रतिशत से अधिक पर 20 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रथम दृष्टि में यह व्यवस्था तर्कसंगत और संवेदनशील प्रतीत होती है, क्योंकि यह इस मूल तथ्य को स्वीकार करती है कि दिव्यांगता एकरूप नहीं होती, बल्कि उसकी तीव्रता और प्रभाव भिन्न-भिन्न होते हैं। इस दृष्टि से अधिक दिव्यांगता वाले व्यक्ति को अधिक सहायता देना न्यायसंगत माना जा सकता है। किन्तु यहीं से विवाद का प्रारंभ होता है। प्रश्न यह है कि क्या ऐसा वर्गीकरण संवैधानिक कसौटियों पर खरा उतरता है? पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस नीति को निरस्त नहीं किया है, बल्कि इसके औचित्य पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की पीठ ने स्पष्ट किया कि यह मामला गहन विचारणीय है और इसमें संवैधानिक सिद्धांतों की सूक्ष्म समीक्षा अपेक्षित है। याचिकाकताओं का तर्क मुख्यतः दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 पर आधारित है। इस अधिनियम के अनुसार 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले सभी व्यक्ति एक समान श्रेणी में आते हैं। ऐसे में 40 और 80 प्रतिशत दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के बीच अंक-आधारित भेदभाव समानता के अधिकार का उल्लंघन प्रतीत हो सकता है। यह दृष्टिकोण "औपचारिक समानता" की अवधारणा को रेखांकित करता है, जिसमें सभी के साथ समान व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 केवल औपचारिक समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि "वास्तविक समानता" की ओर संकेत करता है। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल राज्य बनाम अनवर अली सरकार जैसे मामलों में "तर्कसंगत वर्गीकरण" का सिद्धांत स्थापित किया है। इसके अनुसार, यदि वर्गीकरण स्पष्ट, बुद्धिसंगत और उद्देश्य से तार्किक रूप से जुड़ा हो, तो वह असंवैधानिक नहीं माना जाएगा। यहीं यह प्रश्न और जटिल हो जाता है कि क्या दिव्यांगता के प्रतिशत के आधार पर किया गया यह वर्गीकरण वास्तव में तर्कसंगत है। क्या 40 और 80 प्रतिशत दिव्यांगता के बीच का अंतर केवल संख्यात्मक है, या यह व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता, कार्यक्षमता और आत्मनिर्भरता में भी गहरा अंतर उत्पन्न करता है? यदि यह अंतर वास्तविक है, तो अधिक अंक देना न्यायोचित ठहराया जा सकता है; अन्यथा यह वर्गीकरण मनमाना प्रतीत होगा। दिव्यांगता को केवल चिकित्सीय दृष्टि से समझना पर्याप्त नहीं है; यह एक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अनुभव भी है। किसी व्यक्ति की कार्यक्षमता, सामाजिक सहभागिता और आत्मनिर्भरता–ये सभी कारक उसकी वास्तविक स्थिति को निर्धारित करते हैं। अतः केवल प्रतिशत के आधार पर नीति निर्माण एक सीमित और अधूरा दृष्टिकोण हो सकता है। इसके साथ ही, नीति की पारदर्शिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान विवाद का एक प्रमुख कारण यह है कि अंक निर्धारण के पीछे का वैज्ञानिक या सांख्यिकीय आधार स्पष्ट नहीं किया गया है। यदि यह आधार सार्वजनिक नहीं होगा, तो नीति मनमानी प्रतीत हो सकती है, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही सकारात्मक क्यों न हो। इस संदर्भ में न्यायालय का हस्तक्षेप एक रचनात्मक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय यह सुनिश्चित करना चाहता है कि नीतियां केवल औपचारिक न रह जाएं, बल्कि वास्तविक न्याय का माध्यम बनें। यह लोकतंत्र की वह शक्ति है, जहां न्यायपालिका नीतियों को संतुलित और उत्तरदायी बनाए रखती है।

सूडोकु नवताल- 7747

✱✱✱✱✱ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7746 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

वैश्विक संकट और ऊर्जा संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

आज समूचा विश्व भू-राजनीतिक तनाव के दौर से गुजर रहा है। ईरान, अमेरिका तथा इजराइल के बीच के टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। इसलिए ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्त्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की ह्यएनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024ह्व के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है।

भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की ह्यइंडिया एनर्जी आउटलुक 2024ह्व रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है।

ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बरबादी सीधे ऊर्जा की बबार्दी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है।

अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्त्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरुकता बढ़ाई जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा।

वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है। यदि हम ऊर्जा को अनमोल संसाधन मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीख लें तो न केवल वर्तमान संकट से उबर सकते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दुनिया भी सुनिश्चित कर सकते हैं। ऊर्जा संरक्षण कोई जटिल विज्ञान नहीं बल्कि एक सरल जीवनशैली है और यही जीवनशैली आज धरती को बचाने की सबसे प्रभावी चाबी बन चुकी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रामनवमी समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में बांधने का काम किया है

विजय केसरी

हजारीबाग की इंटरनेशनल रामनवमी जुलूस ने नारी सशक्तिकरण के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों के लोगों को एक सूत्र में बांधने का काम किया है। तीन दिवसीय चलने वाले इस महाजुलूस की गौरव गाथा पर आज समस्त देशवासियों को नाज है। इस जुलूस में बच्चे, बूढ़े और महिलाएं लाखों की संख्या में भाग लेते हैं'। देश की आधी आबादी महिलाएं भी इस जुलूस में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। इस महाजुलूस ने महिला सशक्तिकरण और जागरण का भी काम किया है। महिलाएं जो कल तक घर के कामकाज तक सीमित समझी जाती थीं, इस जुलूस ने महिलाओं के शौर्य प्रदर्शन का भी एक सुनहरा अवसर प्रदान किया है। इस जुलूस में हमारे समाज की बेटियां शस्त्र परिचालन कर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। नारियों को अबला समझने वाले लोग यह न सोचें कि नारियां जवाब नहीं दे सकती हैं, नारियां अपने ऊपर होने वाले हर जुल्म का सामना पूरी ताकत के साथ कर सकती हैं।

गुरु सहाय ठाकुर ने जिस कालखंड में रामनवमी जुलूस का प्रारंभ किया था, उस कालखंड में नारियों पर कई किस्म की पाबंदियां थीं। नारियां सिर्फ और सिर्फ घर का चूल्हा चौका तक ही सीमित थीं। समाज का लड़कियों की शिक्षा पर कोई ध्यान नहीं था। तब समाज के एक दो परिवारों की ही बच्चियां शिक्षा ग्रहण कर पाती थीं।

उन्होंने रामनवमी जुलूस के साथ नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हजारीबाग, कुमारतोली में पहला बालिका विद्यालय खोला था। इस विद्यालय में उन्होंने सर्वप्रथम अपनी पुत्री का नामांकन करवाया था। उन्होंने प्रारंभ से ही रामनवमी के जुलूस में अपने घर की बेटियों को शामिल किया था। उसके बाद उन्होंने समाज की बेटियों को भी शामिल कर देश की आधी आबादी को जगाने का काम किया। उनका मत था कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम ने माता सीता के हरण कर्ता रावण का वध कर महिला शक्ति और सत्य को प्रतिष्ठित किया था। वहीं माता दुर्गा ने असत्य के प्रतीक महिषासुर का वध कर सत्य को प्रतिष्ठित किया था। अर्थात इन दोनों विजय के केंद्र में महिला शक्ति ही है। इसलिए देश की आधी आबादी को जागृत किये बिना देश का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। उन्होंने इस रामनवमी के जुलूस के माध्यम से नारी शक्ति को उसका वास्तविक अधिकार देने का काम किया था। इस जुलूस के गौरवमयी इतिहास के 108 वर्षों में जो इसके स्वरूप में भव्यता आई है, यह नारी शक्ति के जागरण का प्रभाव है। आज जुलूस में हजारों हजारों की संख्या में लड़कियां शामिल हो कर पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं।

इस महाजुलूस ने अमीरी और गरीबी की खाई को मिटाने का काम किया है। शहर और गांव के भेद को भी मिटाने का काम किया है। इस महा जुलूस में शामिल अमीर - गरीब, शहर और ग्रामीण क्षेत्र के लोग एक साथ शस्त्र परिचालन करते हैं। एक साथ नाचते हैं। एक साथ गाते हैं। एक साथ जय श्री राम का घोष लगाते हुए आगे बढ़ते हैं। अर्थात इस जुलूस ने समाज के सभी वर्गों के लोगों को एक सूत्र में बांधने का काम किया है। इसके साथ ही समाज के विभिन्न धर्मों, विचारों और पंथों के लोग इस महा जुलूस को शांति प्रिय ढंग से संपन्न करने के लिए बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ शस्त्र परिचालन कर सांप्रदायिक सौहार्द्र का परिचय देते हैं। आज की बदली परिस्थिति में देश की एकता और अखंडता बहुत जरूरी है। रामनवमी के जुलूस ने देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए एक बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है।

जब 1918 में चैत्र शुक्ल नवमी के दिन गुरु सहाय ठाकुर ने अपने पांच मित्रों के साथ इस जुलूस का शुभारंभ किया था, तब किसी ने यह कल्पना नहीं की थी कि आगे चलकर यह जुलूस महिला सशक्तिकरण और जागरण का एक बड़े अभियान के रूप में तब्दील हो जाएगा। जिस कालखंड में गुरु सहाय ठाकुर ने यह जुलूस प्रारंभ किया था, देश गुलाम था। अंग्रेज सिपाहियों द्वारा कई तरह के जुल्म देशवासियों पर ढाये जा रहे थे ।जमींदारी प्रथा ने देशवासियों का जीना हराम कर दिया था। गुरु सहाय ठाकुर स्वाधीनता आंदोलन के गरम दल के एक सिपाही थे। उन्हें ब्रिटिश हुकूमत बिल्कुल पसंद नहीं थी। वे इस जुलूस के माध्यम से हिंदू समाज को एक सूत्र में बांधना चाहते थे। वे रामनवमी जुलूस के माध्यम से हिंदू समाज में जागृति लाना चाहते थे। वे हिंदुओं में संगठित करना चाहते थे।

उस काल खंड में ईसाई धर्म प्रचार के क्रम में हजारीबाग के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के कई हिंदू परिवारों को ईसाई धर्म में परिवर्तित कराया गया था। स्वर्गीय गुरु सहाय ठाकुर महावीरी झंडा जुलूस के माध्यम से हिंदुओं के भीतर भगवान राम की भक्ति का अलख जगाना चाहते थे। हिंदू धर्मावलंबियों के अन्य धर्म में परिवर्तित होने क बात उन्हें कतई पसंद नहीं थी। इस महावीरी जुलूस के माध्यम से गुरू सहाय ठाकुर धर्म परिवर्तन को रोकना चाहते थे। इसलिए उन्होंने हर हिंदू के घर में राम चरित मानस रखने की बात भी बताई थी। वे समाज में व्याप्त जात पात, कुरीति,अंधविश्वास और अस्पृश्यता को जड़ से मिटा देना चाहते थे। इस कालखंड में नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकतर हिंदू घरों मे शराब का सेवन हुआ करता था। उन्होंने महावीर झंडे के माध्यम से घर-घर में होने वाले शराब के सेवन को बंद कराने का भी आह्वान किया था । फलतः समाज पर इसका बहुत ही व्यापक असर हुआ था । देश की आजादी के बाद जब पहला महावीर झंडा निकाला गया था, तब इसकी सूरत ही बदली हुई नजर आई थी। देश की आजादी के बाद जुलूस के स्वरूप में क्रमवार विस्तार ही होता चला गया। हजारीबाग नगर में रामनवमी जुलूस हेतु कई समितियों का निर्माण होना शुरू हो गया था। ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई समितियों का निर्माण हुआ। गुरु सहाय ठाकुर ने महावीर झंडा जुलूस के माध्यम से नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के कई स्थानों पर देवी मंडप एवं अन्य देवी-देवताओं के पूजा स्थलों की स्थापना में अपनी महती भूमिका निभाई थी। यह सब उन्होंने हिंदू धर्म में जागृति पैदा करने के लिए किया था। आजादी के चार-पांच वर्षों के बाद मंगला जुलूस का निकलना प्रारंभ हुआ था। तब आज की तरह मंगला जुलूस का यह स्वरूप नहीं था। मंगला जुलूस हजारीबाग नगर के विभिन्न समितियों द्वारा निकाले जाते थे, तब यह निश्चित हो जाता था कि इतनी संख्या में रामनवमी जुलूस निकाले जाएंगे। धीरे धीरे मंगला जुलूस के स्वरूप में भी विस्तार होता चला गया। यह मंगला जुलूस नगर के प्रमुख मंदिर राधा कृष्ण मंदिर, बड़ा अखाड़ा ठाकुरबाड़ी, खजांची तालाब मंदिर, महावीर मंदिर, कुमार टोली महावीर मंदिरों आदि में महावीरी लंगोट एवं प्रसाद चढ़ाकर, भ्रमण कर शस्त्र परिचालन का प्रदर्शन कर अर्धरात्रि तक समाप्त हो जाया करता है। यह परंपरा आज भी अनवरत जारी है।

निजी स्कूलों की महंगी फीस, बड़े दावे और हकीकत

डॉ. सत्यवान सौरभ

आज के दौर में शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं रह गई है, बल्कि यह एक तेजी से बढ़ता हुआ व्यवसाय भी बन चुकी है। शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, निजी स्कूलों की संख्या लगातार बढ़ रही है और उनके साथ-साथ बढ़ रही है उनके प्रचार-प्रसार की रणनीतियाँ। अखबारों, होर्डिंग्स, सोशल मीडिया और यहां तक कि स्थानीय कार्यक्रमों में भी स्कूलों के आकर्षक विज्ञापन देखने को मिलते हैं। हर स्कूल अपने आप को "सर्वश्रेष्ठ", "भविष्य निर्माता" और "सफलता की गारंटी" देने वाला संस्थान बताता है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या ये दावे वास्तविकता से मेल खाते हैं, या फिर यह केवल अभिभावकों की उम्मीदों और भावनाओं का लाभ उठाने का एक तरीका है?

आज का अभिभावक पहले से कहीं अधिक जागरूक है, लेकिन साथ ही वह अपने बच्चों के भविष्य को लेकर उतना ही चिंतित भी है। वह चाहता है कि उसका बच्चा एक अच्छे स्कूल में पढ़े, बेहतर सुविधाएं प्राप्त करे और जीवन में आगे बढ़े। इसी सोच के चलते वह अक्सर अपनी आय से अधिक खर्च करने के लिए भी तैयार हो जाता है। कई परिवार ऐसे हैं जो अपनी जरूरतों में कटौती करके, कर्ज लेकर या अतिरिक्त काम करके बच्चों की फीस भरते हैं। उनके मन में यह विश्वास होता है कि महंगे स्कूल में पढ़ाई का मतलब है बेहतर शिक्षा और निश्चित सफलता।

निजी स्कूल इसी मनोविज्ञान को समझते हैं और अपने प्रचार में इसका भरपूर उपयोग करते हैं। वे अपने कैंपस, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट क्लासरूम, एयर-कंडीशंड सुविधाओं, खेल गतिविधियों और अन्य आधुनिक संसाधनों को प्रमुखता से दिखाते हैं। इसके साथ ही, वे प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कानून और रक्षा सेवाओं में सफलता के बड़े-बड़े दावे भी करते हैं। कई बार विज्ञापनों में कुछ चुनिंदा छात्रों की उपलब्धियों को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है, जैसे वह पूरे स्कूल के स्तर को दर्शाती हों।

लेकिन जब हम इन दावों को गहराई से परखते हैं, तो एक अलग ही तस्वीर सामने आती है। वास्तविकता यह है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का प्रतिशत बहुत कम होता है। चाहे वह मेडिकल प्रवेश परीक्षा हो, इंजीनियरिंग की प्रतिष्ठित परीक्षाएं हों, या फिर कानून और रक्षा सेवाओं से जुड़ी परीक्षाएं–इनमें सफल होने वाले छात्रों की संख्या अक्सर सीमित होती है। कई बार तो पूरे साल में गिने-चुने छात्र ही इन परीक्षाओं को पास कर पाते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या स्कूल द्वारा किए गए दावे वास्तविकता के अनुरूप हैं?

यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि इन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी केवल स्कूल की पढ़ाई के आधार पर संभव नहीं होती। अधिकतर छात्र अलग से कोचिंग संस्थानों का सहारा लेते हैं, जहां उन्हें विशेष रूप से इन परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाता है। वे अतिरिक्त समय, मेहनत और संसाधन लगाते हैं। ऐसे में यदि कोई स्कूल इन छात्रों की सफलता का पूरा श्रेय अपने ऊपर लेता है, तो यह अभिभावकों को गुमराह करने जैसा हो सकता है।

बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भी किसी स्कूल की गुणवत्ता को मापने का एक प्रमुख आधार होते हैं। लेकिन यहां भी अक्सर देखा जाता है कि बहुत कम छात्र ही 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर पाते हैं। 95 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले छात्रों की संख्या तो और भी कम होती है। यदि कोई स्कूल खुद को क्षेत्र का अग्रणी संस्थान बताता है, तो उससे यह अपेक्षा की जाती है कि उसके परिणाम भी उसी स्तर के हों। लेकिन कई बार यह अपेक्षा पूरी नहीं हो पाती। फीस का मुद्दा इस पूरे विषय का सबसे संवेदनशील पहलू है। निजी स्कूलों की फीस लगातार बढ़ती जा रही है, और कई मामलों में यह मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक क्षमता से बाहर हो जाती है। फीस के अलावा भी कई तरह के अतिरिक्त खर्च होते हैं–जैसे परिवहन शुल्क, यूनिफॉर्म, किताबें, वार्षिक शुल्क, गतिविधि शुल्क आदि। कुल मिलाकर, एक बच्चे की शिक्षा पर होने वाला खर्च काफी अधिक हो जाता है।

यहां यह समझना जरूरी है कि स्कूलों को अपने संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। अच्छे शिक्षक, आधुनिक सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, और सह-पाठयक्रम गतिविधियां–इन सभी का एक खर्च होता है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब फीस और शिक्षा की गुणवत्ता के बीच संतुलन नहीं होता। यदि स्कूल अत्यधिक फीस ले रहा है, तो उससे यह अपेक्षा करना गलत नहीं है कि वह उसी स्तर की गुणवत्ता भी प्रदान करे। सरकार ने इस समस्या को देखते हुए कई राज्यों में फीस नियंत्रण के लिए नियम और कानून बनाए हैं। फीस रेगुलेशन कमेटियां गठित की गई हैं, जिनका उद्देश्य स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वृद्धि को रोकना है। लेकिन व्यवहार में इन नियमों का प्रभाव सीमित दिखाई देता है। कई बार अभिभावकों को अपने अधिकारों की जानकारी नहीं होती, और वे अकेले आवाज उठाने से हिचकिचाते हैं।

इस स्थिति में अभिभावकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें केवल विज्ञापनों के आधार पर निर्णय लेने के बजाय स्कूल के वास्तविक प्रदर्शन, शिक्षकों की गुणवत्ता, और पिछले परिणामों का गंभीरता से विश्लेषण करना चाहिए। यदि संभव हो, तो अन्य अभिभावकों से बातचीत करनी चाहिए और उनके अनुभव जानने चाहिए। स्कूल के दावों और वास्तविकता के बीच अंतर को समझना आवश्यक है।

दैनिक पंचांग

29 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

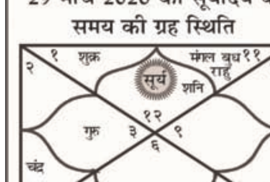

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.48 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	08.28 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.26 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.55 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.07 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.18 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.33 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.49 बजे से
राहुकाल		मकर	01.54 बजे से
4.30 से 6.00		कुंभ	03.40 बजे से
बजे तक		मीन	05.13 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 88 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 07.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 14.38 बजे को समाप्त।
योग धृति 18.20 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 07.47 बजे तदनन्तर बव 19.26 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 9.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 18'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872663
जूलियन दिन 2461128.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 09
विशेष कामदा एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक	
चर	07.23 से 08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक		चर	08.41 से 10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक		रोग	10.14 से 11.46 बजे तक	
काल	11.46 से 01.14 बजे तक		काल	11.46 से 01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

सिविल सर्जन ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

साहिबगंज: जिले के सीएस डॉ. रामदेव पासवान ने शुक्रवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। सीएस ने अस्पताल के ऊपरी मंजिल प्रसूता वार्ड का जायजा लिया। इस दौरान प्रसूता वार्ड की व्यवस्था देख सीएस ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने जमीन पर इलाज कराते प्रसूता को देख अस्पताल प्रबंधक को आवश्यक निर्देश दिए। सीएस ने कहा कि मरीजों के बेड पर चादर देने व बेड मुहैया कराने के भी निर्देश दिए। खासतौर पर अस्पताल की साफ-सफाई रखने के सख्त निर्देश दिए। सीएस ने ओपीडी का जायजा लेते हुए डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों को भी आवश्यक निर्देश दिए। डॉक्टरो को ड्यूटी में समय का पालन करने की हिदायत दी। सीएस ने मरीजों को दी जाने वाली स्वास्थ सुविधा के बारे में भी कर्मियों से जानकारी ली। बाद में उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, रजिस्ट्रेशन काउंटर समेत अन्य विभागों का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बंगाल चुनाव को लेकर बढ़ेगी चेक नाका की संख्या

साहिबगंज: पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड से सटे साहिबगंज जिला के सीमावर्ती इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई है। इस इलाके में पहले से तीन चेकनाका संचालित है। चेकनाका से आने जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा रही है। खासकर तय सीमा से अधिक नकदी ले जाने वालों पर भी नजर है। हालांकि जल्द बंगाल से सटे कुछ नये इलाके में और चेकनाका खुल सकता है। इस सिलसिले में एसपी अमित कुमार सिंह ने गुरुवार की देरशाम को बरहड़वा थाना का औचक निरीक्षण कर थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मौके पर एसपी ने बताया कि बरहरवा में पहले से ही तीन चेक पोस्ट के माध्यम से निगरानी की जा रही है। रामनवमी के बाद चेकनाका की संख्या और बढ़ायी जाएगी। मौके पर बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह, रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव थे।

त्यौहारों को लेकर अलर्ट, डीसी ने जारी किए सख्त दिशा-निर्देश

साहिबगंज : डीसी हेमन्त सती ने शहर में अपराध नियंत्रण और त्यौहारों के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्रि, रामनवमी, महावीर जयंती, हनुमान जन्मोत्सव आदि त्यौहारों के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि त्यौहारों के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण व संवेदनशील स्थानों पर पिकेट्स लगाकर पुलिस बल को सभी संसाधनों से लैस कर तैनात किया गया है। सभी धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और विशेष सतर्कता बरती जा रही है। डीसी ने कहा कि सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील धार्मिक स्थलों को विशेष रूप से चिन्हित करते हुए वहां पर पुलिस पिकेट, मोबाइल पेट्रोलिंग सहित उचित पुलिस व्यवस्था लगाई गई है। ड्रोन व सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी सतत निगरानी व पेट्रोलिंग की जा रही है। डीसी ने बताया कि आपातकालीन सेवाओं (एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड आदि) को अलर्ट मोड में रखा गया है और सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु प्रभावी ट्रैफिक प्लान लागू किया जाएगा और पुलिस व्यवस्था लगाई जाएगी।

अमड़ापाड़ा में रामनवमी : भक्ति, परंपरा और सामाजिक सौहार्द का भव्य संगम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र में रामनवमी का पर्व इस वर्ष भी पूरे श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही क्षेत्र भगवामय हो उठा, जहाँ हर ओर भगवा ध्वज लहराते नजर आए और जय श्री रामह्व के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। मंदिरों में विशेष पूजा और परंपरा का निर्वहनः बाजार स्तिथ स्थानीय महावीर मंदिर और हाट परिसर बजरंगबली मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। ध्वजा परिवर्तन की परंपरा निभाई गई तथा भगवान राम और हनुमान जी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए धार्मिक अनुष्ठानों को सफल बनाया। भव्य अखाड़ा जुलूस ने बांधा समाः संध्या में रामनवमी के अवसर पर अखाड़ा समिति द्वारा भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जो मुख्य महावीर मंदिर से प्रारंभ होकर पूरे बाजार क्षेत्र का भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर परिसर में आकर संपन्न हुई। जुलूस में गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वेशभूषा में शामिल युवाओं ने लाठी-डंडा, तलवारबाजी और अन्य करतबों का शानदार प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने पेश की सौहार्द की मिसालः इस दौरान अंचल अधिकारी औसफ अहमद खां और प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने स्वयं अखाड़े में उतरकर आकर्षक अंदाज में लाठी खेल का प्रदर्शन किया। अधिकारियों की इस भागीदारी ने उपस्थित लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया और सामाजिक एकता व भाईचारे का सशक्त संदेश दिया। महेशपुर के लठैतों ने दिखाया दमखमः जुलूस में महेशपुर से आए अनुभवी लठैतों ने अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी पारंपरिक लाठी कला ने पूरे माहौल को रोमांच से भर दिया। बच्चों और ग्रामीणों ने भी दिखाई प्रतिभाः अखाड़ा जुलूस कार्यक्रम में स्थानीय बच्चों और ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और एक से बढ़कर एक करतब दिखाकर सबका दिल जीत लिया। छोटे-छोटे बच्चों का उत्साह और हुनर देखने लायक था।

साहेबगंज में धूमधाम से निकला रामनवमी अखाड़ा जुलूस, जयकारों से गूंजा शहर

साहेबगंज: जिले भर में रामनवमी का पर्व बड़े ही उत्साह व धूमधाम से शुक्रवार को मनाया गया। जहां इस मौके पर शहर के कई पूजा समितियों के द्वारा भव्य अखाड़ा जुलूस भी गाजे बाजे व राम के भक्ति गीतों के साथ शहर में निकाला गया। उधर शहर के बड़तल्ला दहिया टोला रामनवमी पूजा समिति के सदस्यों के द्वारा आकर्षक अखाड़ा जुलूस देर शाम को निकाला गया जिसमें पारंपरिक हथियारों के साथ युवाओं ने अपना प्रदर्शन किया। उधर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की के नेतृत्व में नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता समेत अन्य पुलिस जवान पूरी मुस्तैदी के साथ जुटे हुए थे। जहां सभी राम भक्तों में गजब का उत्साह देखने को मिला एवं हिंदुत्व एकता का विशाल संदेश देने का काम युवाओं ने किया।

बिंदुधाम मंदिर में हुई विशेष पूजा-अर्चना, बजरंगबली के जयकारों से वातावरण भक्तिमय

साहिबगंज: रामनवमी को लेकर बरहरवा प्रखंड का माहौल भक्तिमय बना हुआ है। जहां बिंदुधाम मंदिर में समिति के सदस्यों द्वारा रामनवमी के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति के साथ विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में धार्मिक माहौल देखने को मिला और श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ी। पूजा कार्यक्रम में बिंदुधाम मंदिर प्रबंधन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शक्तिनाथ अमन सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही। सभी ने विधिवत पूजा कर भगवान श्रीराम और बजरंगबली से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। भक्तों के लिए प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के दौरान जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यकारी अध्यक्ष शक्तिनाथ अमन ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामनवमी का त्यौहार उत्साह, शांतिपूर्ण और परम्परा के अनुसार मनाया गया।

रामनवमी पर कई कार्यक्रम आयोजित चिटाईडीह में निकली कलश यात्रा

पटमदा : चैत्र नवरात्र के अवसर बोड़ाम बाजार,बेल्टांड में बासंती पूजा का नवमी पूजा संपन्न हुआ। वही रामनवमी के अवसर पर सार्वजनिक हनुमान मंदिर कमिटी चिटाईडीह बांगुड़दा में मूर्ति स्थापना के द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर बांगुडदा नदी से मंदिर तक 108 कन्याओं ने भाग लिया। गाजा बाजे के साथ कलश यात्रा कमिटी के द्वारा निकालकर नदी से जल लाकर मंदिर में स्थापित किया। वही बालक भोजन का आयोजन भी कमिटी द्वारा किया गया था। शाम को मंदिर परिसर में 108 दीया (दीपक) जलाया जाएगा। इस दौरान मुख्य रूप से कमिटी के पार्वती गोप, नगेंद्र नाथ गोप, रवि गोप, कैलाश गोप, उज्वल गोप, रविन्द्र गोप, राहुल, बादल, राजेश राजवाड़, दिलीप गोप, राजू गोप, रविन्द्र नाथ गोप, भीम, जयदेव गोप सहित कमिटी के सभी सदस्य उपस्थित थे।

रामनवमी पर हरली मेलाटांड़ में उमड़ा जनसैलाब 30 हजार राम भक्तों ने किया महावीरी झंडा मिलान

बड़कागांव : बड़कागांव में प्रखंड में विख्यात हरली पूजा समिति की ओर से रामनवमी मेलाटांड में मेला का आयोजन किया गया। 30 हजार राम भक्त महावीरी झंडा के साथ पहुंचे और झंडा का मिलान किया। हर तरफ जय श्रीराम, हनुमान की जय घोष हो रहा था। कई गांव के अखाड़े द्वारा एक से बढ़कर एक आकर्षक झांकी के साथ जुलूस निकाल गई। सभी अखाड़े के लोग बेहतर करने का प्रयास किया। मेलाटांड़ में पूजा समिति के हरली के अध्यक्ष महेंद्र महतो एवं अन्य पदाधिकारीओं द्वारा गंगा दोहर, विश्रामपुर, शिवाडीह, बादम, तलसवार, मोतरा, गोंदलपुरा मधैयाढाब, चंदौल,सॉंड़, महुगाई कला, खरांटी , छपेरवा, पिपराडीह एवं अन्य गांव की रामनवमी जुलूस एवं झांकी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मेला को बेहतर ढंग से संचालन को लेकर पूजा समिति के द्वारा भंडारा स्वरूप खिचड़ी पेयजल की सुविधा एवं स्वास्थ्य सुविधा शिविर का आयोजन किया गया था। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने शाहिद देवलाल महतो एवं कार्तिक महतो के प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात रामनवमी मेलाटांड़ में नए मास्क लाइट का विधिवत पिता काटकर उद्घाटन किया। वही शांति व्यवस्था को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल लगाए गए थे।

कोटालपोखर में भव्य रामनवमी अखाड़ा जुलूस, श्रद्धा और शौर्य का दिखा संगम

साहिबगंज: कोटालपोखर क्षेत्र में शुक्रवार को बजरंगबली पूजा के अवसर पर भव्य और श्रद्धा से ओतप्रोत आयोजन किया गया। कोटालपोखर रेल फाटक के समीप स्थित बजरंगबली मंदिर परिसर में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सुबह से ही मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरे इलाके में भक्तिमय वातावरण बना रहा। जहां विधि-विधान के साथ बजरंगबली की पूजा-अर्चना की गई, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावट से सजाया गया था, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। पूजा के बाद भव्य अखाड़ा जुलूस निकाला गया, जो कोटालपोखर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा। अखाड़ा जुलूस में शामिल युवाओं ने पारंपरिक हथियारों और लाठी-डंडों के साथ हैरतअंगेज करतब दिखाए। उनके द्वारा प्रस्तुत शौर्य प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जुलूस के दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज और जय श्री राम एवं बजरंगबली की जयर के उद्घोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में श्री श्री बजरंगबली पूजा समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति के सदस्यों ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां कई दिनों से की जा रही थीं, जिसमें स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिला। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। कोटालपोखर थाना प्रभारी अपने दल-बल के साथ जुलूस के दौरान हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए थे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में चैतन्य दुर्गा झांकी का हुआ आयोजन

बरही : बरही प्रखंड के धोबी टोला में संचालित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संचालिका बीके रीना बहन के नेतृत्व में श्री राम जन्मोत्सव पर जिवंत झांकी बना। इस मौके पर कई लोग शामिल हुए। इस दौरान बहन बीके रीना ने कहा कि रामनवमी केवल श्री राम के जन्म की उत्सव नहीं बल्कि ज्ञान से आत्माओं में 'राम' (दिव्या गुणों) के प्रकटीकरण का प्रतीक है। यह 'रात'(अज्ञान के अंधकार) के अंत और 'नवमी'(नई सुबह/ सतयुग) की शुरूआत का सूचक है,जहां हम योग ध्यान द्वारा मयार्दा पुरुषोत्तम बनते हैं। उन्होंने बताई कि शिव परमपिता की तरह आत्माओं में दिव्य गुण आती है , इससे आत्मा में सच्चा सुख अनुभव होता है। यह त्यौहार मयार्दा पुरुषोत्तम त्यौहार है जीवन में विकारों को छोड़कर श्री राम की तरह ही दिव्य गुणों और मयार्दाओं को धारण करने की प्रेरणा देता है। रामनवमी और नवरात्रि में हम अपनी आंतरिक शक्तियों को जगाते हैं और रामनवमी के दिन हम मयार्दा पुरुषोत्तम यानी पूर्णता की स्थिति को प्राप्त करते हैं।कार्यक्रम में उपस्थित जिला परिषद प्रीति कुमारी ने बताई कि जीवन में अच्छे गुण लाना है और घर परिवार में भी अच्छा से अच्छा गुण देना है और अच्छे ज्ञान सुनने के लिए केंद्र पर अवश्य आएं। रामनवमी महापर्व का दिल से शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में आए सभी भाई-बहनें जिला परिषद से सभी नौ देवी शक्तियों के हाथ में नारियल चढ़ा कर दीप जलाकर दुर्गा मां का नौ गुणों को जीवन में भरने का संकल्प किये।

मानगो में किशोर की संदिग्ध मौत पर बवाल,बन्ना गुप्ता ने परिजनों को दिया निष्पक्ष जांच का आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के मानगो स्थित एक निजी नर्सिंग होम में 16 वर्षीय किशोर की संदिग्ध मौत के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और उनकी पत्नी, मानगो नगर निगम की मेयर सुधा गुप्ता शुक्रवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और मृतक के परिजनों से मुलाकात की। परिजनों से बातचीत के दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाएगी तथा दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। मौके से ही बन्ना गुप्ता ने सिविल सर्जन को फोन कर निर्देश दिया कि मृतक रेयान आलम का पोस्टमार्टम एकल डॉक्टर के बजाय विशेषज्ञ डॉक्टरों के बोर्ड द्वारा कराया जाए। साथ ही पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि जांच में पारदर्शिता बनी रहे और मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके।हालांकि, प्रशासनिक कारणों से शुक्रवार को पोस्टमार्टम नहीं हो सका, जिससे परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश और बढ़ गया। अब शनिवार को पोस्टमार्टम कराने की तैयारी की जा रही है। इस बीच अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और हर पहलू की गंभीरता से जांच की जाए। घटना के बाद पोस्टमार्टम हाउस के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई और सभी ने संबंधित डॉक्टर और नर्सिंग होम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान लापरवाही बरती गई, जिसके कारण रेयान आलम की मौत हो गई।

संक्षिप्त खबरें

जिला योजना कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक संपन्न

पाकुड़: जिला योजना कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक आज उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला योजना अनाबद्ध निधि योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में उपलब्ध आवंटन से लगभग ?282.594 लाख की योजनाओं पर घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही विभिन्न नई योजनाओं को भी अनुमोदन दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व से संचालित सभी लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जो योजनाएँ भौतिक रूप से पूर्ण हो चुकी हैं, उनके भुगतान के लिए आवश्यक राशि की अधियाचना समय पर सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने तथा कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण कार्य एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पाकुड़ में क्रिकेट को मिला नया मंचः जिला क्रिकेट संघ कार्यालय का हुआ उद्घाटन

पाकुड़ : जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आज पाकुड़ जिला क्रिकेट संघ कार्यालय का उद्घाटन उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी के कर-कमलों द्वारा किया गया। यह पहल जिले की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा क्रिकेट के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन को एक स्थायी कार्यालय मिलने से खिलाड़ियों, कोचों एवं पदाधिकारियों को एक सशक्त एवं संगठित मंच प्राप्त हुआ है, जहां वे अपने विचार, सुझाव एवं योजनाओं को प्रभावी ढंग से साझा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी खेल के विकास के लिए मजबूत संगठनात्मक संरचना अत्यंत आवश्यक होती है और यह कार्यालय उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, प्रबुद्ध नागरिकों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन एवं अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे बच्चों को सही दिशा दें तथा उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें, ताकि वे भविष्य में जिले एवं राज्य का नाम रोशन कर सकें। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के समग्र विकास में खेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेल न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच को भी विकसित करता है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें, बल्कि उन्हें खुलकर खेलने का अवसर प्रदान करें और उनकी प्रतिभा को निखारने में सहयोग करें।उन्होंने कहा कि आज के समय में खेल एक सशक्त करियर विकल्प के रूप में उभर चुका है, जिससे युवाओं को नाम, सम्मान एवं उज्वल भविष्य प्राप्त हो सकता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नवनिर्मित कार्यालय से क्रिकेट संघ को नई मजबूती मिलेगी तथा इसके माध्यम से जिले के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। इससे निश्चित रूप से पाकुड़ के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे।पाकुड़ जिला क्रिकेट एसोसिएशन को बधाई देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार, जिला क्रिकेट संघ के सचिव प्रणय तिवारी, कोच रानु सिंह, खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

दियारा में गेहूं फसल की कटाई को लेकर दो पक्षों के बीच झड़प,बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज: जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तर पलाशगाछी पंचायत के नकीरटोला में गुरुवार की शाम गेंहू फसल कटाई को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान एक पक्ष के 65 वर्षीय बुजुर्ग हाफू शेख पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार उत्तर पलाशगाछी पंचायत के नकीरटोला बहियार स्थित खेत में गेंहू कटाई को लेकर दो पक्षों के बीच पहले से ही तनाव चल रहा था। दोनों ही पक्ष उक्त जमीन पर अपना-अपना मालिकाना हक जता रहे थे। गुरुवार की शाम जब कटाई का काम शुरू हुआ, तो विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। आरोप है कि इसी दौरान गफ्फार शेख ने हाफू शेख पर तेज धारदार हंसुआ से हमला कर दिया। हमले में हाफू शेख के पेट, हाथ और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने किसी तरह बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला और घायल को तुरंत उपचार के लिए ले जाया गया। परिजन घायल अवस्था में हाफू शेख को लेकर राधानगर थाना पहुंचे, जहां पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए जख्म-प्रतिवेदन तैयार किया और बेहतर इलाज के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया।

धोखाधड़ी से जमीन हड़पने को लेकर बाहा हेंब्रम ने थाने में आवेदन देकर लगाई न्याय की गुहार

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबाडीहा निवासी बाहा हेंब्रम ने थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। दिए गए आवेदन में बताई की मेरी पैतृक जमीन मौजा अंबाडिहा, जमाबंदी नंबर 11, दाग नंबर 120 एवं 121 कुल रकवा एक बीघा जमीन है, जिस पर मैं और मेरे परिवार जोत आवाद करते आ रहे हैं और मेरे दखल भोग में है। जिसे अजीत कुमार पिता भोला नाथ शाह न्यू रोड नगर थाना निवासी के द्वारा कुछ लोगों के सहयोग से षड्यंत्र कर हड़पना चाह रहा है। जबकि उक्त जमीन को मैंने कभी भी बिक्री नहीं की हूं ना ही दान में दी हूं। कुछ दिन पूर्व मेरे घर पर आकर मुझे जाति सूचक गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी है जिससे मैं काफी भयभीत हूं। आवेदन देते हुए जमीन को उनके कब्जे से मुक्त करते हुए जान माल की रक्षा की गुहार लगाई है।

होर्मुज स्ट्रेट खुला लेकिन समुद्री बीमा प्रीमियम महंगा, शिपिंग लागत और जोखिम बढ़े

नई दिल्ली।
ईरान ने कहा है कि गैर-आक्रामक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकते हैं यदि वे ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करें। हालांकि यह कदम कुछ राहत देने वाला प्रतीत हो सकता है, बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय अनिश्चितता और हालिया तनावों के कारण समुद्री युद्ध बीमा प्रीमियम अभी भी ऊंचे रहेंगे। एक समुद्री विशेषज्ञ ने कहा कि हाल की घोषणाओं से प्रीमियम में कोई तत्काल कमी नहीं आएगी। स्थिति अस्थिर बनी हुई है और किसी भी नए हमले या तनाव से प्रीमियम फिर बढ़ सकते हैं। वर्तमान में युद्ध बीमा पर लगभग 0.5 प्रतिशत और समुद्री पतवार बीमा पर 5-7.5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम लगाया जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से दुनिया के लगभग एक-पांचवां तेल और एलएनजी शिपमेंट गुजरते हैं। हाल के हमलों और राजनीतिक तनाव ने कई पुनर्बीमाकर्ताओं को इस मार्ग को उच्च जोखिम क्षेत्र घोषित करने और बीमा दरें बढ़ाने के लिए मजबूर किया है। कई शिपिंग कंपनियों ने इस मार्ग से आवागमन भी रोक दिया है। लाल सागर और काला सागर के साथ यह क्षेत्र भी मौजूदा तनाव के कारण उच्च जोखिम वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल ईरान की घोषणा से समुद्री युद्ध बीमा दरों में कमी संभव नहीं। स्थायी शांति और स्पष्ट राजनीतिक समाधान के बिना प्रीमियम ऊंचे बने रहेंगे। बीमा कंपनियों की नजर सतर्क रहेगी और समय के साथ स्थिरता दिखाई देने तक उच्च प्रीमियम जारी रहेंगे।

एनसीआर में तीन गुना महंगी हो गई प्रॉपर्टी, सिर्फ तीन साल में बढ़े भाव

वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना, प्लॉट की औसतन डेढ़ गुना वृद्धि

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रियल एस्टेट की डिमांड हमेशा उच्च रही है, लेकिन यमुना एक्सप्रेसवे के पास नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र विशेष रूप से निवेशकों के लिए आकर्षक बन गया है। एक रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ी हैं, जबकि प्लॉट की कीमतों में औसतन डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। कुछ चुनिंदा इलाकों में यह वृद्धि 5 गुना तक पहुंच गई, जो निवेशकों की बढ़ती रुचि और बुनियादी ढांचे के विकास को दर्शाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तेजी मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़े बुनियादी ढांचा विकास के कारण है। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद है, जिसमें फ्लैट की मांग में बढ़त और प्लॉट की कीमतों में सीमित वृद्धि देखने को मिल सकती है। पिछले वर्ष इस क्षेत्र में फ्लैट की औसत कीमत लगभग 9,600 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट की कीमत लगभग 2,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। रिपोर्ट के अनुसार अगले दो वर्षों में यह बढ़कर फ्लैट के लिए 11,800 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट के लिए 3,200 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच सकती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आगामी दो साल में कीमतों में वृद्धि लगभग 22 प्रतिशत के आसपास रहेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, फ्लैट या प्लॉट में निवेश करने का यह समय उपयुक्त है। लंबी अवधि में रिटर्न की संभावना देखते हुए, निवेशकों के लिए यह अवसर सुनहरा कहा जा सकता है।

तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, डॉलर की मजबूती और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के चलते रुपया 86 पैसे टूटकर 94.82 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भी बाजार की अनिश्चितता को बढ़ाया, जिसका असर भारतीय मुद्रा पर साफ दिखा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल करेंसी पर दबाव बना रह सकता है। मालूम हो कि पिछले कुछ कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपये में भारी गिरावट देखी गई है। इंटरबैंक फॉरेक्स मार्केट में रुपया 94.18 के स्तर पर खुला और कारोबार के दौरान पहली बार 94.50 के पार निकल गया। अंत में यह और फिसलकर नए रिकॉर्ड लो 94.82 पर बंद हुआ। इससे पहले बुधवार यानी 25 मार्च को भी रुपया 20 पैसे टूटकर 93.96 के स्तर पर बंद हुआ था। गुरुवार को रामनवमी के कारण बाजार बंद रहे थे। रुपये में गिरावट का यह सिलसिला मंगलवार से जारी है। मंगलवार को रुपया 23 पैसे कमजोर होकर 93.76 पर बंद हुआ था। बुधवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 93.94 पर खुला और 93.86 से 94.08 के बीच कारोबार करने के बाद अपने अब तक के सबसे निचले बंद स्तर पर पहुंचा। मध्य पूर्व में जारी तनाव भी रुपये पर दबाव डाल रहा है।गिरावट के प्रमुख कारणरुपये की इस लगातार गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से पूंजी की लगातार निकासी एक बड़ा कारक है। इसके साथ ही, ईरान में जारी संकट और व्यापक मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इन कारकों के चलते रुपये पर लगातार दबाव बना हुआ है।2011-12 के बाद रुपए में सबसे बड़ी गिरावटभारत का वित्त वर्ष अप्रैल से मार्च तक चलता है। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, एक दशक से भी ज्यादा

समय में यह पहली बार है, जब रुपया एक ही साल में इतना ज्यादा गिरा है। इससे पहले साल 2011-12 में यूरोजोन संकट के दौरान रुपए में करीब 14 प्रतिशत की गिरावट आई थी। 31 मार्च 2025 से अब तक रुपया अपनी वैल्यू से 10 प्रतिशत तक गिर चुका है।

दिल्ली हवाई अड्डा में विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित

नई दिल्ली।
दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान के बीच कुछ विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित किए हैं। यह कदम यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन में होने वाले व्यवधान को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार ये अतिरिक्त स्लॉट अप्रैल और मई के महीने के लिए हैं। इन एयरलाइनों में केएलएम और एयर कनाडा शामिल हैं। डायल का यह कदम एयरलाइनों को अधिक उड़ानें संचालित करने और यात्रियों को बेहतर विकल्प देने में मदद करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि हवाई यात्रा में किसी भी तरह की व्यवधान का असर कम से कम महसूस हो। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे बड़ा और व्यस्ततम हवाई अड्डा है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करता है। डायल द्वारा अतिरिक्त स्लॉट आवंटन यह दर्शाता है कि हवाई अड्डा विदेशी एयरलाइनों को समर्थन देने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की निरंतरता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से विवाद निपटान प्रणाली को सक्रिय करने का आह्वान किया

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा

नई दिल्ली। कैमरून के याओन्डे में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से सक्रिय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा अपीलीय निकाय में नियुक्तियों में बाधा डालने के कारण यह प्रणाली 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है। मंत्री ने इसे स्वचालित और बाध्यकारी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि 1998 से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की डब्ल्यूटीओ सहमति को लेकर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके दायरे और संभावित राजस्व प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ही स्थगन को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मंत्री ने जोर दिया कि डब्ल्यूटीओ सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से होने चाहिए। उन्हें विकास, समानता और गैर-भेदभाव जैसे मूलभूत सिद्धांतों के पालन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। गोयल ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान लंबित मुद्दे हैं और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाना चाहिए। उन्होंने मछली पकड़ने के लिए व्यापक सब्सिडी समझौते* पर चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया, जो गरीब मछुआरों की आजीविका सुरक्षित रखे और संसाधनों के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करे। गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ को वैश्विक व्यापार का केंद्र बनाए रखना जरूरी है। सुधारों का लक्ष्य जवाबदेही बढ़ाना, विकास और समावेश को बढ़ावा देना, और गरीब व कमजोर देशों के हितों की रक्षा करना होना चाहिए। चार दिवसीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर, रुपया टूटा, 94 प्रति डॉलर के पार पहुंचा

महंगे कच्चे तेल और बढ़ती डॉलर मांग ने भारतीय मुद्रा पर बढ़ाया दबाव

मुंबई।

मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है। शुक्रवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.1575 प्रति डॉलर तक गिर गया, जो इससे पहले के 93.98 के रिकॉर्ड स्तर से भी नीचे है। पिछले कुछ हफ्तों में रुपया करीब 3.5 फीसदी तक कमजोर हो चुका है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बनी हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इस स्थिति से सीधे प्रभावित हो रहा है। तेल महंगा होने पर भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसका असर सिर्फ मुद्रा तक सीमित नहीं है। वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और बॉन्ड यील्ड में तेजी से निवेशकों की चिंता बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं।

वहीं, कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो रुपया 98 प्रति डॉलर

तक भी जा सकता है।

यह संकट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है, जिसका असर आम लोगों की जेब पर भी साफ दिखाई दे सकता है।

शेयर बाजार में उथल-पुथल के बीच राइट्स इश्यू ने क्यूआईपी को पीछे छोड़ा

राइट्स इश्यू की संख्या कई दशक के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 में शेयर बाजार में अस्थिरता के चलते कंपनियों ने पूंजी जुटाने के तरीके बदल दिए। इस साल राइट्स इश्यू की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा बढ़कर 51 हो गई, जो वित्त वर्ष 1997 के बाद सबसे अधिक है। कंपनियों ने इन निर्गमों से लगभग 44,290 करोड़ रुपए जुटाए। प्रमुख राइट्स इश्यू में अदाणी एंटरप्राइजेज ने 24,930 करोड़ रुपए और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा फाइनैंशियल सर्विसेज ने 3,000 करोड़ रुपए जुटाए। इसके विपरीत क्यूआईपी निर्गम में तेज गिरावट आई। वित्त वर्ष 2026 में 29 फर्मों ने क्यूआईपी के माध्यम से 62,954 करोड़ रुपए जुटाए, जबकि पिछले साल 85 फर्मों ने 1.31 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। गिरावट के पीछे बाजार में अस्थिरता और निवेशकों की कम रुचि प्रमुख कारण मानी जा रही है। निवेश बैंकरों का कहना है कि अमेरिकी शुल्क, वैश्विक तनाव और तेल की बढ़ी कीमतों के कारण निवेशकों की दिलचस्पी कम हो गई। इक्विरस कैपिटल के भावेश ए शाह के अनुसार, क्यूआईपी बाहरी निवेशकों पर निर्भर करता है, जो बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। वहीं राइट्स इश्यू में मौजूदा शेयरधारकों से पूंजी जुटाई जाती है, जिससे अस्थिर बाजार में यह अधिक व्यवहारिक बन जाता है। सेबी ने राइट्स इश्यू की प्रक्रिया को सरल बनाया है। अब बोर्ड की मंजूरी के बाद निर्गम 23 कार्यदिवस में लाया जा सकता है, मसौदा पत्र जमा करने की जरूरत नहीं और मर्चेंट बैंकर नियुक्त करने की

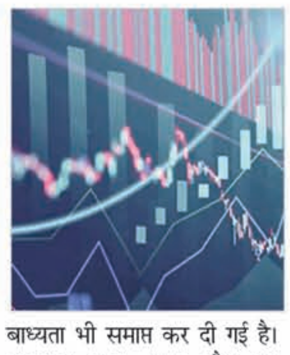

बाध्यता भी समाप्त कर दी गई है। राइट्स इश्यू आम तौर पर शेयरधारकों को रियायती दर पर शेयर उपलब्ध कराता है, जिससे निवेशकों को लाभ होता है।

ओला इलेक्ट्रिक ने लॉन्च किया एस1 एक्स स्कूटर, कीमत 9,999 रुपए से

नई दिल्ली।

ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए 'एंड आईसीई एज' अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत कंपनी अपने एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट-घंटा) मॉडल की शुरुआती कीमत केवल 49,999 रुपये रख रही है। इसके अलावा पूरे उत्पाद समूह पर 50,000 रुपये तक के लाभ भी मिलेंगे, जो 31 मार्च, 2026 तक मान्य होंगे। ओला इलेक्ट्रिक ने ग्राहकों के लिए सेवा और भरोसे के कई उपाय किए हैं। अब सभी एस1 स्कूटर और रोडस्टर मोटरसाइकिल पर 8 साल की विस्तारित वारंटी दी जाएगी। इसके साथ ही तय समय के भीतर सेवा, खरीद वापसी गारंटी और यदि सेवा में देरी होती है तो फ्री टैक्सी सुविधा भी उपलब्ध होगी। कंपनी का कहना है कि यह पहल ग्राहकों को लंबी अवधि तक सुविधा और भरोसा देती है। ओला इलेक्ट्रिक के एक अे धिकारी के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को फिर से उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना होगा। 'एंड आईसीई एज' अभियान का उद्देश्य ग्राहकों को किफायती कीमत, भरोसेमंद सेवा और भविष्य में आसान बदलाव के साथ इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

पश्चिम एशिया संकट भारत में एमएसएमई को कर्ज भुगतान में मोहलत की संभावना

नकदी प्रवाह पर असर, बैंकिंग क्षेत्र ने सुझाव दिया राहत

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर भारत समेत दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर दिख रहा है। ऐसे समय में बैंकरों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि नकदी प्रवाह में आई अड़चन से निपटने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) और मझोले आकार की कंपनियों को कर्ज भुगतान में अस्थायी मोहलत दी जाए। बैंकरों का कहना है कि इससे कंपनियों की संपत्ति की गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित ढांचा स्वेच्छा पर आधारित होगा, यानी कर्जदार अपने आप राहत का लाभ उठा सकेंगे। कोविड-19 महामारी के दौरान भी इस तरह की व्यवस्था लागू की गई थी, जिससे कारोबारों को नकदी प्रवाह में आई रुकावट का सामना करने में मदद मिली थी। अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहता है तो इसी तरह की राहत पर फिर विचार किया जा सकता है।

सरकारी बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार गुजरात के मोरबी में सिरेमिक क्लस्टर पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है, क्योंकि टाइल निर्माण पूरी तरह गैस पर निर्भर है।

इसके अलावा कांच उद्योग, खासकर चूड़ियां बनाने वाले उद्योग और पश्चिम एशिया पर निर्भर चावल निर्यातक प्रभावित हो रहे हैं।

उर्वरक उद्योग को भी वैश्विक संकट के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। आरबीआई और केंद्र सरकार इस विशेष स्थिति का मूल्यांकन कर रहे हैं। बैंकिंग नियामक ने बैंकों से संकट प्रभावित उद्योगों में उनके निवेश का आंकड़ा मांगा है।

अधिकारी ने कहा कि अगर हालात लंबे समय तक बने रहते हैं

तो कर्जदारों को एक-दो महीने या स्थिति सामान्य होने तक राहत दी जा सकती है।

गोल्डमैन सैक्स ने निफ्टी-50 का टारगेट घटाकर 25,300 किया

भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए

नई दिल्ली।
अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेस कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने भारत के शेयर बाजार पर अपनी राय बदल दी है। कंपनी ने भारत को पहले ओवरवेट से बदलकर मार्केटवेट कर दिया है। निफ्टी 50 का 12 महीने का टारगेट 29,500 से घटाकर 25,300 कर दिया गया है। इस बदलाव का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में चल रहा इजराइल-ईरान संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल की सप्लाई पर असर है। इसके चलते तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि की आशंका बढ़ गई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए महंगी साबित होगी। गोल्डमैन सैक्स ने भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए हैं। 2026 के लिए अर्निंग्स ग्रोथ 16 फीसदी से घटकर 8 फीसदी रह गई है, जबकि 2027 के लिए यह 14 फीसदी से घटकर 13 फीसदी रह गया है। इसके अलावा भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 5.9 फीसदी किया गया है। महंगाई में 70 बेसिस पॉइंट का इजाफा और करंट अकाउंट डेफिसिट 2 फीसदी जीडीपी तक बढ़ने का अंदेशा है। रुपये पर दबाव और संभावित 50 बेसिस पॉइंट की दर वृद्धि भी बाजार पर असर डाल सकती है। सितंबर 2024 के बाद से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 42 बिलियन डॉलर निकाले हैं। कमाई में कटौती और एआई से जुड़े जोखिम के कारण, गोल्डमैन का मानना है कि विदेशी निवेशक जल्दी वापस नहीं आएंगे। कंपनी ने कुछ सेक्टर्स को पॉजिटिव माना है जैसे बैंक, स्टेपल्स, टेलीकॉम, डिफेंस और एनर्जी। घरेलू साइक्लिकल सेक्टर्स जैसे ड्यूरेबल्स, ऑटो और एनबीएफसीएस को मार्केटवेट किया गया है, जबकि ओएमसी को अंडरवेट कर दिया गया है। गोल्डमैन सैक्स का यह डाउनग्रेड बाजार को सतर्क करने का संकेत है। बढ़ते तेल दाम, महंगाई और कमजोर विदेशी निवेश प्रवाह से निकट अवधि में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकते हैं। निवेशकों को अपनी रिसर्च और विशेषज्ञ सलाह के आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए।

अल्ट्राटेक और जेपीएस विवाद खत्म, अडानी समूह को मिली राहत

10 साल से चले आ रहे पुराने विवाद का हुआ अंत

नई दिल्ली।

दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के हाथों में जेपी एसोसिएट्स (जेपीएएल) आने के बाद 10 साल से चले आ रहे विवाद का अंत हो गया है। अल्ट्राटेक सीमेंट और जेपीएस के बीच उत्तर प्रदेश की डल्ले ला सुपर यूनिट और संबंधित खानों को लेकर विवाद का समाधान आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट के जरिए हुआ। इस फैसले से तीनों पक्षों को लाभ हुआ है। विवाद 2016 में शुरू हुआ, जब अल्ट्राटेक ने यूपी की डल्ले ला सुपर यूनिट और उसकी खानों को खरीदने के लिए जेपीएस से सौदा किया। डील के तहत यूपी, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में स्थित 6 प्लांट और 5 ग्राइंड यूनिट बेची गई। कुल डील की वैल्यू 16,189 करोड़ रुपये थी। अल्ट्राटेक ने डल्ले ला सुपर यूनिट और खानों के लिए जेपीएस को 1 लाख तरजीही शेयर जारी किए, जिनकी कुल कीमत 1,000 करोड़ रुपये थी। ये शेयर एसक्रो अकाउंट में रखे गए और कुछ शर्तें पूरी होने पर ही रिडीम हो सकते थे। विवाद का कारण रिडेम्पशन में देरी और अप्रूवल पेंडिंग शर्त थी। अल्ट्राटेक ने बताया कि 26 मार्च, 2026 को मध्यस्थता और अंतिम निर्णय के बाद डल्ले ला सुपर

यूनिट और खानों में सभी अधिकार अल्ट्राटेक को मिल गए। इससे जुड़े सभी दावे, आय और जिम्मेदारियां समाप्त हो गई हैं। अब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर रिडीम किए गए और एसक्रो अकाउंट के जरिए सीधे कर्जदाताओं को पैसा मिलेगा। जेपीएस की खरीद के लिए अडानी समूह ने 14,535 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, जिसे एनसीएलटी ने मंजूरी दी। विवाद सुलझने के बाद अडानी समूह पर 1,000 करोड़ रुपये का कैश आउटफ्लो कम हुआ। हालांकि, अल्ट्राटेक की बढ़ी ताकत अब सीमेंट बाजार में अडानी के लिए चुनौती भी बनेगी। अल्ट्राटेक को विवाद के समाधान से डल्ले ला सुपर यूनिट और खानों पर पूर्ण अधिकार मिला।

इससे कंपनी का उत्पादन बढ़ेगा और बाजार हिस्सेदारी मजबूत होगी। वहीं, अडानी समूह अपने मौजूदा प्लांट और अधिग्रहण के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल, एमसएक्स पर सोना 1,40,780 के पार

सोने 1200 रुपये महंगा, चांदी 4300 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसएक्स) पर सोना करीब 1,200 रुपए की बढ़त के साथ 1,40,780 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 4,300 रुपए चढ़कर 2,24,120 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में तेजी दर्ज की गई है, जहां सोना 1.26 फीसदी बढ़कर 4432.50 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 69.36 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने के दाम ऊंचे बने हुए हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपए और 22 कैरेट 1,32,640 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,540 रुपए और 22 कैरेट 1,32,490 रुपए के आसपास है। सराफा बाजार में चांदी का भाव लगभग 2,49,900 रुपए प्रति किलो दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, हालिया तेजी के पीछे कई कारण हैं।अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में असमंजस बना हुआ है। ऊंची ब्याज दरें सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती हैं, क्योंकि इसमें ब्याज नहीं मिलता।

इसके अलावा मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने भी सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी की मांग बढ़ाई है। साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपया कमजोर हुआ है, जिससे आयात महंगा हो गया और कीमतों पर असर पड़ा। आने वाले दिनों में वैश्विक संकेतों के आधार पर इनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

संक्षिप्त डायरी

गया जंक्शन पर मिलेगी वर्ल्ड क्लास फैसिलिटी

पटना (एजेंसी) गया जंक्शन पर लोगों को अब एयरपोर्ट जैसी सुविधा मिलने वाली है. इस स्टेशन को वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस किया जा रहा है. खास बात यह है कि यहां मॉडर्न कॉनकोर्स का निर्माण किया जा रहा है. यह सभी प्लेटफॉर्म को आपस में जोड़ेगा. : बिहार के गया जंक्शन पर जल्द ही यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं मिलने वाली हैं. यहां एयरपोर्ट की तरह मॉडर्न कॉनकोर्स का निर्माण किया जा रहा है. इसके बनने से यात्रियों को खास सहूलियत मिल सकेगी. साथ ही गया जंक्शन के प्लेटफॉर्म आपस में जुड़ सकेंगे. यह कॉनकोर्स पूरी तरह से एयर कंडीशन्ड होगा. इसका डिजाइन भी मॉडर्न लाउज की तर्ज पर तैयार किया जाएगा. यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं जानकारी के मुताबिक, यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट, सीढ़ियां और एस्केलेटर को भी तैयार किया जा रहा है. कॉनकोर्स की लंबाई लगभग 85 मीटर और चौड़ाई करीब 80 मीटर होगी. यह एक मॉडर्न कंफर्टेबल वेटिंग जोन होगा, जहां यात्री आराम से बैठकर अपनी ट्रेन के आने का इंतजार कर सकेंगे. भीड़भाड़ की परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी. इतना ही नहीं, एक ही जगह पर सभी सुविधाएं मिलने की वजह से उन्हें कहीं भी भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी. दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए रहेगी व्यवस्था आम लोगों के साथ-साथ दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए भी अलग से व्यवस्था रहेगी. उन्हें किसी तरह की परेशानी ना झेलनी पड़े, इसे ध्यान में रखते हुए सुविधाओं को डेवलप किया जा रहा है. रेलवे की माने तो, इसके बनने से उन लोगों को खास सुविधा मिल सकेगी जिन्हें एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर बेहद कम समय में पहुंचना हो. कॉनकोर्स में साफ-सफाई को लेकर भी खास ध्यान रखा जाएगा. गया जंक्शन पर तैयार हो रहा कॉनकोर्स लोगों को अलग और बेहतर अनुभव देगा. क्या होता है कॉनकोर्स? रेलवे जंक्शन पर कॉनकोर्स एक बड़ा, खुला और अक्सर वातानुकूलित हॉल होता है, जो स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्मों को ऊपर से जोड़ता है. यह यात्रियों के लिए एक मॉडर्न की तरह होता है, जहां से वे आसानी से अपने प्लेटफॉर्म पर जा सकते हैं. भीड़ भी कम होती है और एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं (शॉपिंग, फूड कोर्ट, वेटिंग एरिया) मिलती हैं.

बिहार में गांवों की 10 हजार 337 किमी लंबी सड़क की सतह बनकर तैयार

पटना (एजेंसी) बिहार के ग्रामीण इलाकों में रोड बनाए जा रहे हैं. गांव और शहर के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है. अब तक लगभग 10 हजार 337 किलोमीटर लंबी गांव इलाके की सड़कों की सतह बनकर तैयार हो गई है. बिहार के ग्रामीण इलाकों में सड़कों की तस्वीर बदलने वाली है. करीब 10 हजार 337 किलोमीटर लंबाई में ग्रामीण सड़कों की सतह बनकर तैयार हो गई. लगभग 30 हजार 843 किलोमीटर लंबाई में निर्माण का लक्ष्य है. यह निर्माण ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है. इस कार्यक्रम के तहत राज्य में टोटल 18 हजार 19 ग्रामीण सड़कों को बेहतर करने की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है. किस जिले में कितनी लंबी बन रही सड़क? ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से कराए जा रहे निर्माण कार्य के तहत समस्तीपुर जिले में सबसे ज्यादा 733 किलोमीटर लंबाई में ग्रामीण सड़कों का सतह बन कर तैयार हो चुका है. इसके अलावा मिथिलांचल के मधुबनी जिले में 670 किलोमीटर, मुजफ्फरपुर में 530 किलोमीटर और पूर्वी चंपारण में 483 किलोमीटर लंबाई में ग्रामीण सड़कों की सतह बनाई जा चुकी है. गड्ढा-मुक्त और मजबूत राइडिंग क्वालिटी वाली इन सड़कों की बदौलत अब बारिश के दिनों में भी यातायात को लेकर कोई परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी. किस योजना के तहत बन रही सड़क? राज्य के दूर गांवों, टोलों और बसावटों को राज्य के प्रमुख रास्तों से जोड़ने की दिशा में ग्रामीण कार्य विभाग ने सुलभ संपर्कता योजना की शुरूआत की है. राज्य के कई ऐसे गांव और टोले हैं, जहां से मुख्य सड़कों तक पहुंचने के लिए लोगों को पतले, घुमावदार या कच्चे रास्तों से होकर गुजरना पड़ता था.

बिहार के ट्रेनों में नहीं मिली जगह, तो बसें बनी लोगों की पसंद

पटना (एजेंसी) त्योहारों के सीजन में जब ट्रेनों में सीट मिलना मुश्किल हो गया, तब बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की बसें लोगों के लिए लाइफ लाइन बनी. होली और ईद के दौरान निगम की अंतरराज्यीय बसों में एक महीने में 73 हजार से ज्यादा यात्रियों ने सफर कर नया रिकॉर्ड बना दिया त्योहारों के सीजन में जब ट्रेनों में नो रूम का बोर्ड लग गया और कंफर्म टिकट के लिए मारामारी मची थी, तब बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की बसें प्रवासियों के लिए पहली पसंद बन गई. दिल्ली, पंजाब और हरियाणा से बिहार लौटने वाले लाखों कामगारों के लिए इस बार का सफर न सिर्फ आसान रहा, बल्कि बेहद किफायती भी. आंकड़ों की मानें तो पिछले एक महीने में बिहार की अंतरराज्यीय बसों ने सफलता का ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जिसने रेलवे की भीड़ को भी चुनौती दे दी. मुजफ्फरपुर-दिल्ली रूट ने मारी बाजी बिहार परिवहन निगम की 118 हाई-टेक एसी सीटर और स्लीपर बसों ने इस त्योहारी सीजन में कमाल कर दिया है. 23 फरवरी से 23 मार्च के बीच के आंकड़ों के अनुसार, इन बसों में कुल 73,000 से अधिक यात्रियों ने सफर किया. सबसे ज्यादा भीड़ दिल्ली-मुजफ्फरपुर रूट पर देखी गई, जहां अकेले 29 हजार से अधिक लोगों ने सरकारी बसों पर भरोसा जताया. इसके बाद दरभंगा-गुरुग्राम और गया-दिल्ली जैसे लंबे रूटों पर भी यात्रियों की संख्या हजारों में रही. इन बसों की ऑक्युपेंसी दर 94 प्रतिशत रही, जो इनकी जबरदस्त लोकप्रियता को दशार्ती है.

बिहार में 2.37 लाख लोगों का राशन कार्ड आधार लिंक बाकी

पटना (एजेंसी) : बिहार में अभी भी 2.37 लाख लोगों का राशन कार्ड आधार से लिंक नहीं हो पाया है. सरकार ने साफ कर दिया है कि 31 मार्च 2026 तक ई-केवाईसी और आधार लिंकिंग अनिवार्य है, वरना पीडीएस दुकानों से मिलने वाला राशन बंद हो सकता है. : बिहार सरकार ने आधार लिंकिंग की डेडलाइन 31 मार्च तय की है. इसके बाद केवल उन्हीं लाभार्थियों को राशन मिलेगा, जिनका आधार वेरिफिकेशन पूरा होगा. ऐसे में लाखों लोगों के लिए समय कम बचा है और अगर जल्द प्रक्रिया पूरी नहीं की गई, तो मुफ्त अनाज का लाभ मिलना बंद हो सकता है. केवासी और आधार कार्ड क्यों जरूरी? सरकार का मकसद सिस्टम को पारदर्शी बनाना और फर्जी राशन-कार्ड को हटाना है. इसी वजह से राशन कार्ड धारकों का ई-केवाईसी और आधार से लिंकिंग किया जा रहा है . यदि जांच के दौरान कोई जानकारी गलत निकलती है, तो उस कार्ड को तुरंत रद्द कर दिया जाएगा. 2.37 लाख लोग अब भी बाकी बिहार के कई जिलों में अभी बड़ी संख्या में लोग अब भी आधार लिंक नहीं करा पाए हैं. विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए पीडीएस दुकानदारों को कहा है कि वे लाभार्थियों को जागरूक करें और जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी कराएं. सभी पीडीएस दुकानदारों को निर्देश दिया गया है कि वो अपने क्षेत्र के लाभार्थियों को आधार लिंकिंग करें. साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि बिना वेरिफिकेशन के किसी को राशन न दिया जाए. कैसे कराएं केवाईसी और लिंकिंग राशन कार्ड को आधार से जोड़ने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सभी जन वितरण प्रणाली केंद्रों पर विशेष व्यवस्था की गई है.

30 मार्च से पहले नीतीश कुमार का इस्तीफा तय, निशांत कुमार ने संभाली कमान

विधान परिषद छोड़ केंद्र की राजनीति की ओर नीतीश के कदम, कल की बैठक में बनेगा 'मास्टर प्लान'

पटना (एजेंसी) CM हाउस में NDA की अहम बैठक से बिहार की राजनीति गरमाई. 30 मार्च से पहले नीतीश कुमार इस्तीफा देना तय है. इससे पहले पावर शिफ्ट की कवायद शुरू हो गई है. : जैसे-जैसे 30 मार्च की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे बिहार की राजनीति में नए करवट देखने को मिल रहे हैं. नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार तेजी से पिता की जिम्मेदारियों को संभालने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं. इसी चरण में आज राजनीतिक गलियारों से एक और खबर छनकर आ रही है. नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने कल सीएम हाउस में एक बड़ी बैठक बुलाई है. सोमवार को सीएम नीतीश देंगे इस्तीफा? ये बैठक काफी अहम मानी जा रही है. प्रभात खबर डॉट कॉम ने अपने पाठकों को इस बात की सूचना पहले भी दी थी कि नीतीश कुमार 30 मार्च तक बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देंगे. ताकि राज्यसभा की सदस्यता बरकरार रहे. ऐसे में बिहार विधान परिषद से इस्तीफे में बहुत कम वक्त बचा है. आज 27 मार्च हो चुके हैं. आज शुक्रवार है. यदि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज कल यानी शनिवार को विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा नहीं देते तो उन्हें 30 मार्च को को हर हाल में इस्तीफा देना होगा. क्योंकि 29 मार्च को रविवार है और रविवार को विधानसभा में अवकाश होता है. CM हाउस में कल होगी फाइनल मीटिंगऐसे में माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे की तैयारी शुरू हो गई है. इसके लिए निशांत अपनी कमर कसते नजर आ रहे है. लिहाजा कल यानी शनिवार को निशांत कुमार ने जो बैठक बुलाई है उसमें NDA के तमाम बड़े नेताओं को शामिल किया जा रहा है. इस्तीफे से पहले NDA बनाएगा मास्टर प्लान? माना जा रहा है कि इस बैठक में नीतीश कुमार के इस्तीफे और उसके बाद क्या किया जाता है, उस पर बड़े निर्णय लिए जाएंगे. मिल रही जानकारी के अनुसार इस बैठक में निशांत कुमार पार्टी के तमाम बड़े नेताओं के साथ भी आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे. दो चरणों में राज यसभा जाएंगी नीतीश नीतीश कुमार दो चरणों में बिहार की राजनीति से केंद्र की राजनीति की ओर बढ़ेंगे. पहला चरण विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा होगा. दूसरा चरण न अप्रैल से पहले बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यसभा जाना होने वाला है.

बिहार में अगले तीन दिनों तक चलेगा आंधी-बारिश का दौर

पटना (एजेंसी) बिहार में अगले तीन दिनों तक आंधी और बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग ने 28 मार्च को 12 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. जबकि 20 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है. बिहार में आज से मौसम बिगड़ सकता है. मौसम विभाग ने कुछ जिलों में ऑरेंज और कुछ जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है. इस दौरान बारिश, ठनका गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना भी जताई है. यह भी पूवार्नुमान लगाया गया है कि अगले तीन दिनों तक मौसम का मिजाज उनमें सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, खगड़िया, भागलपुर, कटिहार, मुंगेर, जमुई और बांका शामिल है. जबकि जिन 20 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया, उनमें पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सीवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, पटना, जहानाबाद, शेखपुरा, नालंदा, लखीसराय, गया और नवादा शामिल है. बिहार में अगले तीन दिनों तक कैसा रहेगा मौसम? मौसम वैज्ञानिकों की माने तो, बिहार के जिलों में अगले तीन दिनों तक मौसम बदला हुआ रह सकता है. नए पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने की वजह से आंधी-बारिश का दौर जारी रह सकता है. कोसी, सीमांचल, पूर्वी और उत्तर बिहार के कुछ जिलों में शनिवार और रविवार को भी चेतावनी जारी की गई है. इसके अलावा कुछ जिलों में बादलों की आवाजाही जारी रह सकती है, जिसकी वजह से तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकेगी. पिछले 24 घंटे में कैसा रहा तापमान? पिछले कुछ दिनों से बारिश और आंधी की गतिविधि नहीं होने की वजह से काफी गर्मी झेलना पड़ रहा. गुरुवार को कई जिलों का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. 24 घंटे में सबसे गर्म जिला रोहतास जिले का बिक्रमगंज रहा, यहां का तापमान 37.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. गयाजी में 36.2, पटना में 35.2, शेखपुरा में 36.8 और सीवान में 35 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया.

भागलपुर में बनेगा नया रेल बाईपास, भीड़भाड़ की झंझट होगी खत्म, जानिए लागत

पटना (एजेंसी) भागलपुर जिले में नया रेल बाईपास बनाने की मंजूरी दे दी गई है. इसके बनने से लोगों को भीड़भाड़ नहीं झेलना पड़ेगा. साथ ही यात्रियों को आसान और तेज रेल सफर का एक्सपीरियंस मिल सकेगा. भागलपुर में रोड के साथ-साथ रेल कनेक्टिविटी को भी मजबूत किया जा रहा है. सोशल मीडिया पर उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए कहा, यह भागलपुर जिले के लोगों के लिए बड़ा तोहफा है. काफी लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी. कितनी होगी रेल लाइन की लंबाई? जानकारी के मुताबिक, सबौर से गोनूधाम के बीच रेल लाइन बनाई जाएगी. इस रेल लाइन की लंबाई लगभग 13.38 किलोमीटर होगी. यह रेल लाइन गोनूधाम हाल्ट को सबौर स्टेशन से जोड़ेगी. अभी यह भागलपुर-साहिबगंज रेल लाइन का हिस्सा है. रेल लाइन के निर्माण में लगभग 303.20 करोड़ रुपए खर्च किए जाने की संभावना जताई जा रही है. लोगों को मिलेगा ये फायदा नए बाईपास के बनने से लोगों को सहूलियत मिल सकेगी. सबसे ज्यादा यह फायदा होगा कि लोगों को भीड़भाड़ की समस्या नहीं झेलनी पड़ेगी. ट्रेनों की आवाजाही भी आसान हो सकेगी.परियोजनाओं पर काम भागलपुर जिले में कई विकास योजनाओं से जुड़े प्रोजेक्ट पर काम किए जा रहे हैं. पिछले दिनों शहर के बीचोबीच फोरलेन सड़क बनाने की भी खबर थी. लोहियापुल से होकर अलीगंज बायपास तक फोरलेन सड़क बनाई जाएगी, जिसकी लंबाई लगभग 4 किलोमीटर की होगी. इसके अलावा भागलपुर-हंसडीहा फोरलेन परियोजना के तहत ढाका मोड़ से भलजोर के बीच बनने वाली सड़क के लिए 28 अप्रैल को टेंडर खोला जाएगा. इस तरह से अन्य परियोजनाओं पर भी काम किया जा रहा है.

पटना में 55 जगहों से निकलेगी शोभायात्रा, अरुण गोविल बनेंगे राम, मनोज तिवारी भी होंगे शामिल

पटना (एजेंसी) पटना में रामनवमी इस बार बेहद खास और भव्य होने जा रही है. राजधानी के 55 स्थानों से शोभायात्राएं निकलेंगी, जिसमें रामायण के राम अरुण गोविल और सांसद-गायक मनोज तिवारी खास आकर्षण होंगे. रामनवमी के पावन अवसर पर पूरा शहर केसरिया ध्वजों और रोशनी से नहाया हुआ है. इस वर्ष की शोभायात्रा न केवल भव्य होगी, बल्कि रामायण सीरियल के प्रसिद्ध अभिनेता अरुण गोविल की मौजूदगी इसे यादगार बना देगी. श्री श्री रामनवमी शोभायात्रा अभिनंदन समिति द्वारा आयोजित इस महोत्सव में इस बार 55 अलग-अलग स्थानों से झांकियां निकलेंगी, जो पटना के दय स्थल डाकबंगला चौराहे (श्रीराम चौक) पर मिलेंगी. मुंबई का बैंड और काशी की गंगा आरती इस बार की शोभायात्रा में मनोरंजन और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा. बीजेपी के वरिष्ठ नेता और आयोजन समिति के संयोजक नितिन नवीन के अनुसार, मुख्य मंच पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई दिग्गज हस्तियां मौजूद रहेंगी. आकर्षण का केंद्र मुंबई से आई विशेष बैंड पार्टी और झारखंड की प्रसिद्ध नृत्य मंडली होगी. यही नहीं, काशी के विद्वानों द्वारा की जाने वाली भव्य गंगा आरती की टीम और सिख समुदाय के निहंगों का शौर्य प्रदर्शन भी श्रद्धालुओं का मन मोह लेगा. 16 सालों में बदली पटना की रामनवमी पटना में रामनवमी शोभायात्रा का इतिहास अब काफी समृद्ध हो गया है. साल 2011 में महज आठ झांकियों और 20 हजार रुपये के बजट से शुरू हुई यह परंपरा आज विशाल वटवृक्ष बन चुकी है. इस वर्ष आयोजन का बजट 90 लाख रुपये से अधिक आंका गया है. हजारीबाग की तर्ज पर शुरू हुई इस झांकी परंपरा में पिछले 16 वर्षों में काफी बदलाव आया है. आज यह आयोजन न केवल धार्मिक है, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक एकता और भव्यता का प्रतीक बन चुका है. मनोज तिवारी के भजनों से झूमेगी राजधानी सांसद और अभिनेता मनोज तिवारी इस बार विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और अपने प्रभु श्रीराम के भजनों से भक्तों को भक्ति भाव में सराबोर करेंगे. डाकबंगला चौराहे से लेकर स्टेशन गोलंबर तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. शाम 5 बजे के बाद बेली रोड से आयकर गोलंबर की ओर वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा. झांकियों के निकलने के समय ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों का नक्शा जारी किया है ताकि आम जनता को असुविधा न हो.

बिहार में दो भतीजे और एक भतीजी की हत्या कर चाचा ने खुद का भी रेता गला, 15 दिनों से चल रहा था विवाद

पटना (एजेंसी) बिहार के औरंगाबाद में दर्दनाक घटना को अंजाम दिया गया. चाचा ने दो मासूम भतीजों और एक भतीजी की गला काटकर हत्या कर दी. इसके बाद उसने खुद का भी गला रेत डाला. मामला घरेलू विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है. औरंगाबाद के हसपुरा थाना इलाके के खुटहन गांव में एक चाचा ने अपने दो मासूम भतीजे और एक भतीजी की गला काटकर हत्या कर दी. इसके बाद चाचा ने खुद अपना भी गला रेत लिया. तीनों मासूमों की जान चली गई जबकि चाचा की हालत गंभीर बनी हुई है. इस घटना में मृतकों की पहचान भी कर ली गई है. मृतकों में आयुष राज (12 साल), अनिश कुमार (8 साल) और अनुष्का कुमारी (3 साल) शामिल है. तीनों के पिता का नाम गुड्डू कुमार भगत है. हत्यारे चाचा की पहचान अमन कुमार (18 साल) के रूप हुई है. मामला घरेलू विवाद का बताया जा रहा है. 15 दिनों से चल रहा था घरेलू विवाद सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, 15 दिनों से घर में किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था,मामले को लेकर एसडीपीओ ने क्या कहा? घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी. एसडीपीओ अशोक कुमार दास ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए बताया कि बच्चों की हत्या धारदार हथियार से गला रेतकर की गई है. उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, पुलिस हर एक एंगल से जांच-पड़ताल कर रही है. क्या कहना है स्थानीय लोगों का? इस वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल है. स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी का व्यवहार पहले से ही संदिग्ध और असामान्य था. पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. पुलिस प्रशासन जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा कर रहा है.

पटना में शाम 5 बजे से इन रास्तों पर नो एंट्री, घर से निकलने से पहले देखें ट्रैफिक

पटना (एजेंसी) रामनवमी के अवसर पर पटना में निकलने वाली भव्य शोभा यात्रा को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने सख्त एडवाइजरी जारी की है. 27 मार्च को शाम 5 बजे के बाद शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों का आवाजाही बंद रहेगा. आज रामनवमी के पावन अवसर पर भव्य शोभा यात्रा और आकर्षक झांकियों के स्वागत के लिए शहर सज चुका है. पटना ट्रैफिक पुलिस ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को देखते हुए शहर का पूरा नक्शा बदल दिया है. आज यानी 27 मार्च 2026 को शाम 5 बजे के बाद पटना के कई मुख्य मार्ग आम वाहनों के लिए पूरी तरह बंद रहेंगे. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सीसीटीवी से नजर रखी जाएगी. शोभा यात्रा के लिए खास ट्रैफिक प्लान प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जुलूस के दौरान सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए कई मुख्य मार्गों पर प्रतिबंध लगाया जाएगा. पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से पूरी हो सके. इन रास्तों पर लगा रेड सिग्नल शाम के वक्त शोभा यात्रा का मुख्य हिस्सा शहर की सड़कों पर उतरेगा, बेली रोड और बोरिंग रोड क्रॉसिंग से आयकर गोलंबर की ओर जाने वाले सभी रास्तों को ब्लॉक कर दिया जाएगा. झांकी आगमन के दौरान इस पूरे स्ट्रेच पर किसी भी प्रकार के निजी या व्यावसायिक वाहन का परिचालन वर्जित रहेगा. यदि आपको लोहिया चक्र से गांधी मैदान की ओर जाना है, तो भूलकर भी इनकम टैक्स गोलंबर वाला रास्ता न चुनें. इसके बजाय, प्रशासन ने वैकल्पिक मार्ग के तौर पर बोरिंग रोड और राजापुल होते हुए गंतव्य तक पहुंचने की सलाह दी है. स्टेशन और आर-ब्लॉक जाने वाले यात्री ध्यान दें ट्रेन पकड़ने या करबिगहिया की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए भी रूट में बड़ा बदलाव किया गया है. कि वे निजी कारों या बाइक के बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें. शोभा यात्रा के मार्ग पर भारी भीड़ के कारण कई जगह पैदल यात्रियों का दबाव अधिक रहेगा, इसलिए अनावश्यक रूप से प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश न करें. पुलिस ने साफ किया है कि यह डायवर्जन प्लान देर रात जुलूस संपन्न होने तक प्रभावी रहेगा. ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे जारी रूट डायवर्जन का पालन करें और प्रतिबंधित क्षेत्रों में जाने से बचें. पुलिस के निदेर्शों का पालन कर ही सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा सकती है.

बच्चों को नेपाल घुमाने ले गए 5 सरकारी शिक्षक नशे में गिरफ्तार, बॉर्डर पर खुल गई पोल

पटना (एजेंसी) बिहार के सुपौल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां छात्रों के साथ नेपाल भ्रमण पर गए 5 शिक्षक शराब के नशे में गिरफ्तार कर लिए गए. इंडो-नेपाल बॉर्डर के भीमनगर चेकपोस्ट पर जांच के दौरान यह खुलासा हुआ, जिसने शिक्षा व्यवस्था और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. : बिहार के सुपौल जिले के इंडो-नेपाल बॉर्डर पर भीमनगर चेकपोस्ट पर मध निषेध विभाग ने कार्रवाई करते हुए 5 सरकारी शिक्षकों को शराब के नशे में धुत गिरफ्तार किया है. यह गिरफ्तारी तब हुई जब ये शिक्षक मासूम छात्रों के साथ नेपाल से घूमकर लौट रहे थे. बिहार सरकार बच्चों को मुख्यमंत्री बिहार दर्शन योजना के तहत ज्ञानवर्धन के लिए शैक्षणिक भ्रमण पर भेज रही है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं बच्चों के मार्गदर्शक और रक्षक यानी शिक्षक खुद मयार्दा की सीमा पार कर गए. नेपाल टूर से लौटते वक्त पकड़े गए शिक्षक घटना शुक्रवार की है, जब मधेपुरा और खगड़िया जिले के ये शिक्षक बच्चों को नेपाल के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराकर वापस बिहार लौट रहे थे. भीमनगर चेकपोस्ट पर तैनात मध निषेध विभाग की टीम रूटीन चेकिंग कर रही थी. जैसे ही शिक्षकों का दल बॉर्डर पार कर भारतीय सीमा में दाखिल हुआ, अधिकारियों को उनकी हरकतों पर शक हुआ. जब उनकी जांच की गई और ब्रेथ एनालाइजर मशीन का उपयोग हुआ, तो मशीन की रीडिंग ने अधिकारियों के होश उड़ा दिए. सभी पांचों शिक्षक शराब के नशे में पाए गए. कौन हैं ये दागी शिक्षक? गिरफ्तार किए गए शिक्षकों की पहचान मधेपुरा और खगड़िया जिले के रूप में हुई है. इनमें मधेपुरा के कुमारखंड प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिहारी के तीन शिक्षक– दीपनारायण राम, इंग्लिश कुमार और धीरेन्द्र कुमार शामिल हैं. इनके अलावा सिवंश कुमार उर्फ शक्ति शामन और मिठू कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है. आरोप है कि बच्चों को ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी देने के बजाय, इन शिक्षकों ने नेपाल की वादियों में शराब का सेवन किया और नशे की हालत में ही बच्चों के साथ सफर तय कर रहे थे, जिससे छात्रों की सुरक्षा पर भी बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। अब नौकरी पर मंडराया संकट सुपौल के जिलाधिकारी सावन कुमार ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया है और स्पष्ट किया है कि गिरफ्तार शिक्षकों के खिलाफ सस्पेंशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. मधेपुरा के जिलाधिकारी अभिषेक रंजन ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है. इन शिक्षकों पर न केवल मद्य निषेध कानून के तहत केस चलेगा, बल्कि उनकी सेवा समाप्ति तक की नौबत आ सकती है.

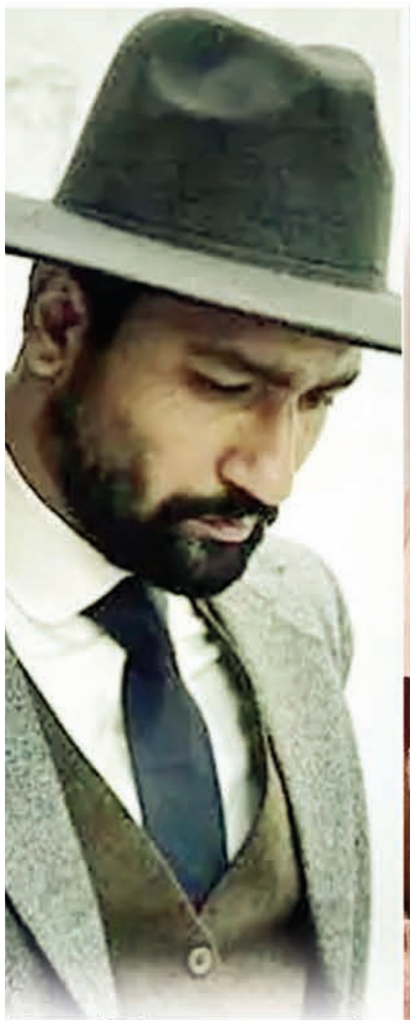

साउथ सुपरस्टार धनुष के ड्रीम प्रोजेक्ट में विक्की कौशल की एंट्री

साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक एस. शंकर के ड्रीम प्रोजेक्ट 'वेलपरी' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा बजट फिल्म में अब रणवीर सिंह की जगह विक्की कौशल नजर आ सकते हैं। फिल्म में साउथ सुपरस्टार धनुष पहले से ही अहम भूमिका में बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'वेलपरी' में दूसरे लीड रोल के लिए पहले रणवीर सिंह का नाम चर्चा में था। हालांकि अब वलाई पेचु की एक रिपोर्ट के अनुसार मेकर्स इस किरदार के लिए विक्की कौशल से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।
बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी प्रसिद्ध तमिल उपन्यास 'वीर युग नायकन वेल परी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु. वेंकटेशन ने लिखा है। यह कहानी प्राचीन तमिलनाडु के प्रसिद्ध और उदार शासक वेलपरी के जीवन पर आधारित मानी जाती है। फिल्म को बड़े स्तर पर ऐतिहासिक ड्रामा के रूप में बनाने की तैयारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक शंकर इस प्रोजेक्ट को लंबे समय से बनाना चाहते थे और इसे अपना ड्रीम प्रोजेक्ट मानते हैं। खबर यह भी है कि फिल्म के लिए धनुष से लंबी डेट्स मांगी गई हैं क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर शूट करने की योजना है। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार होता है, तो दर्शकों को पहली बार बड़े पर्दे पर धनुष और विक्की कौशल की नई जोड़ी देखने को मिल सकती है। वहीं रणवीर सिंह का नाम फिलहाल इस प्रोजेक्ट से बाहर बताया जा रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो धनुष आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। वहीं विक्की कौशल भी कई फिल्मों में व्यस्त हैं और उनकी परफॉर्मेंस को लेकर इंडस्ट्री में काफी चर्चा रहती है। फिलहाल 'वेलपरी' को लेकर मेकर्स की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। अगर विक्की कौशल इस फिल्म में शामिल होते हैं तो यह बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बीच एक और बड़ी कोलैबोरेशन मानी जाएगी।

पेद्दी के डांस नंबर में नजर आएंगी मृणाल ठाकुर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक खास डांस नंबर होगा। जिसमें यह अभिनेत्री जान्हवी और राम के साथ कैमियो भूमिका में नजर आएंगी।

'पेद्दी' में होगा डांस नंबर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक खास डांस गाना होगा। गुल्टे की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ एक स्पेशल डांस नंबर में दिख सकती हैं। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

'पेद्दी' की स्टार कास्ट

'पेद्दी' एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी गांव में होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। राम चरण हीरो हैं, जबकि जान्हवी कपूर उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू, बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी हैं। इसके निर्देशक बुची बाबू सना हैं। 'पेद्दी' का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है।

कब रिलीज होगी 'पेद्दी'

हाल ही में 'पेद्दी' का 'राय राय रा रा' नाम का दूसरा सिंगल रिलीज हुआ, जिसमें राम चरण के शानदार डांस मूव्स हैं। एआर रहमान ने इसे तेलुगु और तमिल दोनों में गाया है। 'पेद्दी' का एक्शन टीजर जल्द आने वाला है। हो सकता है कि 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन पर इसका खास टीजर रिलीज हो। फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

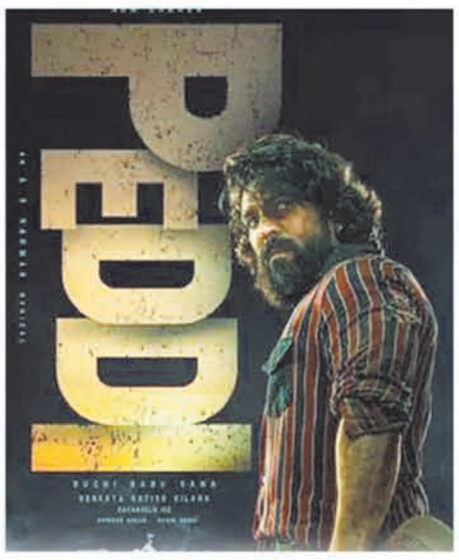

क्या 8 साल बाद अल्लू अर्जुन संग वापसी करेंगी अनुष्का शर्मा

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'जवान' फिल्म के डायरेक्टर एटली कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कई बड़े स्टार्स हैं, जिनमें दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। अब नई खबरों के अनुसार, अनुष्का शर्मा भी इस साइंस फिक्शन फिल्म में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बॉलीवुड की एक और बड़ी स्टार इस प्रोजेक्ट से जुड़ने वाली हैं। बताया जा रहा है कि वे फिल्म में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही हैं और अगर यह सच साबित होता है, तो यह उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अनुष्का शर्मा की आखिरी फिल्म

अनुष्का शर्मा आखिरी बार 2018 में शाहरुख खान और कटरीना कैफ के साथ आई फिल्म 'जीरो' में नजर आई थीं। तब से वो किसी लीड रोल में नजर नहीं आई हैं। यह बताना जरूरी है कि निर्माता के तौर पर काम करने के बाद से अनुष्का किसी भी एक्टिंग प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में नहीं हैं। वह 2022 में पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में काम करने वाली थीं।

अनुष्का की फिल्म टलने की आशंका

हालांकि, इसके टलने की आशंका है और यहां तक कि इसके बंद होने की भी अफवाहें हैं। अनुष्का शर्मा और उनके पति विराट कोहली फिलहाल अपने बेटे और बेटी के साथ लंदन में रहते हैं।

अल्लू अर्जुन के साथ ये एक्ट्रेसेस भी

फिल्म की बात करें तो, खबरों के मुताबिक इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर और रश्मिका मंदाना समेत कई फीमेल एक्टर्स नजर आ रही हैं। ऐसी भी चर्चा है कि रश्मिका मंदाना फिल्म में निगेटिव रोल कर सकती हैं। अल्लू अर्जुन भी फिल्म में कई किरदारों में नजर आएंगे।

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर द्वारा तैयार किया जाएगा। वहीं, एटली के साथ काम करने के बाद, अल्लू अर्जुन लोकेश कनगराज के साथ काम करेंगे, जिसमें मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध संगीत देंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है।

करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हुई जान्हवी कपूर

करण जौहर प्रोड्यूस कई फिल्मों में जान्हवी कपूर ने अभिनय किया है। लगता है कि अब वह अलग रास्ते पर चलना चाहती हैं कि यही वजह है कि हाल ही में वह करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई। हाल ही में बातचीत में करण जौहर कहते हैं, 'कुछ टैलेंट ऐसे होंगे जो हमारे पास आएंगे और चले जाएंगे। तीन बड़ी एजेंसियों के बीच हमेशा पासिंग द पार्सल जैसा खेल चलता रहता है।' करण जौहर ने यह भी बताया कि उनकी टैलेंट एजेंसी सबसे ज्यादा बिजनेस करती है।

क्या आगे जान्हवी कपूर के साथ काम करेंगे?

करण जौहर बातचीत में आगे कहते हैं, 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूं।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं।

जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्में कौन सी हैं?

करण जौहर की एजेंसी से अलग होने के बाद भी जान्हवी कपूर के पास बड़ी फिल्में हैं। वह जल्द ही साउथ एक्टर रामचरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। पिछले साल वह फिल्म 'परम सुंदरी' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं।

'सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी

इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।

फिल्म सेट पर सपने की तरह बीते 25 साल

साउथ में शिवाजी द बॉस, छत्रपति और पोक्किरी राजा जैसी सुपरहिट फिल्में हों या हिंदी की हिट दृश्यम फ्रेंचाइजी, ऐक्ट्रेस श्रिया सरन पिछले ढाई दशक से अपने दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज स्पेस जेनः चंद्रयान को लेकर चर्चा में हैं।

आपको ऐक्टिंग की दुनिया में 25 साल हो गए। पीछे मुड़कर देखती हैं तो क्या अहसास होता है?

यह सब एक सपने जैसा है। जब मैं इंडस्ट्री में आई थी तो लगा था कि ये एक फिल्म करूंगी और फिर वापस कॉलेज चली जाऊंगी, लेकिन एक फिल्म के बाद दूसरी, फिर तीसरी होती गई। मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मुझे ये मौका मिला क्योंकि जब मैंने काम शुरू किया था, तब इंटरनेट वगैरह नहीं था तो स्पॉट होना और काम मिलना इतना आसान नहीं था। उस पर जब मैंने काम शुरू किया था तो ऐक्टिंग के बारे में कुछ नहीं जानती थी। मैंने कहीं ऐक्टिंग नहीं सीखी थी, फिर भी इतने सारे डायरेक्टर्स ने मुझ पर विश्वास किया।

आपकी सीरीज में जब चंद्रयान 2 फेल होता है, तो वैज्ञानिकों के मन में खुद की प्रतिभा पर सवाल भी उठते हैं, कभी आप अपने करियर में सेल्फ डाउट के इस दौर से गुजरी हैं?

बहुत बार। कई बार ऐसा हुआ है कि मैं अपनी चॉइस पर सवाल कर रही होती हूं कि मैंने गलत किया, ये फिल्म नहीं करनी चाहिए थी, पर फिल्म हिट हो गई। ऐसा बहुत बार हुआ है। वहीं, कभी किसी फिल्म के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की और वो फिल्म नहीं चली, तब खुद की चॉइस पर शक होता है। आप वजहें ढूंढते हैं, पर समझ नहीं आता कि इतनी मेहनत की, फिर क्यों नहीं चली। आप उस किरदार के इतने प्यार में होते हैं कि लगता है कि उसके साथ गलत हुआ। मेरे साथ तो सेल्फ डाउट वाली स्थिति बहुत हुई है, लेकिन आप उससे लड़ते हैं, जीतते हैं और आपको अहसास होता है कि उससे आगे ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिसके लिए आपको शुक्रगुजार होना चाहिए। जो मौके आपको मिले, उसे लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

अपने लंबे करियर में आपने रजनीकांत, नागार्जुन, अजय देवगन जैसे दिग्गजों के साथ काम किया है। उनकी कोई ऐसी सलाह है, जो बहुत पते की लगी?

बिल्कुल, जब मैं रजनीकांत सर के साथ शिवाजी द बॉस कर रही थी तो वो मेरे लिए बहुत बड़ा मौका था। शंकर (डायरेक्टर) सर, रजनीकांत सर, एआर रहमान सर, सबके साथ काम करना बहुत बड़ी बात थी। हम गाना शूट कर रहे थे, मैंने सही स्टेप किया तो राजू सुंदरम, जो बेहतरीन कोरियोग्राफर हैं, उन्होंने बहुत ही कमाल की बात कही कि तुम ये फिल्म कर रही हो, ये फिल्म बड़ी हिट होगी।

आप ऐक्टिंग के डिमांडिंग प्रफेशन और 5 साल की बेटी राधा की मां की भूमिका के बीच तालमेल कैसे बैठाती हैं?

हम माएं अपने बच्चे के लिए सारी व्यस्तताओं के बावजूद वक्त निकाल ही लेती हैं। मैं शूट से दो का भी ब्रेक मिलता तो वक्त चुराकर राधा से मिल आती थी। बीच-बीच में फेसटाइम कर लेती हूं। यह समाज की सोच है कि औरतों से ही ऐसे सवाल होते हैं। हमेशा वर्किंग माओं से ही पूछा जाता है कि जब आप काम कर रही हैं तो बच्चे की देखभाल कौन करता है? आप काम पर कैसे आए हैं? घर पर कौन है? और अगर आप ये बोलें कि आज मैं आठ घंटे काम करना चाहती हूं, नौवें घंटे घर जाना चाहती हूं तो तो नौवें घंटे पर भी लोगों को दिक्कत होती है, तो आपको इन सब चीजों से डील करना पड़ता है, पर ठीक है यार। हमें इन चीजों को हल्के में लेना पड़ता है और मां होने को इंजॉय करना होता है। एक मां होने का अहसास अनमोल है। एक वर्किंग मां होना भी इंजॉय करना होता है।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

-पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगें आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है।

प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।

आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

स्क्वॉड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन। सिंह, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सनराइजर्स हैदराबाद: ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंडु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंगे, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रेन्स फुलेट्रा।

मुचोवा को हराकर गॉफ पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में, दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी होगा सामना

फ्लोरिडा (एजेंसी)। दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी कोको गॉफ पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंच गई हैं। नंबर 13 सीड कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर मियामी की रहने वाली यह खिलाड़ी अपने छठे डब्ल्यूटीए 1000 फ़ाइनल में पहुंचने के बाद, अपने 12वें WTA खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। शुरुआत में एक ब्रेक गंवाने के बाद, गॉफ ने आखिरी 13 में से 12 गेम जीतकर एक घंटे 20 मिनट में जीत हासिल की; इस जीत की ख़ास बात यह थी कि उन्होंने मुचोवा की सर्विस को छह बार ब्रेक किया।

अब वह चेक खिलाड़ी के खिलाफ छह मैचों में अजेय हैं और 2026 में दो बार उन्हें हरा चुकी हैं। गॉफ ने सीजन की अपनी शुरुआत के बारे में प्रेस से कहा, 'इस साल मेरे कुछ मैच काफी मुश्किल रहे, लेकिन यह पिछले साल से बेहतर है। मुझे लगता है कि यह सब मेरे खेल को बेहतर बनाने और उसे और मजबूत करने की कोशिश का नतीजा है और मुझे लगता है कि सुधार हो रहे हैं खासकर मेरे फोरहैंड में, मैं इस बात से खुश थी कि पूरे टूर्नामेंट में मेरा खेल कैसा रहा।'

शनिवार के फाइनल में गॉफ का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा जिन्होंने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में एलेना रायबाकिना को 6-4, 6-3 से हराया था। गॉफ का सबालेंका से 12 बार मुकाबला हुआ है, हाल ही में 2025 में मैड्रिड फाइनल, रौलां गैरो फाइनल और WTA फाइनल रियाद ग्रुप स्टेज में; जिसमें फ्रांस में हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ ने जीत हासिल की थी। सबालेंका और गॉफ़ के बीच टूर-लेवल पर अब तक 12 मुकाबले हुए हैं, जिनमें दोनों ने 6-6 जीत हासिल की हैं।

राजस्थान रॉयल्स को सस्ते में मिल गए वैभव सूर्यवंशी !, रखा था इतने करोड़ का बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के साथ IPL में शुरूआत और भारतीय युवा टीम में पिछले एक साल से सूर्खियों में रहे 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर IPL फ्रेंचाइजी ने खुलासा किया कि उनके लिए 10 करोड़ तक का बजट अलग रखने की योजना बनाई थी। हालांकि राजस्थान को सूर्यवंशी बेहद सस्ते में मिल गए और उन्होंने इसके लिए 1.1 करोड़ ही चुकाने पड़े।

वैभव ने महज 12 साल की उम्र में बिहार के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया। इसके बाद 13 साल की उम्र में IPL ऑक्शन में बिके और 14 साल की उम्र में अपने पहले ही सीजन में 35 गेंदों में शतक लगाकर सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बन गए। हाल ही में उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में 80 गेंदों पर 175 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी जीता।

राजस्थान रॉयल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट जुबिन भरुचा ने ट्रायल को याद करते हुए कहा कि अक्टूबर 2024 में ट्रायल के दौरान ही वैभव ने सबका ध्यान खींच लिया था। वैभव ने पहली गेंद को जिस तरह से खेला उससे उन्हें यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की याद दिला दी। वैभव ने ट्रायल के दौरान 6 फीट लंबे तेज गेंदबाजों का सामना किया। एक गेंदबाज ने 157 KPH की रफ्तार से गेंद डाली जिसे वैभव ने सीधे साइटस्क्रीन के ऊपर छक्का जड़ दिया। इतनी तेज गेंद पर इतनी आसानी से छक्का मारना सामान्य नहीं है, वो भी इतनी कम उम्र में।

IPL 2026 में अब सूर्यवंशी के सामने बड़ी चुनौती खुद को लगातार बेहतर बनाते हुए हर परिस्थिति में रन बनाने की होगी। आईपीएल का आगाज शनिवार 28 मार्च से हो रहा है जबकि राजसथान रॉयल्स की टीम 30 मार्च को अपने अभियान की शुरूआत करेगी जहां उसका सामने चेन्नई सुपर किंग्स से होगा।

पीएसएल 2026 में नया नियम लागू, अब टॉस के बाद चुनी जाएगी अंतिम प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 का आगाज एक नए और दिलचस्प नियम के साथ हुआ है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में लाहौर कलंदर्स और हैदराबाद किंग्समेन आमने-सामने आए, लेकिन मैच से पहले लागू किए गए इस नियम ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी।

दरअसल, अब पीएसएल में कप्तानों को टॉस के समय दो अलग-अलग टीम शीट ले जाने की अनुमति दी गई है। टॉस के बाद कप्तान इन दोनों में से किसी एक प्लेइंग इलेवन का चयन कर सकते हैं। इस नियम का मुख्य उद्देश्य ओस (ड्यू) के प्रभाव को संतुलित करना है, जो आमतौर पर दूसरी पारी में मैच की दिशा बदल देती है। क्रिकेट की अन्य टी20 लीगों में टॉस से पहले ही दोनों टीमें अपनी प्लेइंग इलेवन तय कर लेती हैं और एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। हालांकि, पीएसएल के इस नए नियम के तहत टीमों को अधिक रणनीतिक लचीलापन मिलेगा। यह नियम 'नॉमिनेशन एंड रिप्लेस्मेंट ऑफ प्लेयर' के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिससे टीमें मैच की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर संयोजन चुन सकें।

नए प्रावधान के मुताबिक, टॉस से पहले हर कप्तान दो अलग-अलग संभावित टीम संयोजन लिखित रूप में मैच रेफरी को सौंप सकता है। प्रत्येक टीम शीट में 11 खिलाड़ी और अधिकतम चार सब्स्टीट्यूट फील्डर शामिल हो सकते हैं। टॉस के बाद कप्तान अपनी पसंद की अंतिम टीम शीट पर हस्ताक्षर करेगा। एक बार टीम तय हो जाने के बाद मैच शुरू होने से पहले उसमें बदलाव करने के लिए विरोधी कप्तान की सहमति आवश्यक होगी। यह नियम उस समय लागू होते देखा गया जब लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और हैदराबाद किंग्समेन के कप्तान मार्नस लाबुशेन टॉस के लिए दो-दो टीम शीट लेकर मैदान पर पहुंचे। उपमहाद्वीप में ओस लंबे समय से कप्तानों के लिए बड़ी चुनौती रही है। नमी के कारण स्पिन गेंदबाजों के लिए गेंद को पकड़ना मुश्किल हो जाता है, जबकि तेज गेंदबाजों की स्लो गेंदें भी कम प्रभावी हो जाती हैं। साथ ही आउटफील्ड तेज हो जाती है, जिससे बल्लेबाजों को रन बनाने में आसानी होती है। ऐसे में पीएसएल का यह नया नियम मैच को और अधिक संतुलित और रोमांचक बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

बेन डकेट ने नाम लिया वापस, दो साल के बैन की संभावना

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए ओपनिंग करने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे समय पर लिया गया यह फैसला दिल्ली की तैयारियों पर सीधा असर डाल सकता है, जब सभी टीमें अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप दे रही हैं। डकेट के इस कदम के बाद बीसीसीआई उनके खिलाफ सख्त रुख अपना सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट से अचानक हटने के कारण उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जिससे वह आगामी दो सीजन में आईपीएल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। इससे पहले हैरी ब्रुक पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है।

दिल्ली कैपिटल्स के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि डकेट ने फ्रेंचाइजी को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया है। टीम प्रबंधन अब उनके विकल्प की तलाश में जुट गया है और जल्द ही नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा की जा सकती है। नीलामी में डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और उनसे उम्मीद थी कि वह केएल राहुल के साथ टीम को मजबूत शुरुआत देंगे। डकेट ने अपने फैसले के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की वजह बताई है। उन्होंने हालिया प्रदर्शन को निराशाजनक बताते हुए कहा कि वह अपने करियर पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। एशेज सीरीज में उनका प्रदर्शन औसत रहा था, वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, जिसने उनके फैसले को और मजबूती दी।

विराट इस सत्र में ऑरेंज कैप हासिल करेंगे : जितेश

नई दिल्ली। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के अनुसार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप हसिल करेंगे। जितेश ने कहा, विराट इसके साथ ही आईपीएल में सबसे अधिक 973 रन का अपना ही पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। जिस प्रकार से उन्होंने पिछले कुछ समय में खेला है। उससे पता चलता है कि वह काफी अच्छे फार्म में हैं। विराट के नाम एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 2016 के सत्र में 16 मैचों में 973 रन बनाए थे। उस सत्र में उन्होंने 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाए थे और अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया था हालांकि तब वह टीम को खिताब नहीं जिता पाये थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शुरुआती दो मैचों में विफल रहने के बाद उन्होंने अच्छी वापसी करते हुए पिछले 9 मैचों में 4 शतक और 4 अर्धशतक लगाए थे। इससे साफ है कि वह लय में है। लीग के पिछले सत्र में भी विराट सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। तब उन्होंने 15 पारियों में 657 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 54.75 और स्ट्राइक रेट 144.71 रहा था। उन्होंने पूरे सत्र में 8 अर्धशतक लगाए थे। आरसीबी को लीग में पहला मैच सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। इस टीम के खिलाफ उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ 24 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक के साथ ही 805 रन बनाए थे। विराट ने अब तक दो बार ऑरेंज कैप जीती थी।

आईपीएल के पहले ही मैच में रिकार्ड बना सकते हैं भुवनेश्वर

मुम्बई । आईपीएल के 19 सत्र के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। भुवनेश्वर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले पहले मैच में दो विकेट लेने के साथ ही इस लीग में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक इस लीग में स्पिनर यजुवेन्द्र चहल के नाम ही 200 विकेट हैं पर कोई भी तेज गेंदबाज यहां तक नहीं पहुंचा है। भुवनेश्वर ने अब तक 190 आईपीएल मैचों में 198 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.33 रहा है। इस दौरान उन्होंने 2 बार 5 विकेट और 2 बार 4 विकेट भी लिए हैं1 आईपीएल में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं तेज गेंदबाजों की बात करें तो जसप्रीत बुमराह सूची में दूसरे नंबर पर हैं, उनके नाम 183 विकेट हैं। वहीं वेस्टइंडीज के डवेन ब्रावो के नाम भी इतने ही विकेट हैं। आरसीबी ने इस सत्र में भुवनेश्वर को 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। पिछले सत्र में उन्होंने 14 पारियों में 17 विकेट लिए थे। भुवनेश्वर कुमार का पावरप्ले में रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने आईपएल में अपने 79 विकेट पावरप्ले में लिए हैं, जो किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 6.46 रही है।

आईपीएल 2026: आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है। दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों की दावेदारी मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शुभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ मैदान पर उतरेंगे, जिससे उनके बड़े स्कोर बनाने की संभावना और बढ़ जाती है।

इसके अलावा विराट कोहली और केएल राहुल को भी ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल किया गया है। कोहली पहले ही दो बार यह खिताब जीत चुके हैं और उनका अनुभव उन्हें इस दौड़ में मजबूत बनाता है। वहीं चोपड़ा का मानना है कि अगर दिल्ली कैपिटल्स अच्छा प्रदर्शन करती है, तो केएल राहुल भी इस रेस में आगे निकल सकते हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऑरेंज कैप जीतने के लिए किसी बल्लेबाज को कम से कम 600 से 650 रन बनाने होंगे। उन्होंने जायसवाल के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि वह लगातार रन बना रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। यही वजह है कि उनसे इस सीजन में बड़े प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणियां सही साबित होती हैं या कोई नया खिलाड़ी इस रेस में सबको चौंका देता है।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक, आईओसी ने बदली नीति

नई दिल्ली । इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और भविष्य के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है। आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाड़ियों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जरिए सैंपल लिया जा सकता है। हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है। आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत और हार के बीच बहुत कम अंतर होता है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा का निष्पक्ष होना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला वर्ग में मुकाबला करना न केवल अनुचित है, बल्कि कुछ खेलों में सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर एथलीट के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा और इस प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों को अपने करियर में केवल एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी। आईओसी का यह कदम सभी खेलों के लिए एक समान नियम लागू करने की दिशा में उठाया गया है, ताकि अलग-अलग खेल संघों द्वारा अलग-अलग मानदंड तय करने की स्थिति समाप्त हो सके। गौरतलब है कि इससे पहले आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन स्तर के आधार पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति देता था या यह निर्णय संबंधित खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था। हालांकि अब आईओसी एक समान और स्पष्ट नीति लागू करना चाहता है। इस बीच, कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीटों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप : भारत ने पाकिस्तान को दी करारी हार, टूर्नामेंट से कर दिया बाहर

माले । ओमांग डोडुम के दो गोलों की बदौलत भारत ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 3-0 से करारी हार दी और सैफ (दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ) अंडर-20 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच की तीसरी मिनट में गुरनाज सिंह ने शानदार पास भेजा, जिसे इंडियन सुपर लीग के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी विशाल यादव ने गोल में बदला और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में पाकिस्तान ने कई मौके बनाए, लेकिन भारतीय रक्षा और गोलकीपर सुरज अहेइबम ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। दूसरे हाफ में ओमांग डोडुम ने खेल पर कब्ज़ा जमाया। 64वें मिनट में उन्होंने रिकी की पास से शानदार हेडर किया और भारत की बढ़त दोगुनी की। 88वें मिनट में प्रशान जाजो के पेनल्टी में गिराए जाने पर डोडुम ने इसे टॉप कॉर्नर में बदलकर स्कोर 3-0 किया। डोडुम को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत 28 मार्च को ग्रुप चरण के अपने अगले मैच में बांग्लादेश का सामना करेगा।

एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा लक्ष्य : मीराबाई चानू

रायपुर । भारत की ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि वह राष्ट्रमण्डल खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में ही उतरेंगी पर उसके बाद उन्हें इसे एशियाई खेलों के लिए बदलना होगा। चानू के अनुसार वह आज तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं , इसलिए उनका लक्ष्य इस बार पदक जीतना रहेगा। इस खिलाड़ी के अनुसार बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए वजन वर्गों में जरुरत के अनुसार बदलाव करना होता है। गौरतलब है कि चानू वह एक दशक से भी अधिक समय से भारत की ओर से विश्व स्तर पर भरोत्तोलन में पदक जीतती रही हैं। इसमें टोक्यो ओलंपिक्स के रजत पदक के साथ ही, तीन विश्व चैंपियनशिप पदक शामिल रहे हैं पर वह अभी तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं। मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में पहली बार एशियाई खेलों में भाग लिया था और 2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में वह नौवें स्थान पर रहीं थीं। बाद में पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था। वह साल 2022 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में पदक के सबसे करीब पहुंची थीं पर फिट नहीं होने के कारण बीच में ही बाहर हो गयी थीं। इसके बाद वह पांच महीने तक खेल से दूर थीं। इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था पर वह पदक जीतने में असफल रहीं थीं। अब उनका लक्ष्य इस बार एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा।

भारत के स्टार हॉकी खिलाड़ी गुरजंत सिंह ने लिया संन्यास, ओलंपिक्स में जीत चुके हैं पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक्स में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य गुरजंत सिंह ने शुक्रवार को हॉकी इंडिया अवार्ड्स समारोह के दौरान अपने संन्यास की घोषणा की। 31 वर्षीय इस भारतीय हॉकी खिलाड़ी ने 2017 में अपने डेब्यू के बाद से 130 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया और 33 गोल किए।

26 जनवरी 1995 को अमृतसर के खैलारा में जन्मे गुरजंत सिंह जूनियर हॉकी रैंक में तेजी से आगे बढ़े और अपनी गति तथा तेज सूझ-बूझ से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने भारतीय हॉकी के सबसे यादगार पलों में से एक में अहम भूमिका निभाई। 2016 में लखनऊ में जूनियर एफआईएच विश्व कप की जीत।

फाइनल में गोल करके भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद करने के बाद उन्होंने 2017 में अपना सीनियर अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और भारतीय आक्रमण पंक्ति के मुख्य खिलाड़ी बन गए। गुरजंत सिंह की सबसे बड़ी उपलब्धियां ओलंपिक मंच पर आईं, जहां वे टोक्यो 2020 और पेरिस 2024, दोनों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का एक अहम हिस्सा थे। गुरजंत ने भारत को एशियाई खेल 2023 और 2017 एशिया कप में स्वर्ण पदक दिलाने में भी मदद की, साथ ही कई एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब भी जीते।

2021 में उन्हें देश के सर्वोच्च खेल सम्मानों में से एक अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आज यहां अपने संन्यास की घोषणा करते हुए गुरजंत सिंह ने कहा, 'मैंने अपनी हॉकी यात्रा की शुरुआत इस कमरे में बैठे सीनियर खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानकर की थी और उनके साथ भारत के लिए खेलने का अपना सपना पूरा करना मेरे लिए एक ऐसी बात है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय हॉकी के ऐतिहासिक पुनरुद्धार का हिस्सा बनकर और दो ओलंपिक पदक हासिल करके मुझे बेहद संतोष महसूस हो रहा है। मैं अंतरराष्ट्रीय मंच से एक बहुत ही खुश और गौरवान्वित व्यक्ति के रूप में विदा ले रहा हूं।'

दिल्ली में मौसम का मिजाज बदला, बारिश और तेज हवाओं का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कड़कती धूप और बढ़ती गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले चार दिनों तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम में यह बदलाव 28 मार्च से सक्रिय हो रहे एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण देखने को मिलेगा, जिसके चलते दिल्ली के विभिन्न इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात से ही आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। शुक्रवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच गरज-चमक के साथ हल्की फुहारें गिरने के आसार हैं। हालांकि 28 मार्च को मौसम थोड़ा शांत रह सकता है, लेकिन 29 मार्च को एक बार फिर बादलों के बरसने की प्रबल संभावना है। सबसे अधिक प्रभाव 30 मार्च को देखने को मिल सकता है, जब दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और बारिश के साथ मौसम खुशनुमा हो जाएगा। इस बदलाव के बाद तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। इससे पहले, बृहस्पतिवार को दिल्लीवासी तेज धूप और उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। दिन का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी का अधिकतम स्तर 77 प्रतिशत और न्यूनतम 25 प्रतिशत रहा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में होने वाली यह बूंदाबांदी मार्च के अंत में बढ़ते पारे पर लगाम लगाएगी और धूल भरी हवाओं से भी राहत दिलाएगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भारत-मिडिल ईस्ट के बीच 22 नई फ्लाइट बढ़ाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार के लिए अद्यतन अंतरराष्ट्रीय उड़ान कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें भारत और पश्चिम एशिया के प्रमुख गंतव्यों के बीच संचालित होने वाली 22 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों की पुष्टि की है। एयरलाइनों ने बताया कि संशोधित योजना क्षेत्र में वर्तमान यात्रा पैटर्न और परिचालन आवश्यकताओं को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट में बयान के मुताबकि एयर इंडिया जेद्दा से आने-जाने वाली चार निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई से दो-दो उड़ानें शामिल हैं। मुंबई-रियाद मार्ग पर दो और निर्धारित उड़ानें संचालित होंगी। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट और रियाद से आने-जाने वाली चार-चार उड़ानों के साथ इन मार्गों को और मजबूत करेगी। मस्कट की उड़ानें दिल्ली और मुंबई से संचालित होंगी, जबकि रियाद की उड़ानें बेंगलुरु और कोझिकोड से शुरू होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों एयरलाइनें हवाईअड्डों पर उपलब्ध स्लॉट और मौजूदा जमीनी परिस्थितियों के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने वाली आठ अनियमित उड़ानें भी संचालित करेंगी। इन अतिरिक्त उड़ानों का उद्देश्य यात्रियों की भारी मांग को प्रबंधित करना और उनके लिए अधिक क्षमता सुनिश्चित करना है। प्रेस नोट में उस दिन की निर्धारित, अनियमित और अस्थायी रूप से निलंबित सेवाओं की पूरी सूची दी गई है। जेद्दा, रियाद और मस्कट जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें जारी रहेंगी, जबकि दुबई और अबू धाबी समेत यूएई के कुछ एयरपोर्ट पर केवल अनियमित उड़ानें ही चलेंगी।

पेड पीरियड लीव : कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ कोर्ट पहुंची 15 कामकाजी महिलाएं

जयपुर (एजेंसी)। बेंगलुरु,(ईएमएस)। कर्नाटक में कामकाजी महिलाओं के लिए पेड पीरियड लीव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर 2025 को सभी सरकारी और निजी सेक्टर की महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव देने का आदेश दिया था। इस आदेश के तहत महिलाओं को उस दिन की सैलरी भी मिलेगी। हालांकि, कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ अब बेंगलुरु की 15 निजी कंपनियों में मैनेजर पद पर कार्यरत महिलाओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इन महिलाओं का तर्क है कि पुरुष और महिला के बीच अलग नियम बनाना कार्यस्थल पर समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका कहना है कि इस तरह की अनिवार्य छुट्टी महिलाओं को कमजोर दिखाने वाली सोच को बढ़ावा देती है और नियोक्ता उन्हें पुरुषों से कम सक्षम समझ सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेप के आरोपी को नहीं दी जमानत, भरोसा तोड़ना भी माना अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के आरोपी को जमानत देने से इंकार किया है। जस्टिस गिरीश कठपालिया की बेंच ने आदेश में कहा कि यह मामला केवल बलात्कार तक सीमित नहीं है, बल्कि रिश्ते में भरोसे को तोड़ना भी अपराध है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई मानकर राखी बांधी थी और पीड़िता उस पर भरोसा करती थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बताया कि एफआईआर में पीड़िता ने घटना विस्तार से बताकर कहा कि उसने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने पीड़ित को काबू कर कपड़े से मुंह बंद कर दिया। जस्टिस कठपालिया ने कहा, फ़यह सिर्फ बलात्कार का मामला नहीं है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई माना और उस पर भरोसा किया। इन परिस्थितियों को देखकर जमानत देना उचित नहीं है। मामला साल 2021 का है, जब 13 साल की नाबालिग ने आरोप लगाया कि आरोपी ने बहाने से होटल ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। उसी साल रेप का केस दर्ज होने के बाद आरोपी हिरासत में था। मार्च 2026 में उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

आरोपी के वकील विवेक त्रिपाठी ने जमानत का आधार पर बताया कि आरोपी बीते साढ़े चार साल से हिरासत में है। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक संजीव सभरवाल ने अपराध की गंभीरता को देखकर जमानत देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट में पीड़िता की गवाही पूरी तरह से अभियोजन के पक्ष में है और अब केवल दो औपचारिक गवाहों की जांच बाकी है। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया कि नाबालिग के प्रति भरोसे का उल्लंघन भी गंभीर अपराध माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जमानत देने से न्याय के अधिकार और पीड़िता के विश्वास की रक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। इस प्रकार, आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

सीएम नीतीश से मिला बेटा निशांत तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? कहीं कमाने गए थे क्या?

-कांग्रेस नेता बोले- नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को निपटाना चाहती बीजेपी

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर बिहार कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को बीजेपी निपटाना चाहती है। राठौड़ ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा कि एक विचित्र खबर छपी है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार का 50 साल बेरोजगार पुत्र जो उन्हीं के घर में रहते हैं, उन्ही की रोटी पर पलते हैं, लेकिन कल अपने पिता से मिले। कहां से आकर मिले? कहीं कमाने गए थे कि चिड़ियाखाना से आकर मिले?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की एक बड़ी साजिश है। पहले तो नीतीश कुमार को निपटा दिया या फिर नीतीश कुमार निपट गए, अब उनके बेटे को जगह मिलने से पहले निपटाना चाहती है। नीतीश कुमार का बेटा निशांत जो 50 साल का बेरोजगार है, वह 20 साल से नीतीश कुमार के घर में रहा है। वह उनसे मिला तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? बंद कमरे में बात हुई तो क्या नीतीश कुमार के घर पर कोई दूसरा भी सोता है क्या? जनता सोती है क्या?

राजेश राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की साजिश है कि नीतीश कुमार के साथ-साथ उनके बेटे को भी निपटा दें। उनके बेटे का अखबार में बयान भी छपता है कि 2005 के पहले क्या था? राठौड़ ने कहा कि 2005 के बाद निशांत पिताजी ने बिहार को बेरोजगार बना दिया। सारे चीनी मिल बंद हो गए। आपके पिता को पांच साल के लिए मौका मिलता है तो उसमें भी वो तीन बार सरकार बना लेते हैं। पूरे बिहार को भड्डा बना दियाज्दलालों, माफिया और कमिश्नखोरों की सरकार बनाकर रख दी है।

राहुल गांधी में कार्यकर्ता जितनी समझ अच्छी बात, कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है

-केरल के सीएम वियजन के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल सीएम की ओर से राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह तो अच्छी बात है न कि राहुल जी के अंदर कार्यकर्ता जितनी समझ है, क्योंकि कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है। हमें इस बात पर गर्व है। जो लोग हवा में उड़ते हैं वो यह नहीं जानेंगे। बता दें एक दिन पहले केरल सीएम पिनाराई विजयन ने कहा था कि राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। यह समझना मुश्किल है कि उनका इतना बुरा हाल कैसे हो रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि केरल में हम आसानी से जीतेंगे। हमारी उम्मीदें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। लोगों का मूड कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के पक्ष में है। आप देख सकते हैं कि केरल का पूरा मूड बदलाव का है, सरकार बदलने का है। हमें चुनाव जीतने का पूरा भरोसा है।

रामनवमी जुलूस पर पथराव, मची अफरा-तफरी, कई घायल, एक दर्जन लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के अहिल्यनगर जिले के श्रीरामपूर शहर में रामनवमी का जुलूस निकाल रहा था। गुरुवार शाम जुलूस सय्यद बाबा चौक से गुजरा, तभी अचानक पथराव शुरू हो गया। जुलूस में शामिल लोग नाच-गा रहे थे, तभी मस्जिद के पीछे से अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इस पथराव में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत गंभीर थी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पथराव होते ही जुलूस में अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को वहां से हटाया। लोगों को समझा-बुझाकर शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने मस्जिद के मौलाना समेत 10 से 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

चंडीगढ़ में दो दिवसीय एयर शो का आगाज, सूर्यकिरण टीम ने दिखाए रोमांचक करतब

-सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच सुखना लेक आम लोगों के लिए बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सुखना लेक पर शुक्रवार से दो दिवसीय एयर शो का भव्य आगाज हुआ, जिसमें भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने आसमान में शानदार करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। शो देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, हालांकि प्रवेश केवल प्री-बुकिंग के आधार पर ही दिया गया।

एयर शो के दौरान हर दिन लगभग 10 हजार दर्शकों के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुखना लेक को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। आयोजन स्थल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ के चीफ सेक्रेटरी राजेश प्रसाद भी मौजूद रहे। प्रशासन ने दर्शकों के लिए खुले में बैठने की विशेष व्यवस्था की है ताकि सभी लोग आराम से एयर शो का आनंद ले सकें।

इस एयर शो की खास बात यह है कि इसमें चंडीगढ़ के दो पायलट भी हिस्सा ले रहे हैं। विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह सूर्यकिरण टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि विंग कमांडर दिवाकर शर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। तेजेश्वर सिंह आर्मी पब्लिक स्कूल, चंडी मंदिर के 2005 बैच के छात्र रह चुके हैं। उनके साथ फ्लाइट लेफ्टिनेंट कमल संधू भी टीम में शामिल हैं।

एयर शो के दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम भी तैनात की गई है, जो आसमान में उड़ने वाले पक्षियों पर नजर रख रही है, ताकि विमानों की उड़ान में कोई बाधा न आए। हालांकि सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसका कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा और तय समय पर एयर शो सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह आयोजन शहरवासियों और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

बंगाल में बदली भाजपा की रणनीति... ममता सरकार के खिलाफ आज शाह जारी कर सकते हैं चार्जशीट

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। इस बार पार्टी बॉटम-अप (नीचे से ऊपर की ओर) और क्षेत्र-विशिष्ट अभियान पर ध्यान केंद्रित करने में जुटी है। भाजपा का मुख्य लक्ष्य तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सबसे मजबूत गढ़ कोलकाता और उसके आसपास के जिलों की 100 से अधिक सीटों पर जीत पाना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को टीएमसी सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट जारी करने वाले है। इसमें सत्ताधारी ममता सरकार के कथित कुशासन और भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा दिखाया गया है। इसके साथ ही पार्टी एक श्वेत पत्र भी जारी करेगी, जिसमें टीएमसी सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी। बात दें कि आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बड़ी रैलियों की योजना बनाई है। 2021 के विपरीत इस बार भाजपा डोर-टू-

डोर संपर्क अभियान चलाएगी। लोकल समस्याओं को मुद्दा बना रही है। पिछले चुनाव में भाजपा को केंद्रीय नेताओं को रैलियों पर भरोसा था।

भाजपा की नई योजना के मुताबिक, कोलकाता में कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलता और हालिया आरजी कर (आरजी कर) जैसे संवेदनशील मुद्दों को उजागर करना है। वहीं, उत्तर 24 परगना (पानीहाटी) में कचरा डंपिंग जैसे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। अलीपुरद्वार में शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य ढांचे की कमियों को मुद्दा बनने की तैयारी है। पार्टी ने हर क्षेत्र के लिए अलग चार्जशीट तैयार की है, इस चार्जशीट को कार्यकर्ताओं द्वारा सीधे जनता तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा ने कोलकाता, हावड़ा, हुगली, दक्षिण और उत्तर 24 परगना के जिलों में 100 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। कोलकाता की 29 सीटें वर्षों से टीएमसी का मजबूत किला रही हैं, जहां ममता के दिग्गज मंत्री और विधायक चुनाव लड़ते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए भाजपा ने इस बार जमीनी नेताओं को तरजीह दी है। भाजपा ने माणिकतला सीट से टीएमसी छोड़कर आए तापस रॉय, भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी को उतारा है।

उत्तर बंगाल में 2021 में भाजपा यहां मजबूत स्थिति में थी। 34 सीटें मिली थीं। इस बार लक्ष्य 54 में से 45 सीटें जीतने का है। पार्टी यहां न्यू नॉर्थ बंगाल का नारा दे रही है और चाय बागान श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठा रही है। पार्टी माइक्रो-लेवल बूथ मैनेजमेंट पर जोर दे रही है ताकि केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी हर घर तक पहुंचाई जा सके।

महाराष्ट्र विधानसभा में फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच गिरफ्तार, कर्मचारी भी शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुलिस ने विधानसभा सत्र के दौरान फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला तब सामने आया जब एक शिकायत में अनधिकृत पासों के वितरण का जिक्र किया गया। सत्र के दौरान राज्यमंत्री उदय सामंत ने यह मुद्दा उठाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच की और इस रैकेट से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ मंत्रालय से जुड़े कर्मचारी हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान केशव गुंजल (53), गणपत भाऊ जावले (50), नागेश शिवाजी पाटिल (42), मनोज आनंद मोरबाले (40) और स्वप्निल रमेश तायडे (40) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक और भी संदिग्ध इसमें शामिल हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। इस मामले ने एक अहम विधायी सत्र के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि फर्जी पास कैसे बनाए गए, इस प्रक्रिया को किसने अधिकृत किया और क्या किसी अंदरूनी व्यक्ति के समर्थन से यह जालसाजी संभव हुई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा: खामेनेई के पोस्टरों पर गरमाया माहौल, विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी (पीडीपी) के विधायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विधायक हाथों में खामेनेई के पोस्टर और तस्वीरें लेकर सदन में पहुंचे और उनके समर्थन में नारेबाजी की। इसी बीच कुछ विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई, जिससे सदन की कार्यवाही वाधित हुई।

प्रदर्शन कर रहे विधायकों का कहना था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है और इस घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निंदा होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी और जम्मू-कश्मीर सरकार ईरान के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले भी इस तरह की घटनाओं की निंदा कर चुके हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आई थी, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में

भी राजनीतिक तापमान बढ़ गया और इसका असर सदन की कार्यवाही पर साफ दिखाई दिया।

कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच झड़प

इस बीच, विधानसभा के भीतर एक अलग मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी झड़प हो गई। बताया गया कि कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी। इसके जवाब में बीजेपी विधायक युद्धवीर सेठी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया। देखते ही देखते बहस ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के विधायकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, हंगामा बढ़ने के कारण सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

एनएफआर ने वित्त वर्ष 2025-26 में 35 ट्रेनों की गति बढ़ाई, ट्रेन परिचालन को जबरदस्त बढ़ावा

मालीगांव (एजेंसी)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अपने नेटवर्क पर 35 ट्रेनों की गति बढ़ाकर परिचालन दक्षता और यात्रियों की सुविधा को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इस समन्वित प्रयास के परिणामस्वरूप यात्रा समय में कुल 675 मिनट की बचत हुई है, जिससे प्रति ट्रेन के यात्रा समय में औसतन लगभग 19.29 मिनट की कमी आई है। गति में यह वृद्धि दैनिक, साप्ताहिक और द्वि-साप्ताहिक ट्रेन सेवाओं के मिश्रण को कवर करती है, जो महत्वपूर्ण गंतव्यों को जोड़ती हैं। इस प्रकार, यह विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों को व्यापक लाभ सुनिश्चित करती है। मुख्य सुधारों में, न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगाँव एक्सप्रेस, हावड़ा-गुवाहाटी सराईघाट एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़-देवघर एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों और कई अन्य ट्रेनों के यात्रा समय

में काफी बचत हुई है। इनके यात्रा समय में क्रमशः 60 मिनट, 30 मिनट और 90 मिनट तक की कमी आई है। इंटरसिटी, मेल/एक्सप्रेस और यात्री ट्रेनों के परिचालन के दौरान जिन कई अन्य मार्गों पर भीड़भाड़ की समस्या रहती थी, उन्हें भी बेहतर सेक्शनल गति, बेहतर समय-सारिणी और बुनियादी ढांचे में सुधार के माध्यम से बेहतर बनाया गया है। यह सुधार ट्रेन परिचालन को आधुनिक बनाने और नेटवर्क की कार्यक्षमता को अधिकतम करने के प्रति एनएफआर की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता हैं।

ट्रेन परिचालन की गति बढ़ने से रेलवे और उसके यात्रियों को काफी लाभ हुए हैं। यात्रियों के लिए, यात्रा का समय कम होने से ज्यादा सुविधा, बेहतर यात्रा अनुभव और बेहतर कनेक्टिविटी मिलती है। तेज सेवाएँ विश्वसनीयता और समय की पाबंदी को भी बढ़ाती हैं, जिससे रेल परिवहन अन्य साधनों की तुलना में ज्यादा आकर्षक विकल्प बन जाता है। वहीं रेलवे के लिए, गति को सही स्तर पर रखने से रोलिंग स्टॉक और ट्रैक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल होता है, ट्रेनों का टर्नअराउंड समय बेहतर होता है और कुल मिलाकर परिचालन क्षमता बढ़ती है। इसके अलावा, समय की बचत ऊर्जा दक्षता और लागत अनुकूलन में योगदान देती है और साथ ही यह उसी बुनियादी ढांचे के तहत अतिरिक्त सेवाएँ शुरू करने की संभावना भी प्रदान करती है।

अमेरिका में फिर बढ़ने लगे कोरोना के मामले... भारत में क्या स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में फिर कोरोना के मामलों में अचानक बढ़ोतरी ने चिंता पैदा कर दी है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वायरस का एक नया बीए.3.2 वेरिएंट सामने आया है। सीडीसी के अनुसार, 11 फरवरी तक बीए.3.2 वेरिएंट 23 देशों में मिला है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह वेरिएंट इम्यून सिस्टम को आंशिक रूप से चकमा देने की क्षमता रखता है, जिससे दोबारा इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि मौजूदा स्थिति पहले जैसी गंभीर नहीं है। पिछले कुछ सालों में बड़ी संख्या में लोग वैक्सीन ले चुके हैं या इंफेक्शन से गुजर चुके हैं, जिससे लोगों में हाइब्रिड इम्यूनिटी विकसित हो चुकी है। इसकारण भले ही इंफेक्शन बढ़े, लेकिन गंभीर मामलों की संभावना पहले की तुलना में कम हो सकती है।

अब सवाल उठता है कि क्या इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है? एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कोरोना वायरस अब पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह एक एंडेमिक वायरस बन चुका है, यानी समय-समय पर इसके केस बढ़ते-घटते रहने वाले है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि सिर्फ नए वेरिएंट के आने का मतलब यह नहीं है कि फिर से महामारी जैसी स्थिति बनेगी।

जानकार डॉक्टर ने बताया कि कोरोना वायरस अब एक एंडेमिक बीमारी बन चुका है, यानी यह पूरी तरह खत्म नहीं होगा बल्कि समय-समय पर नए रूप में आता रहेगा। डॉक्टर का कहना है कि नए वेरिएंट की वजह से इंफेक्शन के मामले बढ़ सकते हैं। लेकिन ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के से मध्यम रह सकते हैं, जैसे बुखार, खांसी और थकान। कुछ लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

एक्सपर्ट का मानना है कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। हेल्थ सिस्टम अब पहले से ज्यादा तैयार है और टेस्टिंग, इलाज और वैक्सीनेशन के बेहतर इंतजाम मौजूद हैं। इसके बावजूद, निगरानी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**